NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance
specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 13 अंक: 302 लखनऊ, बुधवार 19 जून 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

गौ संरक्षण केंद्रों का निर्माण व विकास करेगी योगी सरकार, पशुपालन विभाग ने शुरू की तैयारियां

संवाददाता। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में गोवंश संरक्षण के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। इस कड़ी में प्रदेश के विभिन्न जिलों में 44 गो संरक्षण केंद्रों के निर्माण व विकास का मार्ग प्रशस्त हो गया है। उत्तर प्रदेश में गोवंश संरक्षण के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। इस कड़ी में प्रदेश के विभिन्न जिलों में 44 गो संरक्षण केंद्रों के निर्माण व विकास का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इस क्रम में प्रदेश सरकार द्वारा पशुधन विभाग को आदेश जारी किया गया है तथा 5.28 लाख रुपए की धनराशि व्यय से 15 जिलों में गो संरक्षण केंद्रों के निर्माण व विकास को सुनिश्चित किया जाएगा। इन

स्थानों पर हो रहा है गोवंश संरक्षण स्थलों का निर्माण

इस प्रक्रिया के अंतर्गत प्रत्येक गौ संरक्षण केंद्रों को 12 हजार रुपए की धनराशि व्यय से निर्मित व विकसित किया जाएगा। इस क्रम में बरेली के अनिरुद्धपुर, मउचंदपुर, सिकोड़ा, अंबरपुर, करतौली, मानपुर अहियापुर, चुरई दलपतपुर, बांसबोझ, महेशपुर शिव सिंह और शेखापुर में गौ संरक्षण केंद्रों का निर्माण व विकास किया जाएगा। इसी प्रकार, उन्नाव के तौरा, टिकरा सामद, छूलामऊ, कोंथा व देवमई में गौ संरक्षण केंद्रों का निर्माण व विकास किया जाएगा। वहीं, शाहजहांपुर के शहबाजनगर, धुसगवां, बागपत के बिजवाड़ा, काकौर, अगला अगरी, लखीमपुर खीरी के कादीपुर, जालौन के नुनबई व गुजराजपुर, कासगंत के नादरमई व मथुरा के बढ़ौता में भी विकास कार्यों को पूर्ण किया जाएगा। इसी प्रकार, सम्भल के साकिन शोभापुर मुनजब्ता, एचौली व निरयावली, रायबरेली के बन्नांवा, अमेठी के दक्खिनगांव, कोरारी लच्छनशाह, खारा व टीकरमाफी, हरदोई के बरेला कमालपुर, कुरसेली व उचवल, फतेहपुर के जरौली व भादर, मुरादाबाद के मोहम्मदपुर मनसुख, रायपुर खुर्द व राजपुर मिलक तथा आगरा के खेड़ी अडू व कुर्रा चित्तरपुर में में गौ संरक्षण केंद्रों का निर्माण व विकास किया जाएगा।

गैराज में लगी आग में एक के बाद एक कई गाड़ियों में ब्लास्ट, सात लग्जरी कारें जलकर राख

संवाददाता। लखनऊ

लखनऊ के चिनहट इलाके में स्थित एक कार गैराज में मंगलवार को भीषण आग लग गई। इससे कई लग्जरी कारें आग की चपेट में आ गईं। चिनहट में मंगलवार को देवा रोड पर बाबा हॉस्पिटल के पीछे एक कार गैराज में आग लग गई। हादसे में एक के बाद एक कई गाड़ियों में ब्लास्ट हो गया। धमाकों की दहशत से लोग दहल उठे। दमकल कर्मी पांच गाड़ियों से आग पर काबू पाने में जुट गए। बाबा हॉस्पिटल के पीछे यूनिक मोटर नामक कार गैराज है। मंगलवार सुबह आठ बजे गैराज में खड़ी एक सीएनजी कार में आग लग गई। देखते

ही देखते आग ने 20 अन्य गाड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया फिर गाड़ियां एक के बाद एक ब्लास्ट होने लगीं। तेज धमाके के कारण इलाके में रहने वाले लोग दहल उठे। वहां अफरातफरी मच गई। लोगों ने दमकल को घटना की सूचना दी। वे खुद भी आग पर काबू पाने की कोशिश करने लगे। मगर ब्लास्ट होने के कारण आग विकराल हो उठी।

ओडिशा के बालासोर में क्यों हुए खराब हालात ? पशु बलि को लेकर हुई जमकर हिंसा, इंटरनेट सेवाएं निलंबित, पूरा इलाके में लगा कर्फ्यू

एजेंसी।

नई दिल्ली ओडिशा के बालासोर शहर में दो समूहों के बीच हिंसक झड़प के बाद 17 जून की मध्यरात्रि से 18 जून की मध्यरात्रि तक कर्फ्यू लगा दिया गया है। जिला प्रशासन ने संवेदनशील क्षेत्रों में इंटरनेट सेवाओं को भी निलंबित कर दिया है और निवासियों से घर के अंदर रहने का आग्रह किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि ओडिशा के बालासोर में जिला प्रशासन ने दो समूहों के बीच हिंसक झड़प के बाद कर्फ्यू लगा दिया है। 17 जून की आधी रात से 18 जून की आधी रात तक लागू कर्फ्यू का उद्देश्य शहर में व्यवस्था बहाल करना है। एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, बालासोर जिला प्रशासन ने झड़प के जवाब में सीआरपीसी की धारा 144 लगा दी है। अधिकारियों ने संवेदनशील क्षेत्रों में इंटरनेट सेवाओं को भी निलंबित कर दिया है और निवासियों से घर के अंदर रहने का आग्रह

किया है।बालासोर में क्यों हुई हिंसा?

ओडिशा के बालासोर शहर में दो समूहों के बीच हिंसक झड़प के बाद 17 जून की मध्यरात्रि से 18 जून की मध्यरात्रि तक कर्फ्यू लगा दिया गया है। जिला प्रशासन ने संवेदनशील क्षेत्रों में इंटरनेट सेवाओं को भी निलंबित कर दिया है और निवासियों से घर के अंदर रहने का आग्रह किया है। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बालासोर कलेक्टर आशीष ठाकरे को व्यवस्था बहाल करने के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया है।झड़प का कारण यह संघर्ष सोमवार को तब शुरू हुआ जब एक समूह ने पशु बलि के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद दूसरे समूह ने पथराव किया। यह झड़प भुजखिया पीर इलाके में हुई। कानून प्रवर्तन प्रतिक्रिया अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून और व्यवस्था) संजय कुमार जमीनी स्तर पर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। पुलिस ने फ्लैग मार्च किया और करीब 30 लोगों को गिरफ्तार किया है। ओटी रोड के सभी प्रवेश बिंदु बंद कर दिए गए हैं और निवासियों को चिकित्सा आपात स्थिति को छोड़कर अपने घरों से बाहर निकलने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। पुलिस ने कहा, ष्ओटी रोड के सभी प्रवेश द्वार बंद कर दिए गए हैं।ष उन्होंने कहा, ष्कोई भी व्यक्ति अपने घरों से बाहर नहीं निकलेगा या आपातकालीन चिकित्सा सहायता के अलावा पैदल, वाहन या यात्रा नहीं करेगा। बालासोर एसपी सागरिका नाथ ने कहा, ष्बालासोर नगर पालिका क्षेत्र में कर्फ्यू लगा दिया गया है। सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठान और दुकानें बंद रहेंगी।ष एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, ष्संवेदनशील क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस व्यवस्था की गई है और स्थिति नियंत्रण में आ रही है, हालांकि कल कुछ स्थानों पर छिटपुट हिंसा की खबरें आई थीं।व्यावसायिक बंद बालासोर एसपी सागरिका नाथ ने पुष्टि की कि नगर पालिका के भीतर सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठान और दुकानें बंद हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की मौजूदगी बढ़ा दी गई है और अधिकारियों ने बताया कि हिंसा की छिटपुट घटनाओं के बावजूद स्थिति धीरे–धीरे नियंत्रण में आ रही है।

एक ओर लालू यादव से टिकट मांगने पहुंचीं बीमा भारती, उधर बेटे को गिरफ्तार करने घर पहुंच गई पुलिस, जानें पूरा मामला

एजेंसी।

पटना बिहार राजद नेता ने कहा कि पुलिस राजनीतिक दबाव में काम कर रही है और उन्होंने यह भी आरोप लगाया

कि प्रशासन जानबूझकर उन्हें और उनके परिवार को परेशान कर रहा है। व्यवसायी की हत्या के मामले में पुलिस ने एक शूटर को भी गिरफ्तार किया है। व्यवसायी गोपाल यादुका की हत्या के आरोपी बेटे राजा कुमार की तलाश में पुलिस मंगलवार की सुबह राजद नेत्री बीमा भारती के घर पहुंची। बताया जा रहा है कि राजा ने बिजनेसमैन की हत्या के लिए 5 लाख रुपये की सुपारी दी है। पुलिस ने राजद नेता के बेटे राजा को गिरफ्तार करने के लिए उनके घर की तलाशी ली, लेकिन वह वहां नहीं मिले। इस बीच, बीमा एक महिला अधिकारी के बिना एक महिला के घर में प्रवेश करने के लिए पुलिस के खिलाफ खड़ी है। राजद नेता ने कहा कि पुलिस राजनीतिक दबाव में काम कर रही है और उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन जानबूझकर उन्हें और उनके परिवार को परेशान कर रहा है। व्यवसायी की हत्या के मामले में पुलिस ने एक शूटर को भी गिरफ्तार किया है।

राहुल ने पीएम मोदी की चुप्पी पर उठाए सवाल, कहा- पेपर लीक का एपिसेंटर बन चुके हैं भाजपा शासित राज्य

एजेंसी।

नई दिल्ली राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि NEET परीक्षा में 24 लाख से अधिक छात्रों के भविष्य के साथ हुए खिलवाड़ पर भी नरेंद्र मोदी हमेशा की तरह मौन धारण किए हुए हैं। बिहार, गुजरात और हरियाणा में हुई गिरफ्तारियों से साफ है कि परीक्षा में योजनाबद्ध तरीके से संगठित भ्रष्टाचार हुआ है और ये भाजपा शासित

राज्य पेपर लीक का एपिसेंटर बन चुके हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को छम्ज–न्ळ 2024 परीक्षा में कथित अनियमितताओं पर ध्चुप रहनेष के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। राहुल गांधी का प्रधानमंत्री पर ताजा हमला सुप्रीम कोर्ट द्वारा केंद्र और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की खिंचाई करने के तुरंत बाद आया है, जिसमें कहा गया है कि भले ही एनईईटी– यूजी 2024 परीक्षा के संचालन में किसी की ओर से ष्0.001 प्रतिशत लापरवाहीष हुई हो, इसे पूरी तरह से निपटाया जाना चाहिए। राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि छम्ज परीक्षा में 24 लाख से अधिक छात्रों के भविष्य के साथ हुए खिलवाड़ पर भी नरेंद्र मोदी हमेशा की तरह मौन धारण किए हुए हैं। बिहार, गुजरात और हरियाणा में हुई गिरफ्तारियों से साफ है कि परीक्षा में योजनाबद्ध तरीके से संगठित भ्रष्टाचार हुआ है और ये भाजपा शासित राज्य पेपर लीक का एपिसेंटर बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमारे न्यायपत्र में पेपर लीक के विरुद्ध सख्त कानून बना कर युवाओं का भविष्य सुरक्षित करने की हमने गारंटी दी थी। विपक्ष की जिम्मेदारी निभाते हुए हम देश भर के युवाओं की आवाज सड़क से संसद तक मजबूती से उठा कर और सरकार पर दबाव डाल कर ऐसी कठोर नीतियों के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं। एनटीए द्वारा आयोजित एनईईटी–यूजी परीक्षा, देश भर के सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस और आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश का मार्ग है। इस महीने की शुरुआत में, राहुल गांधी ने छम्ज–न्ळ मेडिकल प्रवेश विवाद को लेकर रविवार को मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि परीक्षा में कथित ष्अनियमितताओंष ने उनके नए कार्यकाल के लिए शपथ लेने से पहले ही 24 लाख से अधिक छात्रों को बर्बाद कर दिया है। राहुल गांधी ने देश के छात्रों को आश्वासन दिया कि वह संसद में उनकी आवाज बनेंगे और उनके भविष्य से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे।

असम में बाढ़ से बिगड़ रहे हालात! 1 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित, ये जिले झेल रहे सबसे ज्यादा मार

एजेंसी।

नई दिल्ली रविवार तक, राज्य के केवल चार जिलों में लगभग 6,000 लोग बाढ़ के पानी से पीड़ित थे। इस साल बाढ़, भूस्खलन और तूफान में जान गंवाने वाले लोगों की कुल संख्या 34 है। प्रशासन एक जिले में 11 राहत शिविर चला रहा है, जहां 3,168 लोगों ने शरण ली है, और एक जिले में तीन राहत वितरण केंद्र चला रहा है।असम में बाढ़ की स्थिति और खराब हो गई और आठ जिलों में 1.05 लाख से अधिक लोग बाढ़ की चपेट में आ गए। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) की दैनिक बाढ़ रिपोर्ट के अनुसार, बक्सा, बारपेटा, दरांग, धेमाजी, गोलपारा, करीमगंज, नागांव और नलबाड़ी जिलों में बाढ़ के कारण 1,05,700 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। इसमें कहा गया है कि करीमगंज सबसे बुरी तरह प्रभावित है, जहां 95,300 से अधिक लोग पीड़ित हैं, इसके बाद नागांव है जहां लगभग 5,000 लोग प्रभावित हुए हैं और धेमाजी में 3,600 से अधिक लोग बाढ़ के पानी में फंसे हुए हैं। रविवार तक, राज्य के केवल चार जिलों में लगभग 6,000 लोग बाढ़ के पानी से पीड़ित थे। इस साल बाढ़, भूस्खलन और तूफान में जान गंवाने वाले लोगों की कुल संख्या 34 है। प्रशासन एक जिले में 11 राहत शिविर चला रहा है, जहां 3,168 लोगों ने शरण ली है, और एक जिले में तीन राहत वितरण केंद्र चला रहा है। प्राधिकरण ने पिछले 24 घंटे के दौरान बाढ़ पीड़ितों के बीच 21.5 क्विंटल चावल, 3.81 क्विंटल दाल, 1.14 क्विंटल नमक और 114 लीटर सरसों तेल वितरित किया है। एएसडीएमए ने कहा कि वर्तमान में, 309 गांव पानी में डूबे हुए हैं और राज्य भर में 1,005.7 हेक्टेयर फसल क्षेत्र क्षतिग्रस्त हो गया है।

CHANDRA POST GRADUATE DENTAL COLLEGE & HOSPITAL
In between Hind Medical College & Mayo Medical College, Ayodhya Highway, Barabanki border, Lucknow.

Admission is open for BDS & MDS
CLINICALLY BEST DENTAL COLLEGE
* 200 bedded hospital with trauma Center.
* Ultra Modern, Advance Dental Hospital for all departments separately.
* CAD CAM Zirconia designing and Milling Machine
* Well Equipped Mobile Dental Van for Public Health.
* Record Highest number of Patients inflow amongst all colleges.
* Outstanding facilities of hostel & mess.
Cont: 8447686954 / 6306659654

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ने कार्य प्रगति की समीक्षा की

रेलपथों पर संरक्षा, रेलगाड़ियों के सुरक्षित परिचालन पर बल
समयपालनबद्वता में सुधार पर बल
रेलवे परिसंपत्तियों के अनुरक्षण पर बल

नई दिल्ली उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री शोभन चौधुरी ने उत्तर रेलवे के प्रमुख विभागाध्यक्षों और मंडल रेल प्रबंधकों के साथ आज उत्तर रेलवे की कार्य प्रगति की समीक्षा की । बैठक में रेलपथों पर संरक्षा, रेलगाड़ियों की सुरक्षित संचालन, समयपालनबद्धता और रेल परिचालन में मानवीय त्रुटियों को कम करने पर बल दिया गया। उन्होंने बताया कि संरक्षा उत्तर रेलवे की प्राथमिकता हैं। उन्होंने रेलपथों, वेल्डों के अनुरक्षण मानकों को बेहतर बनाने तथा रेलपटरियों के किनारे पड़े स्क्रैप को हटाने के लिए जोन पर किए गए कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मण्डलों को निर्देश दिए कि वे रेलगाड़ियों के सुरक्षित परिचालन के लिए रेलपथों पर संरक्षा बढ़ाने हेतु अभियान तेज करें और जहां भी जरूरी हो वहां कर्मचारियों को परामर्श दें। उन्होंने कहा कि सिग्नलों, रेल फ्रेक्चरों और रेल वेल्डों की व्यापक निगरानी की जानी चाहिए और इसमें कोई त्रुटि नहीं छोड़नी चाहिए। बैठक के दौरान उठाए गए प्रमुख विषयों में आपातकालीन सहायता प्रोटोकॉल, कर्मचारी प्रशिक्षण पहल, अनुरक्षण शिड्यूल और नई संरक्षा प्रौद्योगिकियों का कार्यान्वयन शामिल थे। उन्होंने विभागों को कर्मचारियों के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण और रिफ्रेशर पाठ्यक्रम आयोजित करने की सलाह दी ताकि उन्हें प्रेरित किया जा सके और मानवीय त्रुटियों को कम करने के लिए प्रणाली के कामकाज के बारे में जानकारी दी जा सके। उन्होंने विभाग प्रमुखों और मंडल रेल प्रबंधकों को समयपालनबद्धता बनाए रखने और संरक्षा को प्राथमिकता देते हुए माल लदान की गति बनाए रखने का भी निर्देश दिया। उत्तर रेलवे अपने ग्राहकों को सुरक्षित, सुगम और बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है ।

ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए बिजली आपूर्ति की दरों मे दो रूपये प्रति यूनिट की वृद्धि के मसौदे को जनता पर मंहगाई की एक और असहनीय सरकारी वार– प्रमोद तिवारी

लखनऊ (आरएनएस)। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने प्रदेश में पावर कारपोरेशन के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए बिजली आपूर्ति की दरों मे दो रूपये प्रति यूनिट की वृद्धि के मसौदे को जनता पर मंहगाई की एक और असहनीय सरकारी वार करार दिया है। उन्होने कहा कि इस समय भीषण गर्मी तथा लू के चलते प्रदेश की जनता बिजली आपूर्ति में खामियों के कारण त्राहि त्राहि कर रही है। उन्होने तंज कसा कि सरकारी भाषणों मे सरकार बिजली गिरा तो रही है पर बिजली बनाने का उसे जरा सा भी फिक्र नही है। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि प्रदेश भर में अभूतपूर्व बिजली कटौती के साथ गरीब उपभोक्ताओं के भीषण गर्मी में बेरहमी से बिजली के कनेक्शन काट दिये जा रहे हैं। वहीं उन्होने ट्रांसफार्मर क्षमता के साथ सरकार के स्टाक में उपलब्ध नही होने के कारण ओवरलोडिंग के चलते इनके जल उठने को भी सरकारी कुप्रबन्धन की विफलता कहा है। रविवार को रामपुर खास के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि अभूतपूर्व बिजली कटौती के साथ नहरों में पानी नही है। उन्होने कहा कि सिंचाई के लिए बिजली भी उपलब्ध नही है। विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि नहरों मे पानी न आने तथा कमजोर विद्युत आपूर्ति के कारण किसान धान की नर्सरी तैयार नही कर पा रहा है। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि सरकारी क्षेत्र में सिंचाई के कुप्रबंधन का सीधा दुष्परिणाम किसान को फसल उत्पादन में अपनी गाढ़ी कमाई खो देने की चिन्ता साल रही है। उन्होने बिजली दरों को ग्रामीण उपभोक्ताओं को मंहगे दर पर किये जाने के पावर कारपोरेशन के फैसले को प्रदेश की भाजपा सरकार के इशारे पर जनता पर बोझ करार दिया है। उन्होंने तंज कसा कि यूपी में लोकसभा चुनाव के नतीजे भाजपा के खिलाफ गये हैं इससे लगता है कि सरकार मंहगाई को थोपकर अपने प्रतिशोध की खीझ में आ गयी है। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने सरकार को सुझाव दिया कि वह जनहित में नेशनल पावर ग्रिड और पूर्वोत्तर राज्यों में जहां अतिरिक्त बिजली उपलब्ध है वहां से प्रदेश की जरूरत के हिसाब से फौरन बिजली खरीदे। उन्होंने कहा कि मांग के अनुरूप सरकार बिजली की उपलब्धता बढ़ाये ताकि किसानों के साथ आम मध्यम वर्ग को बिजली संकट से शहरी एवं ग्रामीण दोनों सेक्टरो मे निजात मिल सके। उन्होने सरकार पर हमलावर होते हुए कहा कि प्रदेश में बिजली के संकट के लिए राज्य सरकार की अव्यवहारिक एवं अदूरदर्शी नीति पूरी तरह से जिम्मेदार है। एक सवाल के जबाब में राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि जम्मू कश्मीर में फिर आतंकवाद सिर उठा रहा है। वहीं उन्होने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी नक्सली घटनाएं सरकार को चुनौती दिये हुए हैं। मणिपुर में लगातार हिंसक घटनाओं ने देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मोदी सरकार की सालों से कलई खोले है। उन्होने कहा कि मोदी सरकार राष्ट्र की आंतरिक और वाह्य सीमावर्ती सुरक्षा के क्षेत्र में भी अभी भी गैरजबाबदेह बनी हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार को एनडीए के सहारे कार्यकाल पूरा करने की चिन्ता के बजाय राष्ट्रीय मसलों पर उत्पन्न चुनौतियों की राष्ट्रहित में अब चिन्ता करनी चाहिए।

लोकसभा चुनाव में अपनी हार से बौखलाई भाजपा सरकार प्रदेश के मतदाताओं को हर तरह से परेशान करके बदला लेने पर उतारू– अखिलेश यादव

लखनऊ (आरएनएस) । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि लोकसभा चुनाव में अपनी हार से बौखलाई भाजपा सरकार प्रदेश के मतदाताओं को हर तरह से परेशान करके बदला लेने पर उतारू हो गई है। भीषण गर्मी से तपते माहौल में 24 घंटे बिजली आपूर्ति का मुख्यमंत्री जी का दावा महज खोखला है। लोगों का पसीना बह रहा है। बिजली पानी का संकट गहराता जा रहा है। लाखों परिवार बिलख रहे हैं। भाजपा सरकार इसके बाद भी बिजली दरें दोगुनी कर रही है। गांव–शहर की बिजली दरें भी अलग–अलग करके जनता की कमर तोड़ने की साजिश है। अखिलेश यादव ने कहा कि देश में विद्युत उपभोक्ता कानून 2020 लागू होने से 24 घंटे विद्युत आपूर्ति पाने का हर उपभोक्ता अधिकारी हो गया है। ऐसे में ग्रामीण और शहरी आपूर्ति की दरों में बढ़ोत्तरी नियम संगत कैसे हो सकती है? वैसे भी कानून के तहत ग्रामीण फीडर के शहरी फीडर में परिवर्तन की घोषणा का अधिकार मुख्यमंत्री जी का है। पावर कारपोरेशन ने क्या मुख्यमंत्री जी का अधिकार भी अधिग्रहित कर लिया है? कहा कि राज्य के ग्रामीण इलाकों को मिलने वाली बिजली को महंगी करने की साजिश के तहत ग्रामीण फीडर को शहरी फीडर में बदलने से उपभोक्ताओं को दो रुपये प्रति यूनिट बिजली महंगी मिलेगी। इस फैसले से करीब 2 करोड़ 85 लाख उपभोक्ता प्रभावित होंगे। ग्रामीण इलाकों में घरेलू उपभोक्ताओं को 3.35 रूपये यूनिट की दर से बिजली की कीमत चुकानी होती है जबकि शहरी इलाकों में यह कीमत 5.50 रूपए प्रतियूनिट है। जनता के साथ यह धोखा है।अखिलेश यादव ने कहा कि सच तो यही है कि भाजपा को गांव–गरीब से कोई सहानुभूति नहीं है। वह पूंजी घरानों की हितचिंतक है। उसकी नीतियां सम्पन्न वर्ग को और सम्पन्न तथा गरीब को और गरीब बनाती है। भाजपा ने जनसामान्य की जिंदगी दूभर कर दी है। भीषण गर्मी के दिनों में लोगों का जीना हराम हो गया है।

प्रदेश में हो रही निर्वाध विद्युत आपूर्ति, भीषण गर्मी व लू में उपभोक्ताओं को नहीं हुई परेशानी

लखनऊ (आरएनएस) उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी व लू के कारण तथा बिजली के घरेलू उपयोग बढ़ने से बिजली की अप्रत्याशित मांग बढ़ी है। इस बढ़ी हुई मांग को सभी विद्युत कार्मिक, यूपीपीसीएल और डिस्कॉम के प्रबंधन ने अपने पूर्ण कौशल और कर्तव्यपरायणता का परिचय देते सकुशल पूरा किया और पूरे प्रदेश में 24 घंटे में विद्युत की निर्बाध आपूर्ति कर रहे, जिससे भीषण गर्मी व लू से होने वाली परेशानियों से प्रदेशवासियों को राहत मिली है। स्थानीय दोषो, आंधी व तूफान या अन्य किसी कारण से आपूर्ति बाधित होने के अलावा बिना किसी भेदभाव के पूरे प्रदेश को रोस्टर मुक्त करके 24 घंटे बिजली दी जा रही है। फिर भी कुछ लोगों द्वारा बिजली नहीं आने का दुष्प्रचार किया जा रहा है, जो कि घोर निन्दनीय व द्वेषपूर्ण है। उ0प्र0 के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए0के0 शर्मा ने रविवार को अपने 14 कालीदास, लखनऊ स्थित आवास पर मीडिया प्रतिनिधियों से वार्ता कर प्रदेश की विद्युत आपूर्ति एवं व्यवस्था की जानकारी दी।ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा ने कहा कि उ0प्र0 में 30,618 मेगावाट विद्युत की अधिकतम मांग को सकुशल पूरा किया गया और पूरे देश में सबसे ज्यादा 655.66 मिलियन यूनिट बिजली आपूर्ति प्रदेश में एक दिन में की गयी। वर्तमान में उ0प्र0 पूरे देश में सभी राज्यों को पीछे छोड़ते हुए महाराष्ट्र से भी 4000 से 5000 मेगावाट अधिक की आपूर्ति कर रिकार्ड बना रहा है। उन्होंने कहा कि विगत वर्ष प्रदेश में 28,284 मेगावाट सर्वाधिक मांग थी। जो कि इस वर्ष 28,284 मेगावाट से गर्मी की शुरुआत हुई और यह अब तक 30,618 मेगावाट तक पहुंच चुकी है। आगे अभी भीषण गर्मी से राहत न मिली तो 31 हजार मेगावाट से भी अधिक विद्युत मांग बढ़ेगी। कहा कि वर्तमान मांग को पूरा करने के लिए पहले से ही तैयारी की गयी और उन राज्यों से तापीय और जल विद्युत दोनों प्रकार के विद्युत खरीद का अनुबंध किया गया, जहां पर विद्युत अधिक थी। प्राइवेट एजेंसियों तथा एक्सचेंज से भी बिजली खरीद की गयी। उन्होंने कहा कि वर्ष 1970 से अब तक लगभग 50 वर्षों से प्रदेश की बदहाल विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने व पटरी पर लाने के लिए विगत 02 वर्षों में प्रदेश की विद्युत व्यवस्था को मजबूत करने का कार्य किया जा रहा। इसमें आरडीएसएस योजना अंतर्गत 17 हजार करोड़ रूपये, बिजनेस प्लान के तहत 05 हजार करोड़ रूपये तथा नगरीय निकायों में विद्युत तंत्र के विकास हेतु 01 हजार करोड़ रूपये के अनुरक्षण कार्य कराये गये। इसके अंतर्गत पूरे प्रदेश में जर्जर व झूलते हुए तारों को हटाया गया तथा 01 लाख किमी0 तक एबी केबल में बदला गया। जर्जर व झुके हुए पोल को हटाकर 19 लाख नये खम्भे लगाये गये तथा 06 लाख ट्रांसफार्मर पर कार्य हुआ, इसमें नये ट्रांसफार्मर लगाये गये, क्षमता वृद्धि और मरम्मत का कार्य हुआ। ट्रांसफार्मर जलने पर कार्मिकों की जवाबदेही तय की गयी है। ट्रांसफार्मर के टम्प्रेचर को नार्मल बनाये रखने के लिए पहली बार कूलिंग की भी व्यवस्था की गयी है। इन सभी कार्यों से विद्युत की इस अप्रत्याशित मांग को सकुशल पूरा किया जा रहा, जो कि इसके पहले विद्युत की इतनी आपूर्ति कभी नहीं की गयी। कहा कि सभी विद्युत अधिकारी व कर्मचारी पूरी रात जागकर भीषण गर्मी में एवं लू के थपेड़े झेलकर भी उपभोक्ताओं को अनवरत बिजली देने के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं, जो कि बधाई के पात्र हैं। सभी उपभोक्ताओं को ऐसे हालातों में विद्युत कार्मिकों का सहयोग करना चाहिए। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का यह संकल्प ही नहीं बल्कि दृढ़इच्छा भी है कि प्रदेश को 24 घंटे विद्युत आपूर्ति मिलेगी। इसके लिए प्रदेश की विद्युत उत्पादन इकाइयों की क्षमता को 06 से 10 प्रतिशत बढ़ाकर बिजली का उत्पादन बढ़ाया गया। जिससे वर्ष 2012–2017 के दौरान की 13 से 14 हजार मेगावाट की जो अधिकतम विद्युत मांग थी वह इस समय की न्यूनतम मांग से कम है। जबकि वर्तमान सरकार ने 1.50 करोड़ से ज्यादा उपभोक्ताओं को कनेक्शन दिया गया और 1.25 लाख से अधिक मजरों का विद्युतीकरण किया। प्रदेश के विद्युत संकट को दूर करने के लिए तापीय विद्युत उत्पादन ही नहीं बढ़ाया जा रहा, बल्कि सौर्य ऊर्जा पर भी तेजी से कार्य हो रहा। बुन्देलखण्ड क्षेत्र में 10 हजार मेगावाट क्षमता के सोलर प्लान्ट लगाये जा चुके हैं और इन सभी को ग्रीन कॉरीडोर कनेक्टिविटी भी मिल चुकी है। अब उत्पादन की स्थिति में हैं। 350 मेगावाट सोलर रूफटॉप से विद्युत उत्पादन हो रहा है। मा0 प्रधानमंत्री जी के हर घर सौर्य ऊर्जा के आह्वाहन पर सौर्य ऊर्जा के उत्पादन में तेजी से कार्य हो रहा है। वाराणसी में 2500 घरों को सोलर रूफटॉप से आच्छादित किया जा चुका है। ऊर्जा मंत्री ने सख्त निर्देश दिये हैं कि विद्युत चोरी करने वाले तथा चोरी करवाने वाले कार्मिकों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी, किसी को भी बक्शा नहीं जायेगा। विद्युत चोरी से जहां सरकार को राजस्व का नुकसान होता है वहीं ईमानदार उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति करने में व्यवधान उत्पन्न होता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार 01 अप्रैल, 2023 से किसानों के निजी नलकूपों के बिजली बिलों को माफ कर दिया है। विगत 04 वर्षों से प्रदेश में बिजली की दरें नहीं बढ़ाई गयी है। आगे भी बिजली की दरें न बढ़ें प्रदेश सरकार का प्रयास रहेगा। प्रदेश की लोक कल्याणकारी सरकार बिजली दरों को बढ़ाने में नहीं बल्कि कम करने में विश्वास करती है। उन्होंने कहा कि निर्बाध विद्युत आपूर्ति में आ रहे व्यवधानों व कमियों को भी शीघ्र ही दूर कर लिया जायेगा। ऊर्जा मंत्री ने सभी उपभोक्ताओं से बिजली के संयमित उपभोग की अपील की है। साथ ही सभी विद्युत कार्मिकों, यूपीपीसीएल व डिस्कॉम के प्रबंधन को विपरीत परिस्थितियों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने के लिए बधाई दी है।

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में हुआ तीन दिवसीय नेशनल योग सेमिनार का शुभारंभ

लखनऊ (आरएनएस)। बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में योग विभाग, योग वेलनेस सेन्टर एवं आईयूसी – वाईएस, बेंगलुरु के संयुक्त तत्वाधान में तीन दिवसीय नेशनल योग सेमिनार का उद्धघाटन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० एन०एम०पी०वर्मा० के दिशानिर्देशन में आयोजित यह सेमिनार 17 जून तक चलेगा जिसमें देश भर से योग वैज्ञानिक, प्रोफेसर, रिसर्च स्कॉलर, एवं योग साधक जुड़कर योग विषयों पर अपने विचार व्यक्त करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो० ईश्वर भारद्वाज उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त मुख्य वक्ता के तौर पर प्रो० जी०डी० शर्मा, योग विभाग के संकाय अध्यक्ष प्रो० बी०सी० यादव एवं विभागाध्यक्ष प्रो० हरिशंकर सिंह मौजूद रहे। सर्वप्रथम प्रो० बी०सी० यादव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सभी को कार्यक्रम के उद्देश्य एवं रूपरेखा से अवगत कराया। इस सेमिनार में देश भर के 15 योग विद्वानों द्वारा व्याख्यान एवं 15 शोधार्थियों द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किया जायेगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीपेश्वर सिंह ने किया। मुख्य अतिथि प्रो० ईश्वर भारद्वाज जी योग के मूल तत्वों के बारे में बताते हुए कहा कि आधुनिक जीवन शैली में सुखी जीवन जीने एवं शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रमुखता देते हुए चित्त को प्रसन्न रखने में षट्कर्मों की अहम भूमिका है। मुख्य वक्ता प्रो० जी०डी० शर्मा ने बताया कि आज के आधुनिक समय में योग के स्वरूप को अपनाकर अपनी मूल विचारधारा में परिवर्तन लाया जा सकता है। साथ ही श्रीमद्भगवद्गीता,योगसूत्र, योगउपनिषद जैसे मूल ग्रंथों के विचारो ग्रहण करके अपने जीवन को योगमय बना सकते है। प्रो० बी०सी० यादव ने कहा कि आज के समय में योग प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकताओं में से एक है। योग के माध्यम से शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है। साथ ही प्रो० हरिशंकर सिंह ने योग को सर्वांगीण विकास का साधन बताया। सेमिनार के प्रथम सत्र में वक्ताओं की श्रंखला में प्रो० सुरेंद्र कुमार, प्रो० सुब्रमण्यम एवं द्वितीय सत्र में प्रो० समीरन मंडल ने अपना व्याख्यान में योग शास्त्र एवं योग विज्ञान द्वारा शरीर एवं मन पर पड़ने वाले प्रभावों से अवगत कराया।कार्यक्रम के दौरान योग विभाग से डॉ० नरेंद्र सिंह, डॉ० नवीन जी०एच० व योग वेलनेस सेंटर के योग प्रशिक्षक सागर सैनी एवं देश भर से योग साधक उपस्थित रहें।

लता चौक पर भंडारे का प्रसाद वितरित करते निवर्तमान सांसद लल्लू सिंह व महोबरा बाजार में पूर्व मंत्री पवन पाण्डेय, जिला अस्पताल के पास चिकित्सक

अयोध्या(आरएनएस)। ज्येष्ठ के आखिरी मंगल पर जनपद में जगह–जगह भंडारे का आयोजन किया गया। निवर्तमान सांसद लल्लू सिंह के द्वारा नया घाट लता मंगेशकर चौक के पास विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। भण्डारा सुबह 10 बजे से प्रारम्भ हुआ। मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास जी महाराज ने पूजन अर्चन के माध्यम से भण्डारे की शुरुवात की। शाम तक बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। प्रसाद के वितरण हेतु बड़ी संख्या में कार्यकर्ता कार्यक्रम स्थल पर मौजूद थे। यहां बज रहे भगवान के भजनों की ध्वनि ने पूरे परिवेश को भक्तिमय कर दिया। महंत कमलनयनदास ने कहा कि रामनगरी अयोध्या से आदर्श व मर्यादा की रश्मि वैश्विक स्तर पर प्रसारित हुई है। रामराज्य की परिकल्पना आज भी सबसे अच्छे शासन का परिचायक बनी हुई है। निवर्तमान सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि जेठ के मंगल पर भण्डारे का आयोजन कराने तथा उसमें प्रसाद ग्रहण करने से आध्यात्मिक उर्जा हमारें भीतर समाहित होती है। महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि भण्डारें में एक साथ भोजन करना हमारें भी समरसता का भाव जागृत करता है। अयोध्या भारत के प्रमुख सांस्कृतिक व अध्यात्मिक केन्द्रों में एक है। जिसका श्रद्धालुओं व पर्यटकों की अपेक्षानुरुप विकास किया जा रहा है। इस अवसर पर महंत रामकुमार दास, ओम प्रकाश, अनुज दास, बाल कृष्ण वैश्य, वरूण चौधरी, शैलेन्द्र कोरी, रवि सोनकर, डा राकेश मणि त्रिपाठी, गिरीश पाण्डेय डिप्पुल की मौजूदगी रही। भीखापुर में आयोजित भंडारे की शुरुवात प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने हनुमान जी के पूजन के साथ की। भण्डारा दोपहर 2 बजे से लेकर देर शाम तक चलेगा। इस दौरान उन्होंने कहा सरकार के अनवरत प्रयासों से अयोध्या अपने प्राचीन वैभव को प्राप्त कर रही है। भण्डारे में प्रसाद ग्रहण करने से हम सभी के मन में सामाजिक समरसता का भाव आता है। हमारे अंदर आध्यत्मिक उर्जा का विकास होता है। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, वरूण चौधरी, बाबूराम यादव, पंकज कनौजिया गोकरन द्विवेदी, रमाकांत विश्वकर्मा अनूप कोरी, जोखू कोरी, मोहित चतुर्वेदी, मनोज श्रीवास्तव, रवि यादव आदि की मौजूदगी रही।नगर निगम अयोध्या के सरदार पटेल नगर वार्ड की सपा पार्षद इन्द्रावती यादव ने ज्येष्ठ माह के आखिरी मंगलवार पर भंडारा किया। यह विशाल भंडारा महोबरा बाजार में आयोजित रहा। जहां स्टाल लगाकर श्रद्धालुओं को चावल–छोला बांटा गया। भंडारा सायंकाल से शुरू होकर देररात्रि तक चलता रहा। सर्वप्रथम संतों, पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडेय पवन एवं पार्षद प्रतिनिधि मिथलेश यादव सोनू ने बजरंगबली के चित्रपट पर माल्यार्पण, पूजन–अर्चन, आरती कर भंडारे का शुभारंभ किया। उसके बाद पार्षद प्रतिनिधि सोनू यादव ने अंगवस्त्र ओढ़ाकर अतिथियों का स्वागत किया। पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडेय ने कहा कि बजरंगबली संकट हरने वाले देवता हैं। वह अपने भक्तों पर विशेष कृपा बरसाते हैं। जेठ के अंतिम मंगलवार पर सरदार पटेल नगर वार्ड की सपा पार्षद इंद्रावती यादव द्वारा विशाल भंडारा किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद पाया। यह बहुत ही पुनीत कार्य है। इस धार्मिक कार्य में सबको हिस्सा लेना चाहिए। वहीं सरदार पटेल नगर वार्ड की पार्षद के प्रतिनिधि मिथलेश यादव सोनू ने कहा कि गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी ज्येष्ठ माह के आखिरी मंगलवार पर विशाल भंडारा हुआ। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण सम्मिलित हुए। जिन्होंने भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर अपना जीवन सार्थक किया। आये हुए अतिथियों का स्वागत पार्षद प्रतिनिधि युवा सपा नेता मिथलेश यादव सोनू ने किया।इस अवसर पर महंत रामदास करतलिया, महंत अंगद दास, महंत अनिल मिश्रा, सपा शिक्षक सभा जिलाध्यक्ष दान बहादुर सिंह,धनश्याम यादव, ननकन यादव, अखिलेश पांडेय, रवि यादव, पूर्व पार्षद रामअजोर यादव, बमबम यादव, रामभवन यादव, अंसार अहमद बब्बन, नागा बाबा समेत बड़ी संख्या लोग मौजूद रहे। ज्येष्ठ के आखरी एवं चौथे बड़े मंगल के अवसर पर जिला चिकित्सालय कर्मचारी परिवार द्वारा एक विशाल भंडारे का आयोजन पूर्व सीएमओ कार्यालय गेट के बगल किया गया प्रसाद स्वरूप पूड़ी छोले चावल बूंदी का वितरण हुआ प्रसाद ग्रहण करने वालों का ता ता लग रहा प्रसाद वितरण में अपना सहयोग प्रदान करने में अधीक्षक डॉक्टर विपिन कुमार वर्मा फार्मासिस्ट हनुमत दुबे सर्वेश श्रीवास्तव संजय गुप्ता आर के कनौजिया उपेंद्र तिवारी गुड्डू सिंह आर पी सोनी डॉ आशीष श्रीवास्तव डॉक्टर शिशिर श्रीवास्तव आदि लोग उपस्थित रहे।

करीब 10000 भक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद, विश्वविद्यालय प्रशासन ने पहली बार शुरू किया भंडारा

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। ज्येष्ठ माह चौथे मंगलवार पर क्षेत्र में करीब 300 स्थानों पर जगह–जगह भंडारे चल रहे हैं। महाबली हनुमान के भक्तों द्वारा विधिविधान से पूजा अर्चना की।आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में ज्येष्ठ माह के चौथे मंगलवार के पर कृषि महाविद्यालय में विश्वविद्यालय कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह की अगुवाई में सुंदर कांड पाठ हुआ। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी आशुतोष सिंह ने बताया कि भंडारे में विश्वविद्यालय के सभी छात्रावास के छात्र– छात्राएं कर्मचारी अधिकारी समेत पड़ोसी गांव के लोग भी भंडारे में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। भंडारे में करीब 5000 बाबा के भक्त पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किए। इसी क्रम में थाना कुमारगंज प्रभारी निरीक्षक रतन सिंह की अगुवाई थाना मुख्य गेट के समाने अयोध्या रायबरेली ओवर ब्रिज के नीचे बजरंगबली के भक्त कचोरी, सब्जी और चावल का प्रसाद ग्रहण किया। इसके साथ ही मिल्कीपुर, अमानीगंज, खण्डासा, बहादुरगंज,पूरवगांव सिंघौना, चमनगंज,कुचेरा बाजार, हैरिंग्टनगंज, धर्मगंज देवगांव,सिंघारी बाजार समेत क्षेत्र में करीब 300 स्थान पर भंडारे की आयोजन किए गए सुबह 9:00 से ही लोग भंडारे में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। भंडारे में कहानी पूड़ी सब्जी तो कहीं शरबत कहीं छोला चावल तो कहीं भक्तों ने बूंदी का प्रसाद वितरण किया। उमस भारी भीषण गर्मी में 45 डिग्री तापमान के बीच भी भक्त अपने पथ से नहीं हटे उमेश भरी गर्मी और तेज धूप में भी करीब 10 हजार भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। कुछ भक्तों द्वारा प्रसाद वितरण आयोजित किए गए हैं। पंडित जमुना प्रसाद का कहना है कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार ज्येष्ठ माह के मंगलवार को भगवान राम और हनुमानजी की पहली बार मुलाकात हुई थी। तभी से इस महीने में आने वाले सभी मंगलवार को बड़ा मंगल कहा जाता है। इस दिन वीर बजरंगी की पूजा करने से जीवन की सभी समस्याओं का निवारण होने लगता है।मान्यता है कि बड़े मंगल को हनुमानजी की विधिपूर्वक पूजा करने के साथ–साथ उनके प्रिय भोग भी लगाने चाहिए, इससे तरक्की के योग बनते हैं और कार्यों में सफलता मिलती है।

योग गुरु महेश योगी ने दो माह में लगाए कपालभाति प्राणायम के 60 लाख स्ट्रोक

अयोध्या(आरएनएस)। रामनगरी अयोध्या के सिद्धपीठ श्री हनुमानगढ़ी बसंतिया पट्टी के संत, हठयोगी महेश दास उर्फ स्वामी महेश योगी ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। दो माह में कपालभाति प्राणायम के 60 लाख स्ट्रोक लगाए है। 2 अप्रैल 2024 से भोजन का त्यागकर अनवरत 11 घंटे प्रतिदिन कपालभाती की कठोर साधना कर रहे है। यह साधना सितंबर 2024 यानी छह माह तक चलेगी। स्वामी जी ने शुक्रवार को दो माह यानि 60 दिन की अनवरत साधना पूर्ण कर 60 लाख कपालभाती करने का एक नया विश्व कीर्तिमान स्थापित किया हैं। छह माह चलने वाली साधना में एक करोड़ 51 लाख स्ट्रोक कपालभाती का करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। महेश योगी प्रतिदिन 11 घंटे साधना कर रहे है। छह माह में 1980 घंटे अनवरत साधना करने का संकल्प लिया है।

स्वामी महेश योगी ने हनुमान जी का आशिर्वाद लेकर 22 नवंबर 2022 को सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी में अयोध्या के वरिष्ठ संत जनों की उपस्थिति में 2036 तक भारत के चारों दिशाओं योग धाम की स्थापना का संकल्प लिया था। स्वामी महेश योगी ने बताया "पश्चिम भारत गुजरात में रूद्र धाम, उत्तर भारत जम्मू कश्मीर में हनुमत धाम, दक्षिण भारत केरल में रामेष्ट धाम तथा पूर्वी भारत मेघालय में पिनाक्ष धाम स्थापित करेंगे। इसके अलावा अयोध्या में इन सभी योगपीठ के केंद्र के रूप में ब्रह्मर्षि वशिष्ठ योगपीठ की स्थापना करेंगे।महेश योगी ने बताया कि संकल्प को पूरा करने के लिए पांच अनुष्ठान का भी संकल्प लिया है। जिसमें 11 दिवस तक अनवरत कपालभाती करने का भी संकल्प लिया है।

सी.एम.एस. में योग शिविर आज से

लखनऊ, 18 जून। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज से 10–दिवसीय निःशुल्क योग शिविर सिटी मोन्टेसरी स्कूल, शालीमार वन वर्ल्ड कैम्पस विद्यालय प्रांगण में आज से प्रारम्भ हुआ। इस योग शिविर में सी.एम.एस. शालीमार वन वर्ल्ड कैम्पस में 18 जून से 28 जनू 2024 तक प्रातः 5.30 से 7.00 बजे तक प्रतिदिन योगाभ्यास कराया जायेगा योग शिविर में आने वाले लोगों को सी.एम.एस. द्वारा परिवहन की निःशुल्क सुविधा दी जा रही है। सी.एम.एस. की प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने कहा कि योग द्वारा न केवल हमारा शारीरिक व मानसिक विकास होता है बल्कि आध्यात्मिक विकास में भी योग सहायक है और इससे हमें दीर्घायु प्राप्त होती है। उन्होंने बताया कि योग शिविर में सभी आंमत्रित हैं।

उन्होंने कहा कि इसमें विभिन्न प्रकार के योगआसनों का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा हैं। जिसमें जनमानस को स्वास्थ्य लाभ होगा व कई बीमारियों से निजात पाया जा सकता है। सी.एम.एस. की संस्थापिका निदेशिका डा. भारती गाँधी ने कहा कि योग शिविर आज से प्रारम्भ होकर 10 दिनों तक लगातार चलता रहेंगा। योग शिविर को अब विश्व पटल पर मान्यता दी गयी है और इसी कारण 21 जून को अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। इस योग शिविर के मध्यम से लोगों अपने जीवन शैली में सुधार कर सकते है। सी.एम.एस. द्वारा इस प्रकार लोगों में योग के प्रति रूचि की अलख जलने का सतत् प्रयास किया जा रहा हैं।

ग्रीन ओलम्पियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सी.एम.एस. छात्र सम्मानित

लखनऊ, 18 जून। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अयोध्या रोड कैम्पस के तीन मेधावी छात्रों आद्या सिंह, श्वेतांश ओम शुक्ला एवं वंश पटेल ने एनर्जी एण्ड रिसोर्स इन्स्टीट्यूट, नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित ग्रीन ओलम्पियाड में शानदार प्रदर्शन कर लखनऊ का गौरव बढ़ाया है। इस ओलम्पियाड में देश भर के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभाग किया, जिसमें सी.एम.एस. के इन मेधावी छात्रों ने सार्टिफिकेट ऑफ मेरिट अर्जित कर अपने ज्ञान–विज्ञान व मेधात्व का परचम लहराया है। यह ओलम्पियाड ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण प्रदूषण, जल एवं भूजल संरक्षण आदि विषयों पर छात्रों के ज्ञान को परखने के अलावा हरी–भरी खुशहाल धरती के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। प्रतियोगिता के आयोजको ने सी.एम.एस. के इन मेधावी छात्रों की प्रतिभा की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने तीनों मेधावी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की है। सी.एम.एस. सदैव ही विभिन्न रचनात्मक एवं सृजनात्मक प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपने छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा को निखारने के साथ ही जीवन में आगे ही आगे बढ़ने हेतु प्रोत्साहित करता रहता है।

बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड ने किया विशाल भंडारा

लखनऊ रूबजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड के ऑफिस विभूति खंड गोमती नगर लखनऊ में बड़े मंगलवार को कंपनी कर्मचारियों और अधिकारियों के सहयोग से विशाल भंडारा का आयोजन किया किया। भंडारे का उद्घाटन कंपनी के सीएफओ श्री सुनील ओझा द्वारा किया गया। साथ ही बजाज के श्री संजीव कुमार (सीनियर वाइस प्रेसिडेंट), श्री प्रभाकर चंद्रा (एचआर,सीनियर वाइस प्रेसिडेंट), श्री संजय गोयल (वाइस प्रेसिडेंट) श्री एस.एम. रजा (सीनियर वाइस प्रेसिडेंट) श्री राजीव गुप्ता (प्रेसिडेंट) श्री श्याम गुप्ता (वाइस प्रेसिडेंट) के साथ कंपनी के सभी अधिकारी भी उपस्थित रहे स भंडारे में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

निर्जला एकदशी पर इस्कॉन मे अखंड हरिनाम संकीर्तन

लखनऊ । हम सबके प्रिय परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज जी की शिक्षाओं से ज्ञात होता है कि हमें एकादशी के दिन विशेषकर निर्जला एकादशी के दिन गंभीरतापूर्वक व्रत का पालन करना चाहिए। पांडवा निर्जला एकादशी का पालन करने से 10000 वर्षों की तपस्या का फल मिलता है, इस एकादशी में रात्रि जागरण करने का बहुत लाभ है , यह जागरण अपने पूर्वजों को भी भगवान के धाम पहुंचा देता हैं । एकादशी का व्रत करना सभी तीर्थों में स्नान करने के समान है, निर्जला एकादशी का व्रत करने से मनुष्य सभी पापों से मुक्ति पाता और इस व्रत से समस्त एकादशी व्रतो का लाभ मिलता है। मन्दिर अध्यक्ष श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभुजी के दिशा–निर्देशन में दिव्य निर्जला एकादशी महा महोत्सव पर सायं 04रू00 बजे से अगले दिन प्रातः 04रू00 बजे तक अखंड हरिनाम संकीर्तन का आयोजन किया गया है, जिसमे लखनऊ एवं आस–पास के भक्त उत्साहपूर्वक सम्मिलित हो रहे हैं, जो अगले दिन प्रातः मंगला आरती करके मन्दिर मे ही व्रत का पारण करेंगे और इस निर्जला एकादशी महा महोत्सव को सफल बनाकर अपना मानव जीवन भी सफल बनायेंगे ।

बजाज हिन्दुस्थान शुगर शीर्ष 10 वैश्विक उत्पादकों में शुमार

• बजाज हिन्दुस्थान शुगर सूची में एकमात्र भारतीय कंपनी
• एस एंड पी ग्लोबल प्लैट्स की जून 2024 की शुगर बाजार रिपोर्ट

लखनऊ, बजाज हिन्दुस्थान शुगर एसएंडपी ग्लोबल प्लैट्स द्वारा जून 2024 की शुगर बाजार रिपोर्ट में शामिल होने वाली एकमात्र भारतीय शुगर कंपनी है। कंपनी ने 2023–24 के लिए चीनी उत्पादन के मामले में कुल 20 रैंकिंग में वैश्विक स्तर पर 10वां स्थान हासिल किया है। रिपोर्ट के अनुसार, अल नीनो के मद्देनजर खराब मौसम की स्थिति के कारण एशिया में चीनी उत्पादन में गिरावट आई, जिसके कारण कंपनियों ने अपनी रैंकिंग खो दी। हालांकि, बजाज हिन्दुस्थान शुगर ने वित्त वर्ष 23–24 के लिए अपने चीनी उत्पादन में मामूली वृद्धि के साथ अपनी रैंकिंग बरकरार रखी है। इस उपलब्धि को स्वीकार करते हुए बजाज शुगर के प्रबंध निदेशक, श्री अजय शर्मा ने कहा, "यह रिपोर्ट उद्योग की चुनौतियों से निपटने के लिए हमारी परिचालन उत्कृष्टता और दूरदर्शी दृष्टिकोण का प्रमाण है। बजाज शुगर 92 साल पुरानी कंपनी है, जिसकी स्थापना भारत को चीनी की जरूरतों के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से की गई थी और आज हम वैश्विक मंच पर भारत के नंबर 1 चीनी उत्पादक की स्थिति को बनाए रखने के लिए आभारी हैं। हम आंतरिक रूप से अपनी चीनी रिकवरी को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं और साथ ही गन्ने की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए विभिन्न प्रकारों से अपने गन्ना उत्पादकों को सशक्त बना रहे हैं। इसके अलावा हम देश की स्थायी ऊर्जा की मांग को पूरा करने के लिए अपनी इथेनॉल उत्पादन क्षमता को बढ़ाने पर भी विचार कर रहे हैं।

बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड के बारे में

बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड ('बजाज शुगर) के पास देश में चीनी और इथेनॉल के लिए सबसे बड़ी स्थापित उत्पादन क्षमता है। हमारी 14 चीनी मिलें और 6 डिस्टिलरी सभी उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित हैं और लगभग 10,000 लोगों को रोजगार देती हैं। लगभग 500,000 किसान हमें गन्ना आपूर्ति करते हैं। कंपनी की कुल गन्ना पेराई क्षमता 1.36 लाख टन प्रतिदिन और आसवन क्षमता 800 किलोलीटर प्रतिदिन है। बजाज शुगर इथेनॉल का भी अग्रणी निर्माता है, जो एक हरित ईंधन है और जो भारत के तेजी से विकसित हो रहे ऊर्जा बाजार में क्रांति लाने वाला है।क्रांति लाने वाला है।

गंगा दशहरा पर्व पर लाखों श्रद्धालुओं ने तीर्थराज धोपाप में किए स्नान

लंभुआ सुलतानपुर(आरएनएस)। ज्येष्ठ मास की दशमी तिथि को धोपाप घाट पर सुबह 4 बजे से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा, लोग आदि गंगा गोमती में स्नान, दान कर पावन पर्व गंगा दशहरा के मेले में अपनी आस्था प्रकट करते नजर आ रहे थे। मेले में उपजिलाधिकारी दीपक वर्मा, तहसीलदार देवानंद तिवारी, राजस्वकर्मी एवं पुलिस कर्मियों के साथ उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति लखनऊ जनपद सुलतानपुर जिला सचिव एवं मंडल प्रभारी मंडल अयोध्या अमर बहादुर सिंह जनपद समिति एवं तहसील लंभुआ समिति के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के साथ मेला क्षेत्र में भ्रमण कर मेलार्थियों को समुचित व्यवस्था प्रदान करने एवं मेले को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के लिए मुस्तैद रहे। मेला प्रांगण में अपराध निरोधक समिति कैंप कार्यालय बनाकर असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखते हुए मेलार्थियों को शीतल जल व नींबू शरबत मुहैया कराकर भीषण गर्मी से राहत प्रदान करने का भी काम करते रहे। उक्त मौके पर सदर तहसील सचिव डॉक्टर संतोष पाठक मीडिया प्रभारी विनय सेन करौंदिया थाना सचिव राजकुमार लंभुआ तहसील उपाध्यक्ष अवधेश सिंह, सचिन व थाना चांदा शिवमंगल गौतम उपाध्यक्ष थाना चांदा सोमिल दुबे कोषाध्यक्ष थाना चांदा रत्नेश श्रीवास्तव सदस्य शैलेंद्र दुबे, अमर सिंह सचिव लंभुआ कुलदीप दुबे फतेह बहादुर सिंह संरक्षक और प्रधान देवी सिंह, कुंदन, अजय सिंह, फूलचंद गौतम, संजय तिवारी, सह सचिव थाना लंभुआ गौरव पांडे, धीरज पाठक, सह सचिव थाना चांदा संदीप रजक आदि उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति लखनऊ तहसील लंभुआ जनपद सुलतानपुर के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कई अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं के लोग जगह–जगह शरबत एवं प्रसाद वितरित कर लोगों को सुविधा प्रदान करते रहे। किंवदंती अनुसार त्रेतायुग में लंकाधिपति रावण का वध कर लंका विजयोपरांत ब्रह्म हत्या का दोष लगने पर भगवान राम को इसी धोपाप में स्नान करने पर मिली थी ब्रह्म हत्या से मुक्ती सैकड़ें वर्षों से दशहरे के पावन पर्व पर उत्तर प्रदेश से ही नहीं अपितु भारत के अन्य प्रदेशों से लाखों श्रद्धालु लगाते हैं यहां आस्था की डुबकी इस मेले में शांति व्यवस्था कायम करने के लिए जनपद के कई थानों की पुलिस व प्रशासन की सक्रियता रहती है।

प्रजापति जागृति समिति ने प्रतिभाशालियों का किया सम्मान

सुलतानपुर(आरएनएस)। परमहंस मैरिज गार्डन गभड़िया सुल्तानपुर में उत्तर प्रदेश प्रजापति जागृति समिति सुल्तानपुर द्वारा नव चयनित अधिकारियों कर्मचारियों एवं प्रतिभाशाली छात्र–छात्राओं हेतु प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएल प्रजापति पूर्व उपायुक्त परिवहन विभाग ने की एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनिल कुमार प्रजापति अपर जिला जज रहे। मुख्य वक्ता के रूप में ऐश्वर्यम प्रजापति नव चयनित दसवीं रैंक प्राप्त आईएएस ने नव चयनित अधिकारियों, कर्मचारी एवं प्रतिभाशाली छात्र–छात्राओं को स्वर्णिम भविष्य के लिए प्रेरित किया। नवचयनित अधिकारियों, कर्मचारी में ऐश्वर्यम प्रजापति, सर्व शौभेय पीसीएस, पूरन मणि प्रजापति डिप्टी जेलर, सब इंस्पेक्टर पवन प्रजापति, अश्विनी प्रजापति, प्रियंका, अमन प्रजापति, राम आशीष प्रजापति एसोसिएट प्रोफेसर, विजय प्रजापति रेलवे विभाग, सती दीन प्रजापति बी आर ओ, निखिल भार्गव रेलवे विभाग, अंशिका सिल्वर मेडल विजेता राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता, अर्पित विक्रम प्रजापति आईआईटी बॉम्बे, अभिषेक प्रजापति आईआईटी, रितेश प्रजापति एन आई टी, दीपक प्रजापति निदेशक ध्येय आईएएस वाराणसी, नीरज प्रजापति सीए, निशा प्रजापति एएनएम, सुधांशु घर प्रजापति प्रवक्ता, कीर्ति नरेंद्र प्रजापति एमबीबीएस, डॉ प्रेमचंद प्रजापति फिजिशियन, शिवम कुमार प्रजापति आईआईटी सहित हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट में 70□ से अधिक अंक पाने वाले 120 से अधिक प्रजापति समाज के छात्र–छात्राओं को उत्तर प्रदेश प्रजापति जागृति समिति सुल्तानपुर द्वारा प्रतियोगी पुस्तक शाल, मेडल, सम्मान पत्र एवं शील्ड देकर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह कार्यक्रम का प्रारंभ प्रजापति समाज के महापुरुषों के दीप प्रज्जलन एवं माल्यार्पण से किया गया। उक्त कार्यक्रम के अध्यक्ष सीएल प्रजापति ने समाज के प्रतिभाशाली बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की शुभकामना के साथ आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनिल कुमार प्रजापति ने सम्मान समारोह के आयोजकों की सराहना करते हुए सफल जीवन हेतु शिक्षा के महत्व पर विस्तार पूर्वक चर्चा किया तथा सभी अभिभावकों को भी शिक्षा हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम के आयोजक के रूप में समिति के संरक्षक प्रदीप भार्गव, श्याम बहादुर प्रजापति, अध्यक्ष पवन भार्गव, महासचिव रत्नेश भार्गव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ विनय प्रजापति, कोषाध्यक्ष संतोष प्रजापति, उपाध्यक्ष अनिल प्रजापति, सचिव शिवकुमार प्रजापति, मीडिया प्रभारी अर्जुन प्रजापति रहे। उद्योगपति वेद प्रकाश प्रजापति ने प्रजापति जागृति समिति सुल्तानपुर को एक लाख रूपए का आर्थिक सहयोग प्रदान किया, समिति द्वारा वेद जी का आभार प्रकट किया गया। कार्यक्रम का संचालन समिति के महासचिव रत्नेश भार्गव ने किया।

भगवान परशुराम युवा वाहिनी ने तपती दोपहरी में किया शरबत वितरण

सिंगल यूज प्लास्टिक की जगह कागज के गिलास का प्रयोग कर चलाई मुहिम

सुल्तानपुर(आरएनएस)। गंगा दशहरा पर जिले के परशुराम चौक चौराहे पर परशुराम युवा वाहिनी मिशन परशुराम चौक के सदस्यों द्वारा जेठ की तपती दोपहरी में सरवत वितरण किया गया। संगठन के संरक्षक विपिन मिश्रा एडवोकेट, रमा शंकर पांडेय एडवोकेट ने पदाधिकारियो के साथ भगवान परशुराम के चित्र पर पूजन अर्चन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। दोपहर तक शरवत वितरण का कार्यक्रम चलता रहा, हजारों राहगीरो ने मीठे शरबत का आनंद लिया। बताते चलें परशुराम युवा वाहिनी मिशन परशुराम चौक शहर के डीएम चौराहे पर बीते कई वर्षों से विविध आयोजन करता चला आ रहा है। जिले भर के विप्र समाज की भावनाओं को देखते हुए नगर पालिका परिषद ने उस चौराहे का नामकरण परशुराम चौक के नाम की मंजूरी दे दी है। अक्षय तृतीया के दिन भगवान परशुराम की पूजा अर्चना के साथ भव्य शोभायात्रा का व भोज का कार्यक्रम बीते कई वर्षों से संगठन के लोग चलाते चले आ रहे हैं। इसी क्रम में गंगा दशहरा के दिन जेठ की तपती दोपहरी में लोगों को निजात दिलाने के लिए पदाधिकारियो ने शरबत सेवा का कार्यक्रम किया। यहां संरक्षक विपिन मिश्रा ने बताया संस्था वर्ष भर सामाजिक कार्यों में बढ़–चढ़कर काम करती है गरीब परिवार के बेटियों की शादी में आर्थिक योगदान हो सामाजिक योगदान हो तीज त्योहार पर आयोजन हो यह सब बड़े सिस्टम के साथ बीते कई वर्षों में संपन्न कराया जा रहा है। ब्राह्मण समाज सनातन समाज का अगुआ माना जाता है देश और समाज की सेवा उसका पहला धर्म है सनातन काल से ब्राह्मण समाज के द्वारा दिखाए गए रास्ते पर देश चला आज समाज को एक सूत्र मे चलाने का छोटा सा प्रयास संस्था द्वारा किया गया है, उन्होंने संस्था में आर्थिक व शारीरिक सहयोग करने वाले सभी धन्यवाद दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित तिवारी ने कहा समाज के सहयोग से समाज की सेवा का भाव परशुराम युवा वाहिनी का संकल्प है उन्होंने आवाहन किया ज्यादा से ज्यादा लोग उनके संगठन की सदस्यता ले जिससे वह सेवा के लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों का एक संगठन बना सके और समाज के अंतिम व्यक्ति तक उनकी सेवाएं पहुंच सके। उन्होंने कार्यक्रम में आर्थिक सहयोग करने वाले जयशंकर मिश्रा, देवेन्द्र तिवारी, गौरेश शुक्ला, शरद प्रसाद मिश्रा, राजू मिश्रा, नानकन तिवारी, अनिल तिवारी, आशुतोष शुक्ला, संतोष तिवारी, संजय मिश्रा, दीपू मिश्रा उर्फ भानु, एडवोकेट देवेन्द्र पाठक, संजय पाण्डेय,रजनीश उपाध्याय उर्फ रज्जन, सत्यम तिवारी, मोहित पाण्डेय, विनोद मिश्रा, राम मिश्रा, अनुराग मिश्रा शुभ, सूरज पाण्डेय, बीवेश मिश्रा का आभार जताया। कार्यक्रम की तैयारी जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट नीरज दूबे, हैप्पी दुबे अतुल पाठक ने की यहाँ प्रवीण मिश्रा सभासद, राजदेव शुक्ला अतुल मिश्रा, रजनीश रज्जन भईया, अमर बहादुर दुबे, अभिषेक शुक्ला संजय तिवारी विकास सोनकर अवनीश कुमार अतुल यादव नीरज दुबे अमित कुमार तिवारी ऋषभ पांडेय अनुराग मिश्रा आदि मौजूद रहे ।

गंगा दशहरा स्नान पर गोमती मित्रों ने सीताकुंड धाम पर संभाली रखी कमान

सुलतानपुर(आरएनएस)। संकल्प समर्पण व सहयोग के धनी गोमती मित्रों ने एक बार पुनः अपने को अक्षरशः साबित किया। गंगा दशहरा की पूर्व संध्या पर शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह मदन की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सभी गोमती मित्रों को स्नान पर्व के दिन प्रात ०५:०० बजे धाम पर उपस्थित रहने व पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो इसकी व्यवस्था के लिए निर्देशित कर दिया गया था, समय के पाबंद गोमती मित्र निर्देशित समय से पहले ही पहुंचकर साफ सफाई शुरू करते हुए धाम पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को यथासंभव सहयोग प्रदान करने व उन्हें स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित करते रहे। आरती संयोजक डॉ कुंवर दिनकर प्रताप सिंह ने उपस्थित श्रद्धालुओं से हर रविवार शाम होने वाली मां गोमती की आरती में उपस्थित रहने का निवेदन किया, "एक पौधा एक जन" कार्यक्रम के संयोजक सेनजीत कसौधन दाऊ ने दस लोगों को पौधा वितरित कर पौधे के वृक्ष बनने तक सेवा करने का संकल्प दिलवाया, स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम व स्नान पर्व की व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग के लिए विशेष रूप से संरक्षक रतन कसौधन, प्रदेश अध्यक्ष मदन सिंह, प्रबंधक राजेंद्र शर्मा, मीडिया प्रभारी रमेश माहेश्वरी, संत कुमार प्रधान, दाऊ जी, राजेश पाठक, मुन्ना सोनी, राकेश सिंह दद्दू,आयुष, दिनकर सिंह, अजीत शर्मा अजय प्रताप सिंह, आलोक तिवारी, अरविंद, प्रदीप, अर्जुन, ओमप्रकाश कसौधन, सौरभ गुप्ता, सोनू सिंह, आदित्य शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

जेष्ठ माह के मंगलवार को हुआ भव्य भंडारे का आयोजन

सुल्तानपुर(आरएनएस)। जेष्ठ माह में प्रत्येक मंगलवार की तरह आज भक्ति भावनात्मक सोच को साकार करते हुए माह के अंतिम मंगलवार को राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी गौ सेवा संघ व काशी विश्वनाथ ग्रुप द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन नगर के तिकोनिया पार्क में किया गया। भंडारे का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन गौरव शुक्ला, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व एस सुधाकरन, नगर पालिका अधिशाषी अभियंता लाल चन्द्र सरोज, नगर तहसीलदार हृदय राम तिवारी, ने संयुक्त रूप हनुमान जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर भक्तों को शरबत व प्रसाद वितरण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी के प्रदेश प्रभारी सर्वेश कुमार सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न करने में लिए सुबह से ही जिला प्रशासन पूरी तरह सहयोग में लगा रहा। जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्सिना के निर्देश पर एसडीएम सदर ठाकुर प्रसाद, ईओ नगर पालिका लालचंद सरोज, प्रभारी सफाई निरीक्षक हनुमान सिंह ने सुबह से ही तिकोनिया पार्क पहुंचकर साफ सफाई जल छिड़काव, डेस्टबिन की व्यवस्था के रखरखाव का स्थलीय निरीक्षण किया। संघ के प्रवक्ता जयशंकर दूबे व रवि दूबे ने बताया था भण्डारे को सफल बनाने में किसी प्रकार का कोई व्यवधान न हो, सभी कार्यकर्ता तन–मन से समापन तक जुटे रहे, पत्रकारों में मुख्य रूप से वरिष्ठ पत्रकार मनोराम पांडे, समाजसेवी अमर बहादुर सिंह, पत्रकार श्रीकृष्णा पांडे, राकेश तिवारी, मनोज मिश्रा, राजबहादुर यादव, सूर्य प्रकाश तिवारी, सहित पत्रकारों का एक दल मौजूद रहा। कार्यकर्ता के रूप में मुख्य रूप से अवधेशानंद गिरी, अनिल अग्रहरि, भीमदेव जायसवाल, शिव शंकर पांडे, हरेंद्र सिंह, बब्लू जायसवाल, प्रिंस अग्रहरि सौरभ सिंह अभिषेक सिंह, निखिल बरनवाल, रविंद्र प्रताप सिंह उर्फ पप्पू काका, राकेश सिंह उर्फ इंदू, बजरंगी साहू, रवि यादव,कमलेश तिवारी, शेर बहादुर यादव, कल्लू सोनी, रामकरन यादव, सतीश यादव, अजय कुमार सिंह, अंकुश श्रीवास्तव, विकास यादव एडवोकेट, अशोक यादव, रामशरन जायसवाल, सुनील सिंह, गौरी शंकर जायसवाल राम समुझ कश्यप सहित अन्य लोग भंडारे के उपस्थित रहे। लगभग हजारों की संख्या में हनुमान भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

स्वशासी राजकीय महाविद्यालय की इमर्जेंसी में बढ़ाई गई अतिरिक्त डाक्टरों की टीम

10 विशेषज्ञ डश्वक्टरों की टीम 24 घंटे आवश्यक सेवा में मरीजों के लिए रहेगी उपलब्ध

सुल्तानपुर(आरएनएस)। हीटवेब के चलते प्रशासन किसी भी प्रकार की चूक से बचने का नित नये उपाय खोज रहा है, जिलाधिकारी के निर्देश पर प्रतिदिन सुबह–शाम मुख्य चिकित्साधिकारीध्नोडल डां.ओम प्रकाश चौधरी स्वशासी राजकीय महाविद्यालय का दौरा करते नजर आ रहे है। इमर्जेंसी में भर्ती एक–एक मरीजों से मिलकर उनके ईलाज की जानकारी व डॉक्टरों को पूरी निष्ठापूर्वक काम करने की नसीहत करते दिखाई दे रहे है। उनके साथ स्वशासी राजकीय महाविद्यालयधजिला चिकित्सालय के मुख्य चिकित्साधिक्षक डां. एसके गोयल व स्टाफ नजर आ रहे है। सीएमओ डां. ओम प्रकाश चौधरी व सीएमएस डां.एसके गोयल ने संयुक्त रूप से बताया कि मंगलवार से इमर्जेंसी में अतिरिक्त डॉक्टरों का पैनल बनाया गया है। अब आवश्यक सेवा में तीन डाक्टर 24 घंटे रहेगें, हीटवेब की शुरूआत से इमर्जेंसी में दो डाक्टर लगाए गए थे, लेकिन मंगलवार से मरीजों की बेहतर सुविधा को ध्यान में रखते हुए 10 डाक्टरों का पैनल बनाया गया है। जिसमें डां.दिनेश, डां. डीबी सिंह, डां.राजेश मिश्रा, डां. एएन तिवारी, डां.अबसार, डां. रमेश, डां.सबाहुद्दीन, डां.इमरान युसुफ, डां.अजय सोनी और डां. सहबान को प्रातः8 बजे से 2 बजे, अपराह्न 2 बजे से रात 8 बजे और 8 बजे से सुबह 8 बजे तक स्वशासी राजकीय महाविद्यालय की इमर्जेंसी सभांलेगें। मंगलवार से 24 घंटे आपात कालीन सेवा में तीन डाक्टर मौजूद रहेगें, मुख्य चिकित्साधिकारी डां.ओम प्रकाश चौधरी ने बताया स्थिति पूरी तरह हमारे कंट्रोल में है, हीटवेब ग्रसित मरीजों के इलाज की सारी तैयारी की गई है। उन्होनें कहाकि मेरे द्वारा प्रतिदिन सुबह–शाम स्वशासी राजकीय महाविद्यालय की इमर्जेंसी का दौरा किया जा रहा है, भर्ती मरीजों से मिल रहा हूं ।

संपादकीय

मोदी की पहली विदेश यात्रा सकारात्मक

इटली के अपूलिया में संपन्न हुए जी–7 सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आउटरीच सत्र में वैश्विक नेताओं से मुलाकात की। इस क्रम में तमाम वैश्विक राजनीतिक हस्तियों से उनका मिलना हुआ। इनमें पोप फ्रांसिस भी शामिल थे, जिन्होंने भरपूर गर्मजोशी से मोदी को गले लगाया और विचार–विमर्श किया। मोदी ने पोप को भारत आने का न्योता भी दिया। भारत में कैथोलिक इसाइयों की संख्या एशिया में दूसरे नंबर पर है।भारत के केरल जैसे राज्यों में ईसाइयों की संख्या खासी है, इसलिए इसे संकेत माना जा रहा है कि मोदी ने भारत की धर्मनिरपेक्ष छवि को दर्शाया है। जी–7 यानी ग्रुप ऑफ सेवन दुनिया केसबसे अमीर और खुद को अत्याधुनिक मानने वाले मुल्कों की संस्था है। कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, ब्रिटेन, अमेरिका और जापान ये सात देश हैं। इनकी ग्लोबल ट्रेड और वैश्विक वित्त पप्रणाली पर खासी पकड़ है। इस बार ये सब आर्थिक सुरक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे मुद्दों को लेकर विमर्श कर रहे थे।चूंकि भारत विकसित होती अर्थव्यवस्था है, इसलिए वे उसके सहयोग और लाभ की साझेदारी पर काम करने को इच्छुक हैं। इस सम्मेलन में दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका के साथ भारत प्रशांत क्षेत्र के बारह विकासशील देशों के नेताओं को इसी खास मकसद से आमंत्रित किया गया था।माना जा रहा है कि जी–7 देश चीन और रूस की बढ़ती आर्थिक ताकत को लेकर चिंतित हैं। इस मौके का फायदा उठाने में मोदी सफल होते नजर आ रहे हैं। साथ ही, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने के प्रति सरकार की जिम्मेदारी को भी मदद मिलने की उम्मीद है।इस मसले पर बनने वाले अंतरराष्ट्रीय नियम–कानूनों द्वारा देश में बढ़ रहे साइबर क्राइम पर सख्ती की जा सकेगी। हालांकि यह कहना गलत नहीं है कि इस गुट के पास ऐसे कोई अधिकार नहीं हैं, जिनके बल पर कोई भी निर्णय जबरन लागू कराया जा सके, मगर भारत को इन देशों से जो सहयोग और लाभ मिल सकते हैं, उनके प्रति यदि मोदी सफल होते नजर आते हैं तो यह देश के भविष्य के लिए बेहतर करने का घटनाक्रम ही कहा जाएगा।निरूसंदेह इनसे जुड़े परिणामों के लिए अभी इंतजार करना होगा। मगर कुल मिलाकर दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश का लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी की यह पहली विदेश यात्रा सकारात्मक कही जा सकती है, जिसके परिणाम आने वाले वर्षो में यकीनन नमूदार होंगे।

उम्मीदवारों का चयन सही साबित हुए

रजनीश कपूर

अचानक कहीं कुछ नहीं होता, अंदर ही अंदर कुछ घिस रहा होता है, कुछ पिस रहा होता है।य इन पंक्तियों में कवि ने इस बात पर इशारा किया है कि किसी भी काम का विपरीत अंजाम आने पर हमें ऐसा क्यों लगता है कि ऐसा कैसे हो गया? जबकि उसके पीछे के कारणों पर कोई ध्यान नहीं देता।ऐसा ही कुछ हुआ 2024 के उत्तर प्रदेश में लोक सभा चुनाव परिणाम के बाद। यहां बीजेपी को पहले के मुकाबले इस बार बहुत कम सीटें मिलीं। ऐसा क्या कारण था कि भाजपा का प्रदर्शन इतना बुरा रहा? अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण। अनुच्छेद 370 का हटाना। तीन तलाक को खत्म करना। ये ऐसे कुछ मुद्दे थे जिन पर भाजपा को पूरा विश्वास था कि वह श्अबकी बार 400 पार्च्य के अपने नारे को सच कर दिखाएंगे, परंतु ऐसा न हो सका। ऐसा माना जाता है कि दिल्ली की गद्दी का रास्ता लखनऊ से होकर जाता है। इस बार के चुनाव में उत्तर प्रदेश का जो परिणाम रहा उसने सत्तारूढ़ दल को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि ऐसी कौन सी कमी उनकी नीति में थी जो वोटरों को अपनी ओर आकर्षित करने में विफल रही? ऐसा क्या हुआ कि पार्टी कार्यकर्ताओं में वो उत्साह नहीं था जो पिछले दो लोक सभा चुनावों में देखा गया? क्या संगठन के काम करने के ढंग या उनके द्वारा लिये गए गलत फैसलों ने जमीनी कार्यकर्ताओं को हतोत्साहित किया? क्या उत्तर प्रदेश में या अन्य राज्यों में, जहां भाजपा का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं था वहां पर उम्मीदवारों के चयन में गलती हुई? हिंदुओं के लिए पूजनीय अयोध्या, रामेरम में मिली हार और प्रधानमंत्री को वाराणसी में पिछली बार के मुकाबले बहुत कम अंतर से मिली जीत भी सवालों के घेरे में है। इन नतीजों के बाद सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का श्अहंकार्च्य की ओर इशारा करना भी क्या इस बुरे प्रदर्शन का कारण बना? सूत्रों के अनुसार इस बार के चुनाव में कम सीट आने के पीछे भाजपा में अंदरूनी कलह ने भी एक बड़ी भूमिका निभाई। जिस तरह केंद्र के नेतृत्व द्वारा राज्य की सरकारों व राज्यों के नेताओं की उपेक्षा की गई और वो फिर जनता के सामने आई वह भी इन नतीजों का कारण बनी। भाजपा और संघ के बीच हुए मतभेदों को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। यदि केंद्र और राज्य के नेतृत्व में कोई मतभेद थे तो उन्हें समय रहते एक मर्यादा के तहत हल किया जाना चाहिए था। भाजपा और संघ के कार्यकर्ताओं का इस बार के चुनावों में सक्रिय योगदान नहीं दिखाई दिया उससे देश भर में एक संदेश गया है कि राष्ट्रीय नेतृत्व जमीन से कट गया है। इस बार के चुनाव को इतने चरणों में बांटने से भी कार्यकर्ताओं की सहभागिता में कमी नजर आई। कार्यकर्ताओं को इस बात का पूर्ण विश्वास था कि पिछले दस वर्षो में देश में ऐसे कई बदलाव आए हैं, जो तीसरी बार भी मोदी सरकार को पूर्ण बहुमत दिलाएंगे।इसी के चलते भी कार्यकर्ताओं में उतना उत्साह दिखाई नहीं दिया। वहीं दूसरी ओर देखें तो समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव और उनके कार्यकर्ताओं ने जिस तरह उत्तर प्रदेश के चप्पे–चप्पे पर अपनी नजर बनाए रखी और भागदौड़ की वो काफी फायदेमंद रहा। सपा के उम्मीदवारों का चयन और श्इंडियाच्य गठबंधन के घटक दलों का उन पर भरोसा, दोनों ही इन चुनावों में सही साबित हुए। यदि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता इसी ऊर्जा और रणनीति से अभी से जुटे रहेंगे तो 2027 के विधान सभा चुनावों में भी उनका प्रदर्शन बढ़िया रहेगा। उत्तर प्रदेश के अगले विधान सभा चुनाव में यदि सही रणनीति और सही उम्मीदवारों का चयन हो, यदि वहां की जनता की समस्याओं के समाधान की एक ठोस योजना हो तो उन मतों को भी अपने पाले में लाया जा सकता है जो बुनियादी मुद्दों से भटका दिये गए हैं। इतना ही नहीं, जिस तरह समाजवादी पार्टी को एक विशेष वर्ग के लोगों की पार्टी माना जाता था, उसका भी भ्रम इस बार के चुनावों में टूटा है।सभी हिंदू तीर्थ स्थलों में सपा ने भाजपा को शिकस्त दी है। समाजवादी पार्टी ने जिस तरह श्एम–वाईच्य फैक्टर को नए रूप में पेश किया वह भी काम कर गया है। जिस तरह भाजपा हर समय चुनावी मूड में रहती है यदि विपक्षी पार्टयिां भी उसी मूड में रहें तो भाजपा को कड़ी टक्कर दे पाएंगी। इसके साथ ही सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों को ही इस बात पर भी तैयार रहना चाहिए कि यदि किसी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिलता है तो गठबंधन की सरकार ही विकल्प होता है। यदि कोई भी दल इस अहंकार में रहे कि वो एक बड़ा और प्रभावशाली राजनैतिक दल है और विपक्ष दशर्क दीर्घा में बैठने के लिए है तो फिर उसे तब झटका लगेगा ही जब उसे सरकार बनाने के लिए अन्य दलों के आगे झुकना पड़ेगा। हर दल को जनता के फैसले का सम्मान करना चाहिए। गठबंधन की सरकार में हर वो दल जिसके पास अच्छी संख्या हो वह किसी न किसी बात पर उखड़ भी सकता है। इसलिए भलाई इसी में है कि अपनी गलतियों से सबक लिया जाए

भारत सहित विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक बढ़ा रहे है अपने स्वर्ण भंडार

भारत को इस स्वर्ण भंडार को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिवर्ष फी के रूप में कुछ राशि बैंक आफ इंग्लैंड को अदा करनी होती थी अतः अब भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 100 टन स्वर्ण भंडार को भारत लाने के बाद इस फी की राशि को अदा करने से भी भारत बच जाएगा। हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी बैंकों में रखे भारत के 100 टन सोने को ब्रिटेन से वापिस भारत में ले आया गया है। यह सोना भारत ने ब्रिटेन के बैंक में रिजर्व के तौर पर रखा था और इस पर भारत प्रतिवर्ष कुछ फीस भी ब्रिटेन के बैंक को अदा करता रहा है। समस्त देशों के केंद्रीय बैंक अपने यहां सोने के भंडार रखते हैं ताकि इस भंडार के विरुद्ध उस देश में मुद्रा जारी की जा सके (भारत में 308 टन सोने के विरुद्ध रुपए के रूप में मुद्रा जारी की गई है, यह सोने के भंडार भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा हैं) और यदि उस देश की अर्थव्यवस्था में कभी परेशानी खड़ी हो एवं उस देश की मुद्रा का तेजी से अवमूल्यन होने लगे तो इस प्रकार की परेशानियों से बचने के लिए उस देश को अपने स्वर्ण भंडार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचना पड़ सकता है। इस कारण से विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने पास स्वर्ण के भंडार रखते हैं। पूरे विश्व में उपलब्ध स्वर्ण भंडार का 17 प्रतिशत हिस्सा विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों के पास जमा है। भारतीय रिजर्व बैंक के पास भी 822 टन के स्वर्ण भंडार हैं। सुरक्षा की दृष्टि से इसका 50 प्रतिशत से अधिक भाग, अर्थात लगभग 413.8 टन, भारत के बाहर अन्य केंद्रीय बैंकों विशेष रूप से बैंक आफ इंग्लैंड एवं बैंक आफ इंटर्नेशनल सेटल्मेंट के पास रखा गया है। उक्त वर्णित 308 टन के अतिरिक्त 100.3 टन स्वर्ण भंडार भी भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा है। वर्ष 1947 में भारत के राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व ही भारत ने अपने स्वर्ण के भंडार बैंक आफ इंग्लैड में रखे हुए हैं। इसके बाद 1990 के दशक में भी भारत ने अपनी आर्थिक परेशानियों के बीच अपने स्वर्ण भंडार को बैक आफ इंग्लैंड में गिरवी रखकर अमेरिकी डॉलर उधार लिए थे। विभिन्न देशों द्वारा लंदन में स्वर्ण भंडार इसलिए रखे जाते हैं क्योंकि लंदन पूरे विश्व का सबसे बड़ा स्वर्ण बाजार है और यहां स्वर्ण को सुरक्षित रखा जा सकता है। यहां के

बैकों द्वारा विभिन्न देशों को स्वर्ण भंडार के विरुद्ध अमेरिकी डॉलर एवं ब्रिटिश पाउंड में आसानी से ऋण प्रदान किया जाता है बल्कि यहां पर स्वर्ण भंडार को आसानी से बेचा भी जा सकता है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण के कई खरीदार यहां आसानी से उपलब्ध रहते हैं। कुल मिलाकर इंग्लैंड स्वर्ण का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत बड़ा बाजार हैं। लंदन के बाद न्यूयॉर्क को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण का एक बड़ा बाजार माना जाता है।

भारत को इस स्वर्ण भंडार को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिवर्ष फी के रूप में कुछ राशि बैंक आफ इंग्लैंड को अदा करनी होती थी अतः अब भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 100 टन स्वर्ण भंडार को भारत लाने के बाद इस फी की राशि को अदा करने से भ भारत बच जाएगा। दूसरे अप यहां स्वर्ण भंडार रखने से भार के पास सदैव तरलता बन रहेगी। जब चाहे भारत इ स्वर्ण भंडार का इस्तेमाल स्थानी अथवा अंतरराष्ट्रीय स्तर प अपने हित के लिए कर सकत है। वर्ष 2009 में भारत ने 20 टन का स्वर्ण भंडार अंतरराष्ट्री बाजार में 670 करोड़ अमेरिक डॉलर की राशि अदा कर खरीद था। 15 वर्ष वर्ष बाद पुनः भार ने अपने स्वर्ण भंडार में वृद्धि करने का निश्चय किया है स्वर्ण भंडार सहित आज भार के विदेशी मुद्रा भंडार 65,00 करोड़ अमेरिकी डॉलर क उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गए और यह भारत के लगभग एक वर्ष के आयात के बराबर क राशि है। अतः अब भारत को

इस तरह स्पीकर बने थे बालयोगी, देखते हैं आगे क्या होता है ?

तब लोकसभा में टीडीपी के नेता होते थे के येरन नायडू। नायडू वाजपेयी सरकार में मंत्री बने। इस बीच चंद्रबाबू नायडू ने बालयोगी को स्पीकर बनाने का फैसला ले लिया। लेकिन इसकी जानकारी बालयोगी को नहीं मिल पाई। तब इतने फोन नहीं होते थे। मार्च 1998 के दूसरे हफ्ते की कोई तारीख..नौ मार्च को चुनाव के नतीजे आ चुके थे..इंद्रकुमार गुजराल सरकार के इस्तीफे के बाद हुए चुनाव की मतगणना 9 और दस मार्च को हो चुकी थी.. तब अटल बिहारी वाजपेयी की अगुआई वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन 265 सीटों के साथ सबसे बड़ा समूह बनकर उभर चुका था, फिर भी वह बहुमत के जादुई आंकड़े से सात सीटें दूर था.. चुनाव मैदान में बाजी मार चुके सांसदों का दिल्ली पहुंचना शुरू हो गया था..इस बीच दिल्ली के इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर बार–बार हिंदी और अंग्रेजी में एक उद्घोषणा हो रही थी..एक नवनिर्वाचित सांसद के लिए बार–बार एनाउंसमेंट हो रहा था. वे खास जगह पर पहुंचें और वहां मौजूद व्यक्ति से संपर्क करें...जिनके लिए चर्चा हो रही थी, उनके कानों में

आवाज पड़ी तो तकरीबन भागते हुए पहुंचे...दरअसल नवनिर्वाचित सांसदों को ठहराने का इंतजाम लोकसभा का सचिवालय देखता है। जिनके घर नहीं होते या जो पहली बार चुने जाते हैं, उनके ठहरने का इंतजाम सचिवालय ही करता है। उन्हें हवाई अड्डे या रेलवे स्टेशन से रिसीव करके वहां ले जाया जाता है..वह नवेले सांसद सोच रहे थे कि शायद सचिवालय वाले ही उन्हें खोज रहे हैं..यही सोचते हुए वह नवेले सांसद बताई हुई जगह पर पहुंचे. .लेकिन वहां का माहौल उनकी सोच से कुछ अलग ही था.. उनके सामने लोकसभा स्पीकर के नामांकन के तीन– चार सेट रखे हुए थे। काउंटर पर मौजूद लोग बीजेपी के कार्यकर्ता थे, उन्होंने जल्दी–जल्दी उनसे उन नामांकन पत्रों पर हस्ताक्षर कराया और फिर कार में बैठाकर उन्हें ले उड़े। वह सांसद थे, आंध्र प्रदेश की अमलापुरम् सीट से चुने गए गंति मोहन चंद्र बालयोगी, जिन्हें बाद में इतिहास जीएमसी बालयोगी नाम से याद करता है..बहुमत के आंकड़े से दूर रह गए एनडीए को तेलुगू देशम ने समर्थन देने का ऐलान कर दिया था.. दरअसल बहुमत ना मिलने के बाद बीजेपी और एनडीए ने बातचीत के रास्ते खोल रखे थे..एनडीए के संयोजक जार्ज फर्नांडिस का तेलुगू देशम के प्रमुख नारा चंद्रबाबू नायडू अच्छे रिश्ते थे. .बात बन गई और बारह सांसदों वाली नायडू की अगुआई वाली तेलुगू देशम पार्टी यानी टीडीपी ने वाजपेयी की अगुआई वाली भावी सरकार को समर्थन देने का फैसला कर लिया...टीडीपी ने बदले में मंत्रीपद के साथ ही अपने लिए लोकसभा अध्यक्ष का पद भी मांगा। जयललिता तब एनडीए में शामिल थीं, लेकिन उन्होंने समर्थन पत्र देने में इतनी देर लगाई थी कि उन्हें लेकर बीजेपी सशंकित हो गई थी..इसलिए समर्थन के बदले नायडू की शर्तों को उसने स्वीकार करने के लिए तकरीबन मजबूर होना पड़ा. . तब लोकसभा में टीडीपी के नेता होते थे के येरन नायडू। नायडू वाजपेयी सरकार में मंत्री बने। इस बीच चंद्रबाबू नायडू ने बालयोगी को स्पीकर बनाने का फैसला ले लिया। लेकिन इसकी जानकारी बालयोगी को नहीं मिल पाई। तब इतने फोन नहीं होते थे। शायद वे दिल्ली के रास्ते में थे, इसलिए उन तक सूचना पहुंच नहीं पाई। लोकसभा का अध्यक्ष के लिए नामांकन की अधिसूचना जारी हो चुकी थी, इसमें देर ना हो, इसीलिए बालयोगी का हवाई अड्डे पर बेसब्री से इंतजार हो रहा था। बालयोगी के लिए नामांकन पत्र के कई सेट तैयार रखे गए थे। हवाई अड्डे पर ही उन पर बालयोगी के हस्ताक्षर कराकर एक दल सीधे उन्हें लेकर संसद पहुंचा और उनका नामांकन दाखिल कराया गया। इसके बाद उन्हें करोलबाग के उस खास दर्जी के पास ले जाया गया, जो राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और लोकसभा स्पीकर के लिए खासतौर पर सूट तैयार करता था..बालयोगी ऐसे स्पीकर रहे, जिन्हें नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर करने के बाद पता चला कि वे देश की सबसे बड़ी पंचायत के प्रमुख बनने जा रहे हैं। उन्हें इसके पहले तक इसकी भनक तक नहीं लगी थी।

बालयोगी हालांकि लोकसभ के लिए पहली 1991 में चुने ज चुके थे, लेकिन 1996 में वे ह गए । इसके बाद 1998 में दूसरी बार लोकसभा पहुंचे। पे से वकील बालयोगी ने स्पीक रहते एक गलती की। 1999 वाजपेयी सरकार के खिला पेश अविश्वास प्रस्ताव मतदान पर उड़ीसा से कांग्रेस सांसद गिरिधर गोमांग के मतदा पर फैसला खुद नहीं लिय बल्कि उनकी अंतरात्मा प फैसला छोड़ दिया।

विपक्ष नदारद था

अजय तिवारी

नौ जून को सरकार के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में विदेशी मेहमान (पड़ोसी देशों के प्रमुख), फिल्मी मेहमान, कारोबारी मेहमान सब थे, लेकिन देश का विपक्ष नदारद था। राष्ट्रपति भवन के मैदान में हुए बड़े जलसे में देश–विदेश से 8000 से ज्यादा मेहमान बुलाए गए थे।

विपक्ष को सम्मानपूर्वक आमंत्रित नहीं किया गया, इसलिए वहां देश की प्रमुख नेता सोनिया गांधी और शरद पवार नहीं दिखे। वाम राजनीति के बड़े चेहरे सीताराम येचुरी और डी राजा भी नहीं थे। जम्मू कश्मीर के बड़े नेता फारुख अब्दुल्ला और लोक सभा में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी के नेता अखिलेश यादव भी नहीं पहुंचे।

न पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और न तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन नजर आए। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखिवंदर सिंह सुक्खू, झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन की अनुपस्थिति भी खल रही थी। ये सभी देश के भिन्न–भिन्न क्षेत्रों का नेतृत्व करते हैं। विदेशी मेहमान विपक्षी नेताओं से भी परिचित हैं, इसलिए स्वाभाविक है उनके मन में भी यह सवाल आया होगा कि देश की सरकार बनने जैसे खास मौके पर विपक्ष क्यों उपस्थित नहीं रहा? इसे किस तरह से लिया होगा कहने की जरूरत नहीं है।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मिलने जब सोनिया गांधी का परिवार गया होगा तब अन्य बातों के साथ विदेशी मेहमान ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा से उनके सरकार के साथ रिश्तों पर भी बात की होगी। विपक्ष का कहना है कि उसे शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित ही नहीं किया गया था। विपक्ष के सांसदों की भी ऐसे ही शिकायत थी। विपक्ष सच बोल रहा है अथवा झूठ यह तो वह जानता है या फिर सरकार। हालांकि यह भी सच है कि विपक्ष के आरोपों का सरकार ने कोई खंडन नहीं किया। सत्ताधारी दल के कार्यकर्ताओं को शपथ ग्रहण समारोह के आमंतण्रपत्र पार्टी दफ्तर से लेने में कोई दिक्कत नहीं आई।

यहां यह स्पष्ट कर देना जरूरी है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जो राज्य सभा में विपक्ष के भी नेता हैं सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। बेमन से राष्ट्रपति भवन पहुंचे खरगे ने कहा कि वह संवैधानिक बाध्यता की वजह से यहां हैं, अपनी खुशी से नहीं। खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट करके उनको बधाई दी अथवा नहीं, इसकी जानकारी दोनों नेताओं ने नहीं दी। सरकार बनने के बाद शिष्टाचारवश भी सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेता नहीं मिले। विपक्षी नेताओं ने सोशल मीडिया पर भी सरकार को बधाई देने में संकोच किया। पुरानी परंपराएं टूटने लगी है। संसदीय कार्य मंत्री और वरिष्ठ मंत्रियों ने सबसे बड़े विपक्षी दल के नेताओं से भी मुलाकात नहीं की।संसद के भीतर कानून सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सांसदों को मिलकर बनाना है इसलिए उनके बीच दुआ–सलाम तो हर हाल में बनी ही रहनी चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच रिश्तों में खिंचाव का असर गठबंधन सरकार और संसद पर भी पड़े बिना नहीं रहेगा। नई लोक सभा के अध्यक्ष का 26 जून को चुनाव होना है। लोक सभा का अध्यक्ष निर्विरोध चुनवाने के लिए सरकार को विपक्ष की मदद की जरूरत होगी। चूंकि दोनों के रिश्ते अच्छे नहीं है इसलिए इसमें कठिनाई जाएगी। विपक्ष दो ही स्थिति में सरकार को सहयोग कर सकता है। या तो सरकार विपक्ष को उपाध्यक्ष का पद देने का प्रस्ताव करे अथवा ऐसे सांसद को लोक सभा अध्यक्ष का उम्मीदवार बनाए जो सर्वमान्य हो।

कारपोरेट नहीं कोऑपरेटिव वाली गठबंधन सरकार जिन क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाना चाहती है उनमें से एक क्षेत्र है सहकारिता। इसके जरिए सरकार यह धारणा भी बनाना चाहती है कि वह कारपोरेट को नहीं कोऑपरेटिव (सहकारिता) को बढ़ावा दे रही है। सरकार प्रायरू सभी क्षेत्र कोऑपरेटिव के लिए खोलना चाहती है। पेट्रोल पम्प और दवाओं की बिक्री जैसे उपक्रम पिछले कार्यकाल में उसने कोऑपरेटिव संस्थाओं को दिए थे। सरकार कोऑपरेटिव संस्थाओं में दशकों से जमे नेताओं को भी हिलाना चाहती है। इसीलिए कोऑपरेटिव संस्थाओं में चुनाव के लिए चुनाव आयोग जैसी संस्था बनाने का प्रस्ताव है। सरकार पहले ही सारी कोऑपरेटिव संस्थाओं का डेटा तैयार करवा चुकी है, संस्थाओं को कंप्यूटराइजेशन के लिए भी सख्ती से बाध्य किया गया है। सहकारिता मंत्रालय गृह मंत्री अमित शाह के पास होने से कोऑपरेटिव की सारी बड़ी संस्थाएं चाहे वह अमूल हो या इफको सब सहयोग कर रही हैं।कृषि क्षेत्र सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है क्योंकि किसानों का विश्वास सरकार पर नहीं है। सरकार ने पुराने वादे पूरे नहीं किए हैं इसलिए उसके लिए इस क्षेत्र में कोई सुधारवादी कदम उठाना बेहद मुश्किल होगा। किसानों की सबसे बड़ी मांग एमएसपी न्यूनतम समर्थन मूल्य) कानूनी गारंटी को लेकर सरकार के पास कोई ठोस जवाब नहीं है। पंजाब में चल रहा किसान आंदोलन फिर गति पकड़ने लगा है। किसान संगठन सक्रिय हो गए हैं। पंजाब में किसानों का बड़ा वर्ग कंगना को किसान विरोधी मानता है। इधर, तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने किसान नेताओं को फोन करके कहा है कि वह आंदोलन का समर्थन करती हैं। उन्होंने अपनी पार्टी के पांच सांसद भी पंजाब में किसानों के धरना स्थल पर भेजे। अगले महीने जुलाई में किसान नेता दिल्ली में सांसदों से मिलेंगे और आंदोलन के लिए आगामी कार्यक्रम बनाएंगे।

सरकार की चुनाव में सबसे ज्यादा आलोचना बेरोजगारी की वजह से भी हुई। इस मुद्दे पर सरकार चलाने वाली भाजपा और उसके सहयोगी कोई जवाब नहीं दे सके। नए कार्यकाल में भी उसके समक्ष रोजगार देने की चुनौती है। पिछले कार्यकाल में सरकार ने हर बार कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) और कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआई) के सदस्यों की संख्या के आधार पर रोजगार के मोर्चे पर अपना बचाव किया लेकिन विफल रही। पिछली संसद में सरकार ने चार लेबर कोड पारित कराए थे, लेकिन श्रमिकों के विरोध के चलते इसे लागू नहीं कर सकी थी। बड़ी संख्या में श्रम कानून को समाप्त करके श्रम सुधार के नाम पर लाए गए लेबर कोड को लागू करना अब भी सरकार के लिए चुनौती है। सभी श्रमिकों को पेंशन दी जानी है यह विषय भी सरकार को हल करना है।

आज का राशिफल

मेष राशिरू आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है आज आप किसी काम को करने के नए तरीके पर विचार करेंगे इससे आपका काम आसान हो जाएगा। आज आप अपने मित्रों के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग बनायेंगे। आज आपकी रूचि आ यात्म में रहेगी। कारोबार और परिवार में बैलेंस बना रहेगा। अग आप कोई भी काम स्टार्ट करने जा रहे हैं तो माता–पिता क आशीर्वाद लेकर ही शुरू करें आपको सफलता अवश्य मिलेगी

वृष राशिरू आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भर रहने वाला है। आज आपको कार्यस्थल पर किसी सहकर्मी क सहयोग मिलेगा, इससे आपको काम करने में आसानी होगी आपको किसी अनुभवी व्यक्ति से कोई सलाह मिलेगी। आज किसी मित्र से मुलाकात, आपको खुशी देगी।

मिथुन राशिरू आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है आज आप किसी विपरीत परिस्थिति में अपने धैर्य को बनायें रखेंगे आपकी स्थितियां जल्द ही सुधरती नजर आएँगी। आपक मिलनसार व्यवहार .... आपको लोगों का प्रिय बना देगा। आपके विरोधी आपके बारे में अफवाहें फैलाने का काम कर सकते हैं आप उनको नजरंदाज करें और आगे बढ़ें। इस राशि के जो लोग किसी बिजनेस में इन्वेस्ट करने की सोच रहे हैं वे किसी एक्सपर्ट से राय जरूर ले लें।

कर्क राशिरू आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है आज आप कुछ समय मनोरंजन सम्बन्धी गतिविधियों में बिताएंगे आज आपके द्वारा कुछ सराहनीय काम किये जा सकते हैं आपके मान–सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। ऑफिस में आज आपको नया प्रोजेक्ट मिलेगा, जिसे पूरा करने में कलीग की सहायता प्राप्त होगी। संतान पक्ष से आपको सुख प्राप्त होगा। पिता क आशिर्वाद आप पर बना रहेगा।

सिंह राशिरू आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है आज ऑफिस के किसी काम के कारण आपकी अचानक यात्रा हो सकती है।

आज आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आपको अपने काम में सहयोगियों का सहयोग मिलेगा, जिससे काम समय से पूरा हो जाएगा। दाम्पत्य जीवन में खुशहाली बनी रहेगी, शाम को कहीं बाहर जाने का प्लान बना सकते हैं। इस राशि के जो लोग बेकरी के बिजनेस से जुड़े हैं उनको आज उम्मीद से ज्यादा लाभ होगा।

कन्या राशिरू आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है आज कुछ महत्वपूर्ण मामलों में फैसला ले सकते हैं। धर्म और सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि हो सकती है।

तुला राशिरू आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है।

वृश्चिक राशिरू आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहने वाला है। परेशानी का कारण बन सकता है। पारिवार के वरिष्ठ सदस्यों का अनुभव तथा सहयोग आपके लिए कारगर साबित होगा। संतान पक्ष से कोई खास खुशखबरी मिलेगी, घर में सभी लोग खुश होंगे। आज किसी काम में आस–पास के लोग आपके लिए मददगार साबित होंगे।

मकर राशिरू आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप कुछ महत्वपूर्ण फैसले ले सकते हैं जो आपकी आर्थिक स्थिति और घर की व्यवस्था ठीक रखने में सहायक हो सकते हैं। व्यापार को बढानें के कुछ नए तरीके आपके दिमाग में आयेंगे। आप अपनी बातों को अपने पिता से जरूर शेयर करें, इससे जीवन में चल रही परेशानियो का हल मिलेगा। मिलजुल कर किये गए कार्यों में आपको बहुत हद तक सफलता मिलेगी।

कुंभ राशिरू आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है व्यवसाय में अपना पूरा ध्यान मार्केटिंग और काम के प्रमोशन में लगायेंगे। सही रणनीति बनाकर काम करने से सफलता की संभावनाएं बढ़ेंगी। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जाएगा, कन्फ्यूजन की स्थिति खत्म होगी। किसी काम से आज आपको ठीक–ठाक फायदा होने वाला है, साथ ही अधूरा काम पूरा हो जाएगा। आज किसी काम में लोगों का सहयोग उम्मीद से अधिक मिलने वाला है।

मीन राशिरू आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है इस समय कई नई तरह की गतिविधियों में भी व्यस्तता रहेगी और उचित परिणाम मिलेंगे। पहले शुरू किया हुआ काम आज पूरा हो जाएगा, जिसका सकारात्मक परिणाम आपको मिलेगा। आज अपना धैर्य बनाये रखें और समय के साथ चलें। आज आपको तरक्की के नये रास्ते मिलेंगे। दिक्कतों का तेजी से मुकाबला करने की क्षमता आपको खास पहचान दिलाएगी। अचानक धन लाभ होने से आपके चेहरे पर मुस्कान बनी रहेगी।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, बुधवार 19 जून
sheelshukla100@gmail.com

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 24 साल में पहली बार करेंगे उत्तर कोरिया का दौरा, जानिए क्या हैं इसके मायने

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 24 साल में पहली बार मंगलवार और बुधवार को उत्तर कोरिया का दौरा करेंगे, दोनों देशों ने कहा कि यह यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से परमाणु–सशस्त्र राज्य के साथ मास्को की बढ़ती साझेदारी को रेखांकित करता है।रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 24 साल में पहली बार मंगलवार और बुधवार को उत्तर कोरिया का दौरा करेंगे, दोनों देशों ने कहा कि यह यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से परमाणु–सशस्त्र राज्य के साथ मास्को की बढ़ती साझेदारी को रेखांकित करता है।उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने पिछले सितंबर में रूस के सुदूर पूर्व की यात्रा के दौरान पुतिन को निमंत्रण दिया था। पुतिन ने पिछली बार जुलाई 2000 में प्योंगयांग का दौरा किया था।वाशिंगटन में, व्हाइट हाउस ने कहा कि वह रूस और उत्तर कोरिया के बीच गहरे होते संबंधों से परेशान है, और अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि यह ष्काफी निश्चितष है कि पुतिन यूक्रेन में अपने युद्ध का समर्थन करने के लिए हथियार मांगेंगे।पुतिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा कि रूस और उत्तर कोरिया यात्रा के दौरान एक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं जिसमें सुरक्षा मुद्दे शामिल होंगे।उन्होंने कहा कि यह समझौता किसी अन्य देश के विरुद्ध नहीं होगा, बल्कि ष्आगे सहयोग की संभावनाओं को रेखांकित करेगा, तथा हाल के वर्षों में हमारे देशों के बीच जो कुछ हुआ है, उसे ध्यान में रखते हुए इस पर हस्ताक्षर किए जाएंगे – अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के क्षेत्र में, अर्थशास्त्र के क्षेत्र में ... जिसमें, निश्चित रूप से, सुरक्षा मुद्दों को भी ध्यान में रखा जाएगा। रूसी रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव, विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और पुतिन के ऊर्जा मामलों के प्रमुख, उप प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक, प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगे। क्रेमलिन ने कहा कि उत्तर कोरिया के बाद पुतिन 19–20 जून को वियतनाम का दौरा करेंगे। दोनों यात्राओं की उम्मीद थी, हालांकि तारीखों की घोषणा पहले नहीं की गई थी। यूक्रेन में युद्ध की शुरुआत के बाद से रूस ने उत्तर कोरिया के साथ अपने संबंधों के पुनर्जागरण को प्रचारित करने के लिए अपने रास्ते से हटकर काम किया है, जिससे यूरोप और एशिया में संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगियों में चिंता पैदा हो गई है।वाशिंगटन का कहना है कि उत्तर कोरिया ने यूक्रेन में लड़ने में मदद करने के लिए रूस को हथियार दिए हैं, हालांकि प्योंगयांग और मॉस्को ने बार–बार इसका खंडन किया है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने सोमवार को आरोप दोहराए कि उत्तर कोरिया ने यूक्रेन में इस्तेमाल के लिए रूस को ष्दर्जनों बैलिस्टिक मिसाइलें और 11,000 से अधिक कंटेनर गोला–बारूदष की आपूर्ति की है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने पुतिन को ष्पिछले कुछ महीनों में अविश्वसनीय रूप से हताशष होते देखा है और युद्ध के मैदान में खोए गए उपकरणों की भरपाई के लिए ईरान और उत्तर कोरिया की ओर देखते देखा है।वाशिंगटन का कहना है कि उत्तर कोरिया ने यूक्रेन में लड़ने में मदद के लिए रूस को हथियार दिए हैं, हालांकि प्योंगयांग और मॉस्को ने बार–बार इसका खंडन किया है।अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने सोमवार को आरोप दोहराए कि उत्तर कोरिया ने यूक्रेन में इस्तेमाल के लिए रूस को ष्दर्जनों बैलिस्टिक मिसाइलें और 11,000 से अधिक कंटेनर गोला–बारूदष की आपूर्ति की है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने पुतिन को ष्पिछले कुछ महीनों में अविश्वसनीय रूप से हताशष होते देखा है और युद्ध के मैदान में खोए गए उपकरणों की भरपाई के लिए ईरान और उत्तर कोरिया की ओर देखते देखा है।मिलर ने कहा, ष्इसलिए मुझे पूरा यकीन है कि वह यही करने जा रहा है।ष अमेरिकी उप विदेश मंत्री कर्ट कैंपबेल ने पिछले सप्ताह कहा था कि वाशिंगटन इस बात से चिंतित है कि रूस उत्तर कोरिया को बदले में क्या देगा। ठोर मुद्रा? क्या यह ऊर्जा है? क्या यह क्षमताएँ हैं जो उन्हें अपने परमाणु या मिसाइल उत्पादों को आगे बढ़ाने की अनुमति देती हैं? हम नहीं जानते। लेकिन हम इससे चिंतित हैं और सावध ानीपूर्वक देख रहे हैं,ष उन्होंने कहा।पुतिन, जो कहते हैं कि रूस यूक्रेन को लेकर पश्चिम के साथ अस्तित्व की लड़ाई में उलझा हुआ है, किम को खुश करने से उन्हें वाशिंगटन और उसके एशियाई सहयोगियों को परेशान करने का मौका मिलता है।संयुक्त राष्ट्र के निगरानीकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला है कि जनवरी में यूक्रेन में रूस द्वारा दागी गई कम से कम एक बैलिस्टिक मिसाइल उत्तर कोरिया में बनी थी। यूक्रेनी अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने उत्तर कोरिया द्वारा रूस को दी गई लगभग 50 ऐसी मिसाइलों की गिनती की है।सियोल के इवा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर लीफ–एरिक इस्ले

ने कहा, ष्पुतिन का स्वागत करने के इच्छुक देशों की सूची पहले से कम है, लेकिन किम जोंग उन के लिए यह यात्रा एक जीत है।ष शिखर सम्मेलन न केवल अमेरिका के नेतृत्व वाली अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के खिलाफ खड़े देशों के बीच उत्तर कोरिया की स्थिति को उन्नत करता है, बल्कि यह किम की घरेलू वैध ाता को मजबूत करने में भी मदद करता है।सियोल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि दक्षिण कोरिया के उप विदेश मंत्री किम होंग–क्यून ने शुक्रवार को कैंपबेल के साथ आपातकालीन फोन कॉल में पुतिन की प्योंगयांग यात्रा पर चर्चा की। मंत्रालय ने चिंता व्यक्त की कि इस यात्रा के परिणामस्वरूप प्योंगयांग और मॉस्को के बीच अधिक सैन्य सहयोग होगा, जो संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों का उल्लंघन करता है।रूस का कहना है कि वह उत्तर कोरिया के साथ सहयोग करेगा और अपने तरीके से संबंधों को विकसित करेगा और किसी भी देश, खासकर संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा उसे यह नहीं बताया जाएगा कि उसे क्या करना है। पुतिन और किम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, जहां रूस वीटो का इस्तेमाल करता है, ने 2006 में प्योंगयांग द्वारा अपना पहला परमाणु परीक्षण करने के बाद उत्तर कोरिया पर प्रतिबंध लगाए।वशेषज्ञों का कहना है कि प्योंगयांग ने तब से परमाणु हथियारों का विकास और परमाणु विखंडनीय सामग्रियों का उत्पादन जारी रखा है। इस वर्ष मार्च में, रूस ने संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों के प्रवर्तन की निगरानी करने वाले विशेषज्ञों के एक पैनल के वार्षिक नवीनीकरण पर वीटो लगा दिया। दक्षिण कोरिया के संयुक्त राष्ट्र राजदूत ने उस कदम की तुलना प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हुए ष्रंगीन हाथों पकड़े जाने से बचने के लिए सीसीटीवी को नष्ट करनेष से की।रूस ने कहा है कि विश्व शक्तियों को उत्तर कोरिया के प्रति नए दृष्टिकोण की आवश्यकता है, उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगियों पर एकांतप्रिय राज्य का ष्याला घोंटनेष का आरोप लगाया। वाशिंगटन के स्टिमसन सेंटर थिंक टैंक में कोरिया का अध्ययन करने वाले 38 नॉर्थ प्रोग्राम की जेनी टाउन ने कहा कि प्योंगयांग तक रूस की पहुंच अमेरिका के नेतृत्व वाली विश्व व्यवस्था का विकल्प बनाने के प्रयासों का हिस्सा है। उन्होंने कहा, ष्यह मानने का कारण है कि रूस पश्चिम के खिलाफ युद्ध में उत्तर कोरिया को एक सैन्य भागीदार के रूप में महत्व देता है, जो उन्हें यूक्रेन में रूस के युद्ध–लड़ाई प्रयासों के पूरक के रूप में हथियारों के सौदे से परे और अधिक करने के लिए प्रोत्साहित करता है।ष

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 24 साल में पहली बार करेंगे उत्तर कोरिया का दौरा, जानिए क्या हैं इसके मायने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 24 साल में पहली बार मंगलवार और बुधवार को उत्तर कोरिया का दौरा करेंगे, दोनों देशों ने कहा कि यह यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से परमाणु–सशस्त्र राज्य के साथ मास्को की बढ़ती साझेदारी को रेखांकित करता है।रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 24 साल में पहली बार मंगलवार और बुधवार को उत्तर कोरिया का दौरा करेंगे, दोनों देशों ने कहा कि यह यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से परमाणु–सशस्त्र राज्य के साथ मास्को की बढ़ती साझेदारी को रेखांकित करता है।उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने पिछले सितंबर में रूस के सुदूर पूर्व की यात्रा के दौरान पुतिन को निमंत्रण दिया था। पुतिन ने पिछली बार जुलाई 2000 में प्योंगयांग का दौरा किया था।वाशिंगटन में, व्हाइट हाउस ने कहा कि वह रूस और उत्तर कोरिया के बीच गहरे होते संबंधों से परेशान है, और अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि यह ष्काफी निश्चितष है कि पुतिन यूक्रेन में अपने युद्ध का समर्थन करने के लिए हथियार मांगेंगे।पुतिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा कि रूस और उत्तर कोरिया यात्रा के दौरान एक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं जिसमें सुरक्षा मुद्दे शामिल होंगे।उन्होंने कहा कि यह समझौता किसी अन्य देश के विरुद्ध नहीं होगा, बल्कि ष्आगे सहयोग

किंम जोन उन के सैनिकों ने फिर की हिमाकत! पड़ोसी देश के क्षेत्र में जबरन घुसने की कोशिश,उत्तर कोरिया की आर्मी ने चेतावनी के लिए चलाई गोलियां

देश के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के अनुसार, मंगलवार को उत्तर कोरिया के सैनिकों द्वारा सीमा के पास सैन्य सीमांकन रेखा पार करने के बाद दक्षिण कोरिया की सेना ने चेतावनी के तौर पर गोलियाँ चलाईं।सियोलरू देश के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के अनुसार, मंगलवार को उत्तर कोरिया के सैनिकों द्वारा सीमा के पास सैन्य सीमांकन रेखा पार करने के बाद दक्षिण कोरिया की सेना ने चेतावनी के तौर पर गोलियाँ चलाईं।जेसीएस के एक अधिकारी के अनुसार, मंगलवार की सुबह करीब 20 से 30 सैनिक असैन्यीकृत क्षेत्र के अंदर 20 मीटर (65 फीट) तक रेखा का उल्लंघन कर गए और दक्षिण कोरिया द्वारा चेतावनी

के तौर पर गोलियाँ चलाए जाने के बाद कुछ समय के लिए उत्तर की ओर वापस चले गए।योनहाप समाचार एजेंसी ने बताया कि जेसीएस को नहीं लगता कि उल्लंघन जानबूझकर किया गया था। जेसीएस अधिकारी ने प्रेस को बताया कि असैन्यीकृत क्षेत्र में बारूदी सुरंगों के विस्फोट के कारण काम करते समय उत्तर कोरियाई सैनिकों को भी कई हताहतों का सामना करना पड़ा। जेसीएस अधिकारी ने कहा कि उत्तर कोरिया की सेना अग्रिम पंक्ति में सैनिकों की तैनाती और बारूदी सुरंगें लगाने सहित कई गतिविधियाँ कर रही है।अधिकारी ने कहा कि ऐसी गतिविधियाँ सीमा नियंत्रण को कड़ा करने और उत्तर कोरियाई लोगों को दक्षिण की ओर भागने से रोकने के प्रयासों का हिस्सा लगती हैं। अधिकारी ने एक बयान में कहा, ष्दक्षिण कोरियाई सेना ... सीमावर्ती क्षेत्र में उत्तर कोरियाई सेना की गतिविधियों पर बारीकी से नजर रख रही है और साथ ही संयुक्त राष्ट्र कमांड के साथ मिलकर काम कर रही है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 24 साल में पहली बार मंगलवार और बुधवार को उत्तर कोरिया का दौरा करेंगे। सियोल के अधिकारियों ने बताया कि पिछले हफ्ते, दक्षिण कोरिया की सेना ने लगभग 20 उत्तर कोरियाई सैनिकों के सीमा पार करने के बाद चेतावनी के तौर पर गोलियाँ चलाईं।

मोदी का तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना गंभीर मुद्दों को सुलझाने का अच्छा मौका, कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो का बयान

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सोमवार को अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी सरकार की वापसी पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि इससे नई दिल्ली दिल्ली के साथ बातचीत करने के अवसर और ष्नया दृष्टिकोणष खुलेगा।कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सोमवार को अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी सरकार की वापसी पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि इससे नई दिल्ली दिल्ली के साथ बातचीत करने के अवसर और ष्नया दृष्टिकोणष खुलेगा। सीबीसी न्यूज से बात करते हुए, कनाडाई प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दों को उठाएगी और कानून के शासन को बनाए रखते हुए कनाडाई लोगों को सुरक्षित रखेगी। ट्रूडो ने सीबीसी न्यूज कार्यक्रम पावर एंड पॉलिटिक्स के होस्ट डेविड कोक्रेन से कहा, ष्अब जब वह चुनाव जीत चुके हैं, तो मुझे लगता है कि हमारे लिए बातचीत करने का अवसर है, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा और कनाडाई लोगों को सुरक्षित रखने और कानून के शासन से जुड़े कुछ बहुत गंभीर मुद्दे शामिल हैं।ष्ट्रूडो की यह टिप्पणी इटली में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के करीब तीन दिन बाद आई है। प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी संक्षिप्त मुलाकात का जिक्र करते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिखर सम्मेलन ने नेताओं के साथ सीधे बातचीत करने का अवसर प्रदान किया। कनाडाई प्रधानमंत्री ने कहा कि शिखर सम्मेलन ने नेताओं को कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने का मौका दिया।ट्रूडो ने कहा, ष्मुझे लगता है कि शिखर सम्मेलनों के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि आपको विभिन्न नेताओं के साथ सीधे बातचीत करने का अवसर मिलता है, जिनके साथ विभिन्न मुद्दे हैं।ष कनाडाई मीडिया ने ट्रूडो के हवाले से कहा निश्चित रूप से भारत के साथ, लोगों के बीच बहुत बड़े संबंध हैं, वास्तव में महत्वपूर्ण आर्थिक संबंध हैं, कई बड़े मुद्दों पर एकमत हैं, जिन पर हमें लोकतंत्र के रूप में, वैश्विक समुदाय के रूप में काम करने की आवश्यकता है।

भारतीय आरोपी निखिल गुलाटी ने अमेरिकी अदालत में खुद को निर्दोष बताया, पहली तस्वीरें सामने आईं

खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नुन के खिलाफ अमेरिकी धरती पर हत्या की साजिश रचने के आरोपी भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता ने सोमवार को न्यूयॉर्क की संघीय अदालत में खुद को निर्दोष बताया। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नुन के खिलाफ अमेरिकी धरती पर हत्या की साजिश रचने के आरोपी भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता ने सोमवार को न्यूयॉर्क की संघीय अदालत में खुद को निर्दोष बताया। अमेरिकी अधिकारियों ने पन्नुन की हत्या में भारतीय सरकारी अधिकारी के साथ सहयोग करने का आरोप लगाया है। 52 वर्षीय गुप्ता को हाल ही में चेक गणराज्य से प्रत्यर्पित किया गया था, जहां पिछले साल उन्हें गिरफ्तार किया गया था। गुप्ता को अमेरिकी मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें 28 जून को अगली अदालत में पेश होने तक बिना जमानत के हिरासत में रखने का आदेश दिया। उनके वकील जेफरी चौब्रो ने मामले को ष्जटिलष बताया और कहा कि वह जोरदार बचाव करेंगे। पन्नुन के खिलाफ कथित हत्या की साजिश में नवीनतम जानकारी इस प्रकार हैरू चेक गणराज्य पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर निखिल गुप्ता के अमेरिका में प्रत्यर्पण के पहले दृ

श्य साझा किए। उन्होंने कहा, ष्हत्या की साजिश में संदिग्ध अब अमेरिकी हिरासत में हैष और पुष्टि की कि गुप्ता को प्राग से सुरक्षित रूप से प्रत्यर्पित किया गया था, जिसमें विमान में चढ़ने का एक धुंधला वीडियो दिखाया गया था। निखिल गुप्ता को पिछले जून में प्राग में गिरफ्तार किया गया था और पिछले महीने चेक कोर्ट द्वारा उनकी याचिका के खिलाफ फैसला सुनाए जाने तक उन्होंने प्रत्यर्पण का विरोध किया। चेक न्याय मंत्री पावेल ब्लेजेक ने शुक्रवार को अमेरिका में उनके प्रत्यर्पण की पुष्टि की। गुप्ता पर हत्या के लिए किराए पर लेने और हत्या के लिए किराए पर लेने की साजिश रचने के आरोप हैं, जिनमें से प्रत्येक के लिए अधिकतम 10 साल की जेल की सजा हो सकती है। उनके वकील जेफरी चौब्रो ने निष्कर्ष पर पहुंचने के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि ष्पृष्ठभूमि और विवरण विकसित होंगे जो सरकार के आरोपों को पूरी तरह से नए प्रकाश में ला सकते हैं। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल मेरिक गारलैंड ने जोर देकर कहा कि अमेरिका अपने नागरिकों को नुकसान पहुंचाने के प्रयासों को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि गुप्ता को अब एक भारतीय सरकारी अधिकारी द्वारा निर्देशित साजिश में उनकी कथित भूमिका के लिए ष्अमेरिकी अदालत में न्याय का सामना करना पड़ेगाएफबीआई निदेशक क्रिस्टोफर रे ने कहा कि जांच एजेंसी विदेशी नागरिकों या किसी अन्य द्वारा अमेरिका में संवैध ानिक रूप से संरक्षित स्वतंत्रता को दबाने के प्रयासों को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा, ष्हम अपने नागरिकों और इन पवित्र अधिकारों की रक्षा के लिए देश और विदेश में अपने भागीदारों के साथ काम करना जारी रखेंगे। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, साजिश के कथित लक्ष्य गुरपतवंत सिंह पन्नून ने गुप्ता को ष्पैदल सैनिकष के रूप में संदर्भित किया और साजिश के पीछे भारतीय अधिकारियों सहित सभी शामिल लोगों को जवाबदेह ठहराने के लिए अमेरिकी न्याय प्रणाली पर विश्वास व्यक्त किया। अमेरिकी अभियोजकों का आरोप है कि गुप्ता ने पन्नून की हत्या के लिए एक भारतीय सरकारी अधिकारी (अदालती दस्तावेजों में सीसी–1 के रूप में पहचाने गए) के साथ साजिश रची। शिकायत के अनुसार, सीसी–1, जिसे खुफिया पृष्ठभूमि वाला ष्वरिष्ठ फील्ड अधिकारीष बताया गया है, ने हत्या की साजिश रचने के लिए मई 2023 में गुप्ता को भर्ती किया।यह पूछे जाने पर कि क्या राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन अपनी भारत यात्रा के दौरान इस मामले को उठाएंगे, एनएससी रणनीतिक संचार समन्वयक जॉन किर्बी ने विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया, उन्होंने कहा, ष्उनकी यात्रा का मुख्य उद्देश्य अमेरिका–भारत द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने के तरीकों की तलाश करना था, खासकर जब बात उभरती हुई प्रौद्योगिकी की हो। भारत सरकार ने किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है और कहा है कि इस तरह की कार्रवाई सरकारी नीति के खिलाफ है। भारत ने आरोपों की उच्च स्तरीय जांच भी शुरू की है। पिछले महीने, अमेरिका ने जवाबदेही की दिशा में भारत के शुरुआती कदमों पर संतोष व्यक्त किया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि आगे की कार्रवाई की जरूरत है।

पुतिन उत्तर कोरिया की दो दिवसीय यात्रा के दौरान किम जोंग उन से करेंगे मुलाकात

दो दिवसीय यात्रा पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन मंगलवार को उत्तर कोरिया पहुंचेंगे। यह 24 वर्षों में पुतिन की उत्तर कोरिया की पहली यात्रा होगी। यह घोषणा दोनों देशों ने की। उम्मीद है कि पुतिन उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं के बीच वार्ता सैन्य सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित होगी।सियोल । रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन मंगलवार को दो दिवसीय यात्रा पर उत्तर कोरिया पहुंचेंगे। यह 24 वर्षों में पुतिन की उत्तर कोरिया की पहली यात्रा होगी। यह घोषणा दोनों देशों ने की। उम्मीद है कि पुतिन उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं के बीच वार्ता सैन्य सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित होगी। दोनों देश अमेरिका के साथ अपने अलग–अलग मतभेदों के मद्देनजर अपने गठबंधन को और मजबूत कर रहे हैं। उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने कहा कि पुतिन किम के निमंत्रण पर मंगलवार और बुधवार को राजकीय यात्रा पर रहेंगे। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने इस बारे में तत्काल विस्तृत जानकारी नहीं

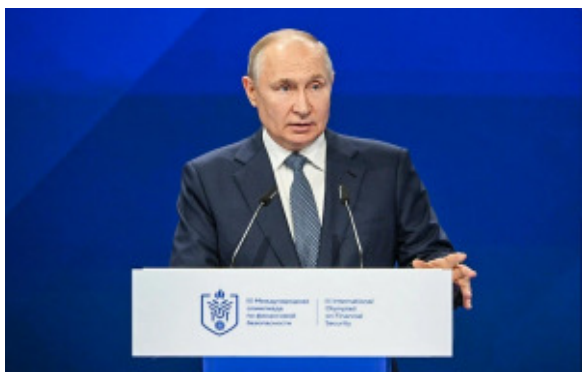

दी। साथ ही रूस ने भी इस यात्रा की पुष्टि की। यह यात्रा एक हथियार समझौते के बारे में बढ़ती अंतरराष्ट्रीय चिंताओं के बीच हो रही है, जिसके तहत प्योंगयांग आर्थिक सहायता और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के बदले में मास्को को आवश्यक हथियार उपलब्ध करा रहा है, जिसकी यूक्रेन में पुतिन के युद्ध को बढ़ावा देने के लिए अत्यंत जरूरत है। हालांकि उत्तर कोरिया को आर्थिक सहायता और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण से किम के परमाणु हथियार और मिसाइल कार्यक्रम से उत्पन्न खतरे में वृद्धि होगी। किम ने गत सितंबर में पुतिन के साथ बैठक के लिए रूस के सुदूर पूर्व की यात्रा की थी जिसके बाद से उत्तर कोरिया और रूस के बीच सैन्य, आर्थिक और अन्य सहयोग में तेजी से वृद्धि हुई है। दोनों नेताओं के बीच हुई यह बैठक 2019 के बाद उनकी पहली बैठक थी। अमेरिका और दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने उत्तर कोरिया पर आरोप लगाया है कि वह रूस को गोला बारूद, मिसाइल और अन्य सैन्य उपकरण मुहैया करा रहा है ताकि यूक्रेन में उसकी लड़ाई को आगे बढ़ाया जा सके। हालांकि प्योंगयांग और मॉस्को दोनों ने उत्तर कोरिया द्वारा हथियारों के हस्तांतरण के आरोपों से इनकार किया है, जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन होगा। उत्तर कोरिया के साथ किसी भी प्रकार का हथियार व्यापार संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अनेक प्रस्तावों का उल्लंघन होगा, जिनका समर्थन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य रूस ने पहले भी किया था। सियोल स्थित कूकमिन विश्वविद्यालय में उत्तर कोरिया के विशेषज्ञ आंद्रेई लांकोव ने कहा कि गोला बारूद और कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल उपलब्ध कराने के बदले में प्योंगयांग को मास्को से उच्च स्तरीय हथियार मिलने की उम्मीद है। लैंकोव ने कहा कि रूस भले ही उत्तर कोरिया के साथ अपनी अत्याधुनिक सैन्य तकनीक साझा करने में अनिच्छुक हो, लेकिन वह प्योंगयांग से गोला–बारूद प्राप्त करने के लिए उत्सुक है। लैंकोव ने कहा, युद्ध में गोला–बारूद कभी भी पर्याप्त नहीं होता, बल्कि इसकी बहुत मांग होती है। पुतिन ने अपने पहले चुनाव के कुछ महीनों बाद पहली बार जुलाई 2000 में प्योंगयांग की यात्रा की थी। तब उन्होंने किम के पिता और उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग इल से मुलाकात की थी। मॉस्को ने कहा है कि वह यूक्रेन में रूस की सैन्य कार्रवाई के लिए प्योंगयांग के समर्थन की बहुत सराहना करता है और संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों में अपने घनिष्ठ और उपयोगी सहयोग का उल्लेख किया।

पाकिस्तान सरकार ने इमरान की पार्टी को चेताया, राष्ट्र विरोधी गतिविधि बंद करें

जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कानूनी मामलों के प्रवक्ता अकील मलिक ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) विदेशों में जिस तरह पाकिस्तान विरोधी गतिविधि चला रही है, पूर्व में वैसी कोई मिसाल नहीं मिलती। इस्लामाबाद। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी से "राष्ट्र विरोधी गतिविधियां एवं दुष्प्रचार" को बंद करने की अपील करते हुए सरकार ने चेतावनी दी है कि वह मित्र देशों के साथ संबंधों को नुकसान पहुंचाने के प्रयास में सोशल मीडिया पर राष्ट्र विरोधी अभियान चलाने में शामिल लोगों पर शिकंजा कसेगी। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कानूनी मामलों के प्रवक्ता अकील मलिक ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) विदेशों में जिस तरह पाकिस्तान विरोधी गतिविधि चला रही है, पूर्व में वैसी कोई मिसाल नहीं मिलती। उन्होंने कहा, "पाकिस्तान एक स्वतंत्र देश है और किसी दूसरे देश से वह निर्देशनहीं लेता। हम सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध चाहते हैं। हालांकि, 2022 के अविश्वास प्रस्ताव के बाद से विदेशों में पाकिस्तान के खिलाफ बदनामीकारक अभियान शुरू हो गया है, जिसने पाकिस्तान विरोधी दुष्प्रचार को बढ़ावा दिया है।" मलिक ने आरोप लगाया कि पीटीआई ने दूसरे देशों में पाकिस्तान विरोधी अभियान को बढ़ावा देने के लिए लामबंदी करने वालों और जनसंपर्क कंपनियों को काम पर रखा है। इसके साथ ही पार्टी को चेतावनी दी कि सरकार मित्र देशों के साथ पाकिस्तान के संबंधों को नुकसान पहुंचाने के प्रयास में सोशल मीडिया पर देश विरोधी अभियान चलाने में शामिल लोगों पर शिकंजा कसेगी। खबर में कहा गया है कि प्रवक्ता ने पीटीआई से आग्रह किया कि वह अपनी "राष्ट्र विरोधी गतिविधियों और दुष्प्रचार" को छोड़ दे तथा वैश्विक मंचों पर देश के हितों को नुकसान पहुंचाने के बजाय समाधान पर विचार करने के लिए राजनीतिक मुद्दों पर सरकार के साथ बातचीत करे।

मैंने ऐसी स्थिति कभी नहीं देखी' पाक टीम में एकजुटता की कमी पर बोले

मुख्य कोच गैरी कर्स्टन ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि टीम में 'कोई एकता नहीं' है और उन्होंने अपने लंबे कोचिंग करियर में 'ऐसी स्थिति कभी नहीं देखी'। कर्स्टन की आलोचना अमेरिका और वेस्टइंडीज में चल रहे टी20 विश्व कप से पाकिस्तान टीम के ग्रुप चरण से बाहर होने के बाद आई है। नयी दिल्ली । पाकिस्तान क्रिकेट टीम की तीखी आलोचना करते हुए मुख्य कोच गैरी कर्स्टन ने कहा कि टीम में 'कोई एकता नहीं' है और उन्होंने अपने लंबे कोचिंग करियर में 'ऐसी स्थिति कभी नहीं देखी'। कर्स्टन की आलोचना अमेरिका और वेस्टइंडीज में चल रहे टी20 विश्व कप से पाकिस्तान टीम के ग्रुप चरण से बाहर होने के बाद आई है। पिछले सत्र के उपविजेता के रूप में टूर्नामेंट में पहुंची पाकिस्तान टीम ने हाल के वर्षों में अपना सबसे खराब प्रदर्शन किया। टीम अमेरिका और भारत से हारने के बाद कनाडा और आयरलैंड के खिलाफ संघर्षपूर्ण जीत दर्ज कर सकी। पाकिस्तान की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, 2011 में भारत को एकदिवसीय विश्व कप जीत दिलाने वाले कर्स्टन ने मौजूदा टी20 विश्व कप से बाहर होने के बाद टीम को लताड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पाकिस्तान के एक वरिष्ठ पत्रकार ने कर्स्टन के हवाले से कहा, ''पाकिस्तान की टीम में कोई एकता नहीं है। वे इसे एक टीम कहते हैं, लेकिन यह एक टीम नहीं है। खिलाड़ी एक–दूसरे का समर्थन नहीं कर रहे हैं। हर कोई अलग–अलग है। मैंने कई टीमों के साथ काम किया है, लेकिन मैंने ऐसी स्थिति कभी नहीं देखी।'' 'जियो सुपर टीवी' ने सूत्रों के हवाले से बताया कि कर्स्टन ने खिलाड़ियों के फिटनेस स्तर पर नाराजगी जताई। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व सलामी बल्लेबाज ने यह भी कहा कि कौशल स्तर के मामले

में टीम बाकी दुनिया की तुलना में काफी पीछे हैं। भारत से पाकिस्तान की हार के बाद कर्स्टन ने कहा कि टीम खराब निर्णय लेने के कारण हारी। कर्स्टन ने कहा था, '' यह निश्चित तौर पर निराशाजनक हार है।'' उन्होंने कहा, '' मैं जानता था कि 120 का लक्ष्य आसान नहीं होगा। भारत ने अगर 120 रन बनाये हैं तो यह आसान नहीं होने वाला था।। मुझे हालांकि लगता है कि छह या सात ओवर शेष रहते हुए टीम का स्कोर दो विकेट पर 72 रन था। इस स्थिति से मैच ना निकाल पाना निराशाजनक है।'' इस विश्व कप में पाकिस्तान को सबसे बड़ा झटका अमेरिका से हार के रूप में लगा। आयरलैंड के खिलाफ रविवार को जीत के बाद पाकिस्तान ग्रुप ए में चार अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहा जबकि भारत सात अंक के साथ शीर्ष पर रहा। अमेरिका ने पाकिस्तान और कनाडा पर जीत तथा आयरलैंड के खिलाफ मैच रद्द होने से पांच अंक के साथ सुपर आठ चरण के लिए क्वालीफाई किया।

पाकिस्तान में अपना समय बर्बाद मत करो, मजाकिया अंदाज में हरभजन ने कर्स्टन से कहा

हरभजन सिंह ने कर्स्टन को सलाह दी कि वे पाकिस्तान में अपना समय बर्बाद नहीं करें क्योंकि दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व क्रिकेटर ने दावा किया था कि बाबर आजम की अगुआई वाली टीम में एकता नहीं है। कर्स्टन ने टी20 विश्व कप में निराशाजनक अभियान के दौरान एक–दूसरे का समर्थन नहीं करने के लिए पाकिस्तानी खिलाड़ियों की आलोचना की।

नई दिल्ली दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने सोमवार को गैरी कर्स्टन को सलाह दी कि वे पाकिस्तान में अपना समय बर्बाद नहीं करें क्योंकि दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व क्रिकेटर ने दावा किया था कि बाबर आजम की अगुआई वाली टीम में एकता नहीं है। कर्स्टन ने टी20 विश्व कप में निराशाजनक अभियान के दौरान एक–दूसरे का समर्थन नहीं करने के लिए पाकिस्तानी खिलाड़ियों की आलोचना की और कहा कि उन्होंने किसी टीम में ऐसा विषाक्त माहौल कभी नहीं देखा। कर्स्टन ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में टूर्नामेंट से ठीक पहले पाकिस्तान के मुख्य कोच का कार्यभार संभाला था लेकिन वे निराश हो गए क्योंकि टीम अमेरिका और भारत से हारकर पहले दौर से बाहर हो गई। हरभजन ने मजाक में कर्स्टन से भारतीय टीम के साथ कोचिंग की भूमिका वापस लेने को कहा जिसने उनके नेतृत्व में 2011 में विश्व कप जीता था। हरभजन ने 'एक्स' पर लिखा, ''वहां अपना समय बर्बाद मत करो गैरी.. टीम इंडिया को कोचिंग देने के लिए वापस आ जाओ। गैरी कर्स्टन दुर्लभ लोगों में से एक.. एक महान कोच, सलाहकार, ईमानदार और हमारी 2011 टीम में सभी के लिए बहुत प्यारे दोस्त.. 2011 विश्व कप के हमारे विजेता कोच। विशेष व्यक्ति गैरी कर्स्टन।'' पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर के भारत के अगले मुख्य कोच के रूप में राहुल द्रविड़ की जगह लेने की उम्मीद है।

कप्तानी छोड़ने के बारे में नहीं सोचा है, यह फैसला पीसीबी का है – बारबर आजम

एकदिवसीय विश्व कप (2023) के बाद टी20 विश्व कप के शुरुआती चरण में बाहर होने के कारण भारी आलोचना का सामना कर रहे पाकिस्तान के कप्तान से जब आयरलैंड के खिलाफ खेले गये मैच के बाद पूछा गया कि क्या उनकी इस्तीफा देने की कोई योजना है, तो उन्होंने पलटवार किया। फोर्ट लाउडरहिल। टी20 विश्व कप के शुरुआती चरण से बाहर होने के बाद आलोचना का सामना कर रहे पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि उन्होंने कप्तानी छोड़ने के बारे नहीं सोचा है और इस बारे में कोई फैसला पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से बातचीत के बाद किया जायेगा। पिछले टी20 विश्व कप (2022) के उपविजेता पाकिस्तान को ग्रुप ए में अपने शुरुआती दो मैचों में अमेरिका

और भारत से शिकस्त का सामना करना पड़ा, जिससे टीम सुपर आठ चरण में जगह बनाने में विफल रही। एकदिवसीय विश्व कप (2023) के बाद टी20 विश्व कप के शुरुआती चरण में बाहर होने के कारण भारी आलोचना का सामना कर रहे पाकिस्तान के कप्तान से जब आयरलैंड के खिलाफ खेले गये मैच के बाद पूछा गया कि क्या उनकी इस्तीफा देने की कोई योजना है, तो उन्होंने पलटवार किया। आयरलैंड को तीन विकेट से हराने के बाद बाबर ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''जब मैं वापस जाऊंगा (पाकिस्तान) तो हम उन सभी चीजों पर चर्चा करेंगे जो यहां हुई हैं। अगर मुझे कप्तानी छोड़नी होगी, यह फैसला, मैं आपको खुलकर बताऊंगा। मैं पर्दे के पीछे कुछ भी घोषणा नहीं करूंगा। जो कुछ भी होगा वह सब के सामने होगा।'' बाबर ने कहा कि पीसीबी ने उन्हें फिर से कप्तानी सौंपी थी और इसके जारी रखने पर कोई भी फैसला उन्हीं का होगा। उन्होंने कहा, ''मैंने इसके बारे में नहीं सोचा है। निर्णय पीसीबी का है।'' उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी भी नेतृत्व की भूमिका की मांग नहीं की है। दायें हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा, '' कप्तानी के बारे में बात करें तो जब मैंने इसे (वनडे विश्व कप के बाद) छोड़ा था, तो मैंने सोचा था कि अब मुझे यह नहीं करना चाहिए, इसलिए मैंने इसे छोड़ दिया और मैंने खुद इसकी घोषणा की। फिर जब उन्होंने इसे मुझे वापस दिया, तो यह यह पीसीबी का निर्णय था।'' इस दौरान बार–बार कप्तानी को लेकर सवाल पूछे जाने से बाबर झल्ला गए और उन्होंने निराशाजनक अंदाज में कहा कि टीम की हार के लिए सिर्फ उन्हें बलि का बकरा नहीं बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा, '' हर कोई निराश है। हम एक टीम के तौर पर अच्छा नहीं खेले। मैंने आपको पहले भी कहा कि हम किसी एक खिलाड़ी की वजह से नहीं हारे हैं।'' बाबर ने कहा, '' हम एक टीम के तौर पर हारे हैं। मैं कप्तान हूं इसलिए आप बार–बार मेरे ऊपर उंगली उठा रहे हैं, मै सभी खिलाड़ी की जगह नहीं खेल सकता। टीम में 11 खिलाड़ी होते हैं और हर किसी की अपनी भूमिका होती है।'

पाकिस्तान ने आयरलैंड को तीन विकेट से हराकर जीत से अभियान खत्म किया

पाकिस्तान ने शानदार गेंदबाजी से आयरलैंड को 20 ओवर में नौ विकेट पर 106 रन ही बनाने दिये। पर आयरलैंड ने भी अपने गेंदबाजों की बदौलत यह लक्ष्य पाकिस्तान के लिए चुनौतीपूर्ण बना दिया जिसने 18.5 ओवर में सात विकेट पर 111 रन बनाकर जीत दर्ज की।लॉडरहिल। पाकिस्तान ने शाहीन शाह अफरीदी की अगुआई में तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान बाबर आजम की नाबाद 32 रन की पारी से रविवार को यहां टी20 विश्व कप के बेमानी ग्रुप मैच में आयरलैंड को तीन विकेट से हराकर सांत्वना भरी जीत दर्ज की। पाकिस्तान ने शानदार गेंदबाजी से आयरलैंड को 20 ओवर में नौ विकेट पर 106 रन ही बनाने दिये। पर आयरलैंड ने भी अपने गेंदबाजों की बदौलत यह लक्ष्य पाकिस्तान के लिए चुनौतीपूर्ण बना दिया जिसने 18.5 ओवर में सात विकेट पर 111 रन बनाकर जीत दर्ज की। आजम (34 गेंद में दो चौके) अंत तक क्रीज पर रहे जबकि शाहीन शाह अफरीदी ने पांच गेंद में दो छक्के से नाबाद 13 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी। दोनों टीमें पहले ही सुपर आठ की दौड़ से बाहर हो गयी थीं जिससे यह ग्रुप मैच केवल औपचारिकता भरा था। आयरलैंड की टीम ग्रुप में एक भी जीत हासिल नहीं कर सकी। आयरलैंड के लिए बैरी मैकार्थी ने चार ओवर में एक मेडन से 15 रन देकर तीन विकेट झटके। कर्टिस कैम्फर ने दो जबकि मार्क एडेयर और बेन वाइट ने एक विकेट हासिल किया।

पंड्या और पंत का प्रदर्शन भारत के लिए सबसे सकारात्मक पहलू

टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण में भारत के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि हार्दिक पंड्या का उम्मीद से बेहतर गेंदबाजी प्रदर्शन और ऋषभ पंत का तीसरे नंबर पर बल्ले से उपयोगी योगदान टीम के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक चीजों में शामिल हैं।नयी दिल्ली। टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण में भारत के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि हार्दिक पंड्या का उम्मीद से बेहतर गेंदबाजी प्रदर्शन और ऋषभ पंत का तीसरे नंबर पर बल्ले से उपयोगी योगदान टीम के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक चीजों में शामिल हैं। भारत ने आयरलैंड, पाकिस्तान और अमेरिका को हराकर सुपर आठ में अपनी जगह पक्की की। कनाडा के खिलाफ टीम का आखिरी मैच गीली आउटफील्ड

के कारण रद्द हो गया था। हरभजन ने 'स्टार स्पोर्ट्स' से कहा, '' टीम के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक बात यह है कि हार्दिक पंड्या विकेट चटका रहे हैं। अगर आप उनके विकेटों की संख्या पर नजर डालें तो उन्होंने उम्मीद से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है।'' विश्व कप से पहले इंडियन प्रीमियर लीग में पंड्या का प्रदर्शन खराब था लेकिन उन्होंने अमेरिका में ग्रुप चरण के तीन मैचों में सात विकेट लेकर अच्छी वापसी की। पंत दिसंबर 2022 में एक भयानक कार दुर्घटना में गंभीर रूप से चोटिल हो गये थे। उन्होंने लंबे इलाज और रिहैबिलिटेशन के बाद इस साल आईपीएल से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की। टी20 विश्व कप में उन्होंने तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए मुश्किल पिच पर 124.67 की स्ट्राइक रेट से रन बनाये। हरभजन ने कहा, '' पंड्या के अलावा ऋषभ पंत ने तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी से प्रभावित किया। उनकी भूमिका पूरी तरह से बदल गयी। विश्व कप से पहले हम संजू सैमसन को टीम में शामिल करने के लिए कह रहे थे क्योंकि उन्होंने काफी रन बनाये थे। ' हरभजन ने कहा, '' पंत को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कराना बड़ी सकारात्मक बात है। जब वह तीसरे नंबर पर खेलते है तो दायें और बायें हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन बनता है।'' भारत सुपर आठ में अपने अभियान की शुरुआत 20 जून को बारबाडोस में अफगानिस्तान के खिलाफ करेगा। हरभजन ने कहा कि टीम के पास नयी परिस्थितियों की चुनौती का सामना करने की क्षमता है। उन्होंने कहा, ''टीम के साथ बहुत सारी सकारात्मक चीजें हैं। बेशक, चुनौतियां और कठिनाई है। लेकिन चुनौतियां उनके सामने आती हैं जो बेखौफ होते हैं। यह निडर खिलाड़ियों की टीम है।'' उन्होंने कहा, ''उन्होंने अच्छा संघर्ष किया (न्यूयॉर्क में मुश्किल पिच पर) और बहुत अच्छा खेले। इस वजह से वे ग्रुप में शीर्ष पर रहे।

हमने अपनी खामियों पर काफी चर्चा कर ली है, अब सुधार करने का समय

श्रीलंका के कप्तान वानिंदु हसरंगा का मानना है कि टीम ने बड़े टूर्नामेंटों में बार–बार की गई गलतियों पर व्यापक रूप से चर्चा की है और टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण से बाहर होने के बाद अब इसे सुधारने पर ध्यान केंद्रित करने का समय आ गया है। ग्रोस आइलेट। श्रीलंका के कप्तान वानिंदु हसरंगा का मानना है कि टीम ने बड़े टूर्नामेंटों में बार–बार की गई गलतियों पर व्यापक रूप से चर्चा की है और टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण से बाहर होने के बाद अब इसे सुधारने पर ध्यान केंद्रित करने का समय आ गया है। हसरंगा ने टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण में दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के खिलाफ अपने मैच गंवाने के बाद नीदरलैंड के खिलाफ अपनी टीम को मिली 83 रन की जीत को 'देर से मिली सफलता' करार दिया। श्रीलंका ने ग्रुप डी के अपने आखिरी मैच में छह विकेट पर 201 रन बनाने के बाद नीदरलैंड को 118 रन पर आउट कर दिया। हसरंगा ने मैच के बाद कहा, '' हम हर टूर्नामेंट के बाद एकजुट होते हैं और चर्चा करते हैं कि हमने कई गलतियां की हैं। एक टीम के रूप में, हमें यह तय करना चाहिए कि क्या हमें उन गलतियों को सुधारना है। मुझे लगता है कि हमने अभी तक अपनी गलतियों को सुधारा नहीं है।'' पिछले साल एकदिवसीय विश्व कप में नौवें स्थान पर रहने के बाद टीम अमेरिका और वेस्टइंडीज में टीम विश्व कप में ग्रुप चरण से आगे बढ़ने में नाकाम रही। हसरंगा ने कहा, '' इस स्थिति के लिए मै निराश हूं। हमने इस विश्व कप और इससे पहले एकदिवसीय विश्व कप में की गयी गलतियों पर चर्चा की है। हम उसमें सुधार करने में विफल रहे हैं।'' इस लेग स्पिनर ने कहा कि टीम को खराब बल्लेबाजी का खामियाजा भुगतना पड़ा। उन्होंने कहा, ''

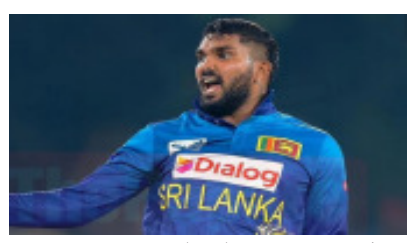

खाने के बिना तो कई दिन रह सकते हैं आप, पर क्या कभी सोचा बिना पानी कितने दिन तक रहा जा सकता है ?

पानी इंसानी शरीर की जरूरत है. एक निश्चित मात्रा में पानी शरीर को सही तरह से काम करने में मदद करता है. इसके बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है. खाए बिना तो इंसान कई दिनों तक जिंदा भी रह सकता है लेकिन पानी के बिना ये कठिन है. ऐसे में एक सवाल उठता है कि आखिर एक इंसान बिना पानी के कितनों दिनों तक रह सकता है, पानी की कमी होने से क्या–क्या हो सकता है. आइए जानते हैं विस्तार से...पानी की कमी से क्या होता हैजब इंसान का शरीर डिहाइड्रेट होता है तो उसे बहुत ज्यादा प्यास लगती है. पानी की कमी से उसे थकान महसूस होती है, ऑर्गन्स तक फेल हो सकते हैं, जिससे मौत हो सकती है. अगर पानी न पिया जाए तो पहले दिन इंसान को थोड़ी सुस्ती लगती है और तीसरे दिन तक कई अंग खराब हो सकते हैं.

पानी की कमी का असर हर इंसान पर अलग–अलग हो सकता है. हालांकि, यह उसकी सहनशीलता के स्तर पर भी निर्भर करता है. चूंकि हमारे शरीर

का 70त्न हिस्सा पानी से बना रहता है और इसके जरिए कई जरूरी काम पूरे किए जाते हैं. ऐसे में पानी के बिना ज्यादा दिनों तक सर्वाइव कर पाना आसान नहीं है.बिना पानी कितने दिनों तक रह सकता है इंसानआम तौर पर कहा जाता है कि बिना पानी के एक इंसान तीन दिनों तक जीवि?त रह सकता है. हालांकि, ये अलग–अलग इंसानों के लिए अलग हो सकता है. यह दो दिन से एक हफ्ते तक हो सकता है. पानी को लेकर रूल ऑफ 3 भी माना जाता है. इसका मतलब इंसान हवा के बिना 3 मिनट, पानी बिना 3 दिन और खाए बिना 3 हफ्ते तक जिंदा रह सकता है.ऑर्किव फर क्रिमिनोलॉजी की एक स्टडी में पाया गया है कि बिना खाए, बिना पानी इंसान 8 से 21 दिनों से ज्यादा जिंदा नहीं रह सकता है. पानी की कमी से शरीर पर कई नकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकता है. हालांकि, ये सब रहन–सहन और क्लाइमेट पर निर्भर करता है.शरीर को कितने पानी की जरूरत 1. नेशनल अकेडमिक्स के मुताबिक, दिन में पुरुषों को 3.6 लीटर और महिलाओं को 2.6 लीटर पानी पीना चाहिए. इस मात्रा को लिक्विड और फूड से प्राप्त कर सकते हैं.2. पानी की जरूरत हर इंसान की उम्र, फिजिकल एक्टिविटी, हेल्थ, फिजिकल कैपिसिटी, हाइट, वेट, लिंग और खानपान पर निर्भर करता है.3. पानी से भरपूर फल, सब्जी और जूस लेने वालों को ज्यादा पानी की जरूरत नहीं होती है, जबकि अनाज, ब्रेड या सूखे फूड्स लेने पर पानी की ज्यादा जरूरत होती है.

4. इंसान के आसपास के क्लाइमेट पर भी निर्भर करता है कि उसकी बॉडी को कितना पानी चाहिए.

कितने दिन में बदल लेना चाहिए तकिए का कवर ? की लापरवाही तो इतनी ज्यादा बिगड़ सकती है तबीयत

बिस्तर पर सुकून की नींद के लिए तकिया होना जरूरी होता है. कुछ लोग तो कई तकिए लेकर सोते हैं. तकिए के साथ सोना तब तक गलत नहीं होता है, जब तक कई–कई दिनों तक उसके कवर को बदला न जाए. दरअसल, पिलोकेस अगर सही समय न बदला जाए तो बैक्टीरिया और बीमारियों उसे अपना घर बना सकते हैं. इससे स्किन से जुड़ी कई दिक्कतें हो सकती हैं, इसलिए एक निश्चित समय के बाद तकिए के कवर (क्कद्बद्यद्यश2 ष्टश1द्गह्म्) को जरूर बदल देना चाहिए.

बीमारियों का घर है तकिए का कवर

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, कम से कम हर हफ्ते तकिए का कवर बदलना चाहिए. अगर ऐसा नहीं करते हैं तो स्किन को काफी नुकसान उठाने पड़ सकते हैं. स्किन से जुड़ी बीमारियां फैल सकती है. कई बार तो इसका इलाज करवाना भी काम नहीं आता है. दवा बेअसर साबित हो सकती है.

हर हफ्ते न बदले तकिए का कवर तो क्या होगा

हेल्थ एक्सपर्ट्स सलाह देते हैं

कि तकिए की खोल यानी कवर हर हफ्ते बदल लेना चाहिए. दरअसल, तकिए के कवर में हर दिन धूल और कण के अलावा तेल, डेड स्किन, हानिकारक बैक्टीरिया, कई तरह की गंदगी और घर में अगर पालतू जानवर हैं तो उनके बाल चिपक जाते हैं. जिसकी वजह से चेहरे पर पिंपल्स, दाग–धब्बे आने लगते हैं. इसलिए समय–समय पर पिलोकेस बदलने रहना चाहिए. वरना चेहरे कि स्किन पूरी तरह तबाह हो सकती है. इतना ही नहीं हर छह महीने में एक बार तकिए को साफ या ड्राई क्लीन या उसे भी बदल देना चाहिए.

अगर हफ्ते में आप अपना पिलो कवर नहीं बदलते तो यह एलर्जी का कारण बन सकता है. कई बार इसकी वजह से इंफेक्शन हो सकता है. हर दिन लोग अलग अलग जगह से आने के बाद बेड पर आते हैं ऐसे में यह अनहाइजीनिक भी हो सकता है. इसके अलावा अगर आप समय समय पर अपनी बेडशीट और पिलो कवर नहीं बदलते तो यह कंफर्ट कम कर देता है. आरामदायक महसूस होने की जगह अनकंफरटेबल फील होने लगता है. पिलो कवर बदलने से आपका तकिया की उम्र भी बढ़ जाती है. इसके अलावा समय समय पर बेडशीट और तकिया का कवर बदलने से पॉजिटिविटी आती है और कमरे की खूबसूरती बढ़ जाती है.तकिए का कवर कैसे लेंहेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अगर तकिए का कवर सिल्क का है तो बैक्टीरिया कम लगते हैं. इससे चेहरे पर पिंपल्स भी नहीं निकलते हैं. स्टडी में पाया गया कि स्किन की सेहत के लिए तकिए में कॉटन नहीं सिल्क कवर ज्यादा अच्छा होता है. इससे दिक्कते होने का रिस्क कम होता है.

पुष्पा 2 द रूल की रिलीज की तारीख से उठा पर्दा, अल्लू अर्जुन का नया पोस्टर भी जारी

साल की मच अवेटेड फिल्म पुष्पा 2रू द रूल की अब नई रिलीज डेट आ गई है. ऐसे में अब दुनिया भर में फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे फैंस अब अपने कैलेंडर में 6 दिसंबर, 2024 को नई प्रीमियर डेट के रूप में मार्क कर सकते हैं.फिल्म के मेकर्स ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नई रिलीज डेट की अनाउंसमेंट कर दी है. इसके साथ ही उन्होंने फिल्म के पोस्टपोन होने की वजह भी साझा की है. उन्होंने यह बताया है कि वह चाहते हैं की फिल्म बिना किसी क्वालिटी कंप्रोमाइज के एक बेहतरीन सिनेमैटिक एक्सपीरियंस दें. इस चीज को सुनिश्चित करने के लिए उन्हें फिल्म को पूरा करने के लिए और ज्यादा वक्त चाहिए.पुष्पा 2 पिछले दो सालों से मच अवेटेड फिल्मों में से एक रही है, जिसे लगातार चार्ट में टॉप पर देखा गया है. फिल्म की पॉपुलैरिटी ऊंचाई को छू रही है, इसके गाने और टीजर ने नेचुरल तरीके

से 100 मिलियन व्यूज को पार किया है.हाल ही में, मास जथरा टीजर, एनर्जेटिक पुष्पा पुष्पा टाइटल सॉन्ग, और रोमांटिक ट्रैक अंगारों यूट्यूब पर बड़े हिट रहे हैं. साथ ही यह सभी सबसे लंबे समय तक टॉप 10 में ट्रेंड करते नजर आए हैं. इतना ही नहीं इन एसेट्स ने रियल यूनिवर्स में भी जबरदस्त सक्सेस हासिल की है, इनपर सबसे ज्यादा यूजर जेनरेटेड कंटेंट बनाए गए हैं. फिल्म पहले 15 अगस्त 2024 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब सोच विचार के बाद फिल्म को 6 दिसंबर 2024 के रूप में नई रिलीज डेट दी गई है.

मैथ्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स के साथ मिलकर पुष्पा 2रू द रूल को प्रोड्यूस किया है, जबकि मेस्ट्रो सुकुमार ने इसे डायरेक्ट किया है. इस फिल्म में आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और वर्सेटाइल एक्टर फहद फासिल लीड रोल्स में हैं.

राम पोथिनेनी और संजय दत्त की फिल्म डबल इस्मार्ट की रिलीज डेट आई सामने, 15 अगस्त को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

साउथ अभिनेता राम पोथिनेनी और संजय दत्त की बहुप्रतीक्षित फिल्म डबल इस्मार्ट इस साल सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। ऐसे में मेकर्स ने दर्शकों का उत्साह बढ़ाते हुए फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। पुरी जगन्नाध की डबल आईस्मार्ट स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म निर्माता और चार्ममे कौर के बैनर पुरी कनेक्ट्स द्वारा समर्थित इस फिल्म में राम पोथिनेनी

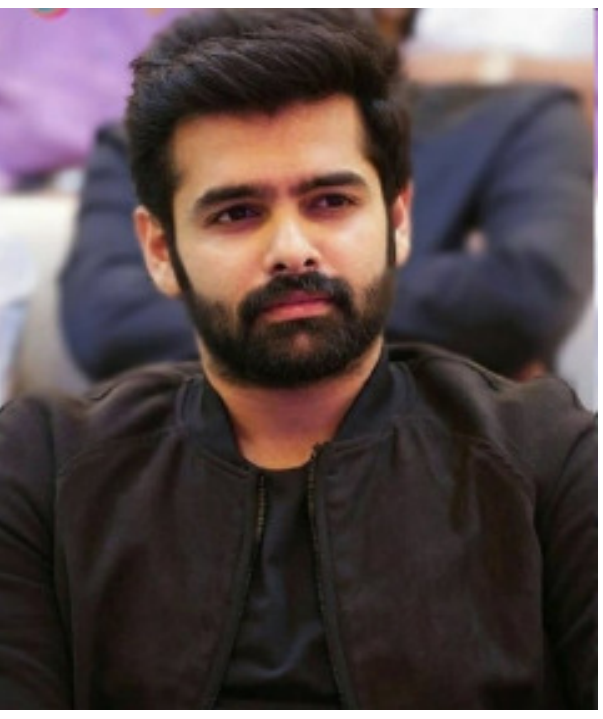

मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म निर्माता पुरी जगन्नाध की आगामी फिल्म डबल इस्मार्ट 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मेकर्स ने आज शनिवार को इसकी घोषणा की है। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए राम पोथिनेनी ने फिल्म की रिलीज का जानकारी दी है। डबल इस्मार्ट पांच भाषाओं–तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज की जाएगी। निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर जारी करते हुए रिलीज डेट की जानकारी दी है। फिल्म का टीजर पहले ही रिलीज हो चुका है, जो दर्शकों को काफी पसंद आया था। अब लोगों को फिल्म के ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार है। टीजर की बात करें तो एक मिनट 26 सेकंड के वीडियो में राम पोथिनेनी और संजय दत्त की दमदार झलक देखने को मिली। शंकर के अवतार में दिखे राम पोथिनेनी के कुछ फाइट सीक्वेंस भी हैं। टीजर में बिग बुल बने संजय दत्त नए अवतार में नजर आए थे। ये फिल्म पोथिनेनी और जगन्नाध की 2019 की साइंस–फाई एक्शन फिल्म आईस्मार्ट शंकर का सीक्वल है। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर हिट साबित हुई थी। डबल इस्मार्ट के जरिए निर्देशक पुरी जगन्नाध और अभिनेता राम पोथिनेनी दूसरी बार साथ काम कर रहे हैं। फिल्म में संजय दत्त महत्वपूर्ण भूमिका में हैं।

बाक्स आफिस चंदू चौंपियन ने लगाई लंबी छलांग, तीसरे दिन कर डाली छप्परफाड़ कमाई

कबीर खान के निर्देशन में बनी फिल्म चंदू चौंपियन को बीते शुक्रवार यानी 14 जून को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था।फिल्म को समीक्षकों के साथ दर्शकों की बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली है, वहीं अभिनय के मोर्चे पर कार्तिक आर्यन भी खरे उतरे हैं।बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन फिल्म ने कुछ कमाल नहीं दिखाया, लेकिन दूसरे दिन इसकी दैनिक कमाई में बढ़ोरती हुई और अब चंदू चौंपियन के तीसरे दिन के आंकड़े भी सामने आ गए हैं।

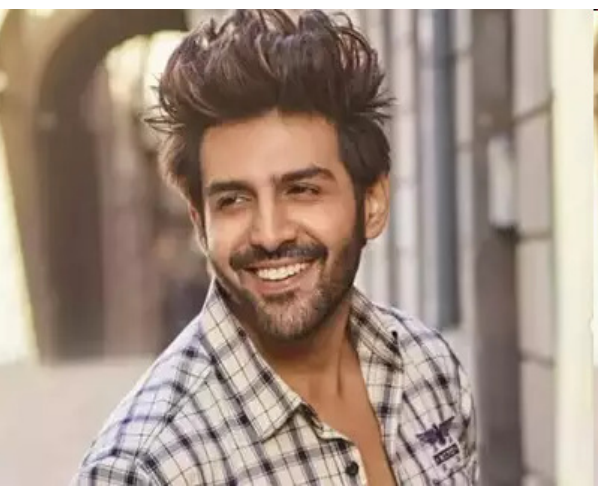

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, चंदू चौंपियन ने अपनी रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को 10 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 21.75 करोड़ रुपये हो गया है।चंदू चौंपियन ने 4.75 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी।वीकेंड पर इस फिल्म की कमाई में इजाफा हुआ और यह शनिवार को टिकट खिड़की पर 7 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही।

चंदू चौंपियन देश के पहले पैरालिंपिक स्वर्ण जीतने वाले मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर आधारित है।

फिल्म में कार्तिक ने मुरलीकांत का किरदार निभाया है।फिल्म की कहानी और कार्तिक की अदाकारी की खूब तारीफ हो रही है। साजिद नाडियाडवाला ने इस फिल्म के प्रोडक्शन का जिम्मा संभाला है।राजपाल यादव, विजय राज और भुवन अरोड़ा भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चंदू चौंपियन सिनेमाघरों के बाद अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक दे सकती है।

पंजाबी लिरिक्स के साथ प्रभास–दिलजीत की जोड़ी ने मचाया धमाल, रिलीज हुआ भैरव एंथम का वीडियो सान्ग

प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दिशा पटानी अभिनीत नाग अश्विन की कल्कि 2898 एडी जल्द ही रिलीज होने वाली है. बड़े बजट और बड़ी स्टारकास्ट वाली इस फिल्म को लेकर काफी बज है. इन सबके बीच फिल्म का पहला ऑडियो सॉन्ग भैरव एंथम रविवार को एक कैच के साथ रिलीज किया गया था. वहीं आज फाइनली इस गाने का वीडियो सॉन्ग भी रिलीज कर दिया गया है.

भैरव एंथम सॉन्ग संतोष नारायणन द्वारा कंपोज है, दिलचस्प बात ये है कि इस जोश भर देने वाले सॉन्ग को दिलजीत दोसांझ और दीपक ब्लू ने अपनी आवाज दी है और पंजाबी और तेलुगु लिरिक्स का एक्सपेरिमेंटल मिक्स किया है. बता दें कि प्रभास और दिलजीत दोसांझ ने पहली बार नाग अश्विन की मोस्ट अवेटेड फिल्म कल्कि 2898 एडी के गाने भैरव एंथम के लिए कोलैबोरेट किया गै. दिलजीत ने ट्रैक में अपना खुद का पंजाबी फ्लेवर एड किया है.

यह गाना हिंदी के अलावा तेलुगु और तमिल में भी रिलीज होगा. भैरव एंथम के तमिल के लिए लिरिक्स कुमार और विवेक, तेलुगु के लिए रामजोगय्या शास्त्री और विवेक और हिंदी के लिए कुमार द्वारा लिखे गए हैं.

वीडियो सॉन्ग में प्रभास एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं, जबकि दिलजीत को उनके गाने पर थिरकते हुए और अपनी दमदार आवाज से मंच पर आग लगाते हुए देखा जा सकता है. लास्ट में बाहुबली स्टार भी पंजाबी अवतार में नजर आते हैं.

टीम ने एक छोटा प्रोमो जारी किया जिसे फैंस ने खूब सराहा. वहीं मेकर्स ने रविवार को भैरव एंथम वीडियो जारी करना था लेकिन इसका ऑडियो रिलीज किया गया और लिखा गया, भैरव एंथम के लिए इंतजार लगभग खत्म हो गया है. बस थोड़ी देर और, और आप इसे एंजॉय कर सकते हैं. इस बीच, इसे अपने फेवरेट सॉन्ग स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर सुनें! प्रभास – दिलजीतदोसांझ. पूरा वीडियो गाना कल सुबह 11 बजे आएगा.

भैरव एंथम का वीडियो सॉन्ग रिलीज होते ही फैंस भी खुशी के मारे उछल पड़े हैं. गाना आते ही वायरल हो रहा है तमाम फैंस ने दिलजीत और प्रभास की जोड़ी की तारीफ की है. एक यूजर ने लिखा, क्या कॉम्बिनेशन है प्रभास दिलजीत, दूसरे यूजर ने लिखा, साल का ब्लॉकबस्टर गाना. कई और ने भी गाने की जमकर तारीफ की है.

बता दें कि 600 करोड़ के भारी भरकम बजट में बनी ये मल्टीस्टारर फिल्म इस 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है.

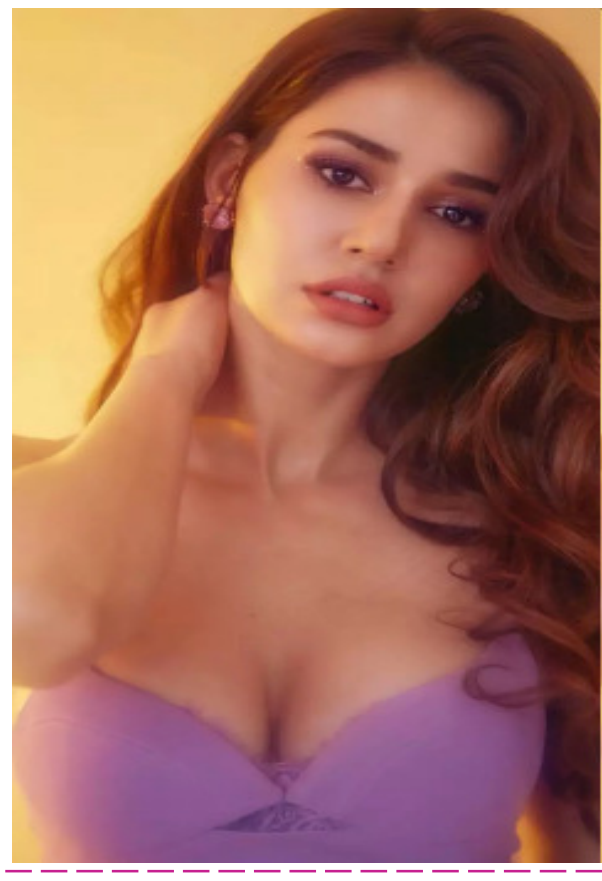

कृति खरबंदा ने भारतीय सिनेमा में पूरे किए 15 साल, शेयर किया दिल को छू लेने वाला संदेश

शादी में जरूर आना, कारवां, हाउसफुल 4 और अन्य फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेत्री कृति खरबंदा ने सिनेमा में 15 साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने सफर को याद करते हुए एक लंबा नोट लिखा।

उन्होंने अपनी कन्नड़ फिल्म गुगली के रिलीज होने के समय की एक दिलचस्प कहानी भी शेयर की।

2009 में तेलुगू फिल्म बोनी से

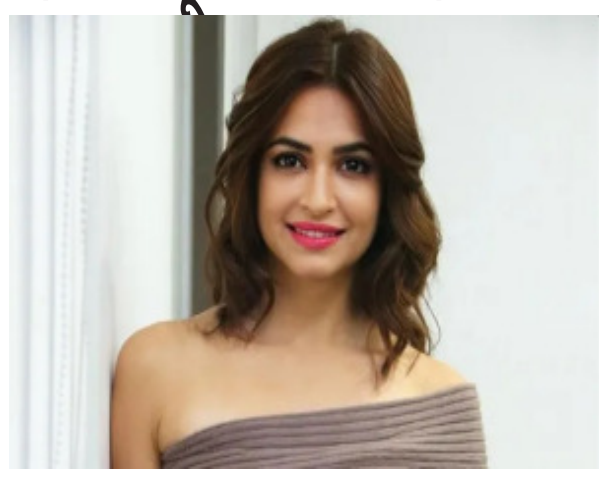

अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री ने अपने नोट की शुरुआत में लिखा, मैंने पिछले 15 साल, यानी अपने जीवन का अधिकांश हिस्सा एक अभिनेत्री के रूप में बिताया है। जो एक शौक के रूप में शुरू हुआ, बिलों का भुगतान करने और पहचान पाने का एक तरीका था, वह धीरे–धीरे एक जुनून में बदल गया! एक ऐसा जुनून जिसके बारे में मुझे पता भी नहीं था कि वह मेरे अंदर मौजूद है।

उन्होंने बताया कि अपने सफर के दौरान, वह एक इंसान और एक अभिनेता के रूप में विकसित हुईं। इस दौरान व्यवसाय के बारे में उनकी गहरी समझ ने उन्हें फिल्म उद्योग के प्रति और अधिक आकर्षित किया।

उन्होंने आगे बताया कि आज जब मैं एक अभिनेता के रूप में 15 साल पूरे कर रहा हूँ, तो मैं आपके साथ एक कहानी साझा करना चाहता हूँ। मैं अपनी किशोरावस्था से ही अपनी माँ के साथ एक बुटीक चलाता था। हम खरीदारी करते थे, डिजाइन करते थे और कपड़े और अन्य चीजें खरीदने में बहुत समय बिताते थे। इसलिए मेरी कन्नड़ फिल्म गुगली की रिलीज के कुछ दिनों बाद हम एक मॉल में गए।

जब अभिनेत्री स्टोर में दाखिल हुई तो सब कुछ ठीक था। जब वह बाहर निकली तो उसने पाया कि स्टोर के बाहर सैकड़ों लोग खड़े थे।

इन 15 सालों में, अभिनेत्री ने भारतीय सिनेमा के कुछ सबसे बड़े सितारों जैसे पवन कल्याण, यश और अन्य के साथ काम किया है। उन्होंने राजरू द रीबूट से बॉलीवुड में कदम रखा।

अभिनेत्री ने साझा कियारू आज मैं इस अवसर पर खुद को धन्यवाद देना चाहती हूँ। छोटी, भोली, भरोसेमंद, भावुक, साहसी मैं। मैं आज यहाँ उसकी वजह से हूँ, क्योंकि वह हार मान सकती थी। मुझे पता है कि जब चीजें मुश्किल हो गईं तो वह हार मानना चाहती थी, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। वह आगे बढ़ती रही। और मैं आज के लिए खुद को धन्यवाद देना चाहती हूँ। मैं उस व्यक्ति पर बहुत गर्व करती हूँ जो मैं बन गई हूँ और मैं अपने बारे में कुछ भी नहीं बदलना चाहती। इस अविश्वसनीय यात्रा का हिस्सा बनने वाले सभी लोगों को बहुत–बहुत धन्यवाद।

उर्वशी रौतेला और रवि किशन की जेएनयू का ट्रेलर जारी, 21 जून को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

बॉलीवुड में अक्सर गंभीर मुद्दों को दिखाती कई फिल्में बन चुकी हैं। इसी कड़ी में निर्देशक विनय शर्मा जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसमें कॉलेज स्टूडेंट्स का वो चेहरा दिखाया जाएगा, जो रोमांस से दूर राजनीति के बारे में क्या सोचता है और क्या करना चाहता है, इस पर फिल्म होगी। फिल्म का नाम जेएनयूरू जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी है। फिल्म का ट्रेलर जारी हो गया, जिसे सोशल मीडिया पर खूब तारीफें मिल रही है।उर्वशी रौतेला, पीयूष मिश्रा, रवि किशन, सिद्धार्थ बोडके, विजय राज, रश्मि देसाई, अतुल पांडे और शिवज्योति राजपूत जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों से सजी जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी सेंसर बोर्ड से मंजूरी मिलने के बाद 21 जून, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। टीजर के बाद आखिरकार जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी का ट्रेलर भी रिलीज हो गया है। विवादित कहानी वाली इस फिल्म ने अपने ट्रेलर की वजह से और भी चर्चा बटोरी है। यह ट्रेलर दर्शाता है कि कॉलेज कैंपस में मार्क्सवादी विचारधारा किस तरह हावी है।ये लेफ्ट यूनिट वालों ने पूरे कैंपस को जात–पात में बांट दिया है। ट्रेलर में इस तरह के डायलॉग इसे और भी प्रभावी बनाते हैं। अब हम लोग बोलेंगे भी और लड़ेंगे भी। इस तरह के डायलॉग से भरे ट्रेलर ने फिल्म की एक झलक दिखा दी है। यूनिवर्सिटी कैंपस की राजनीति कहां से जुड़ी है, ये इस एक लाइन से पता चलता है यहां से सीधे संसद में.... गोधरा के लोग पीएम बनने का सपना देख रहे हैं और अफजल हम शर्मिंदा हैं, तेरे कातिल जिंदा हैं, इस तरह के विवादित डायलॉग फिल्म के ट्रेलर को और दिलतस्प बना रहे हैं। क्या एक यूनिवर्सिटी पूरे देश को हिला सकती है? ट्रेलर का सार यही है। यह पहली बार नहीं है, फिल्म जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी के पोस्टर्स ने भी मीडिया में खूब सुर्खियां बटोरी हैं और अब ट्रेलर भी ध्यान खींच रहा है। जेएनयू के ट्रेलर में फिल्म की कहानी की एक झलक पेश की गई, जिसमें विरोध प्रदर्शन के दृश्य, आपराधिक साजिश के आरोप, राजद्रोह के आरोप और आतंकवाद समर्थक भावनाओं का चित्रण दिखाया गया। यह एक ऐसे विचार को दिखाता है, जो जेएनयू की आंतरिक कार्यप्रणाली में गहराई से उतरता है, जहां दो पार्टी के नेता सत्ता के लिए निरंतर संघर्ष में लगे रहते हैं और वैचारिक झगड़े और राजनीतिक पैंतरेबाजी को बढ़ावा देते हैं। फिल्म के कलाकारों में

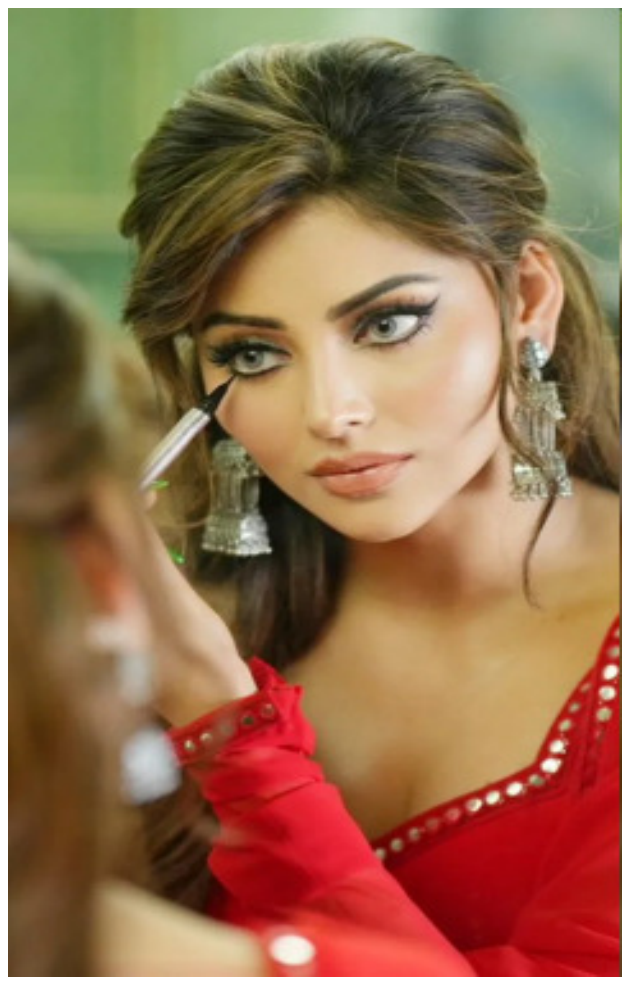

उर्वशी रौतेला, सिद्धार्थ बोडके, रवि किशन, पीयूष मिश्रा, विजय राज, रश्मि देसाई, सोनाली सहगल और कई अन्य नाम शामिल हैं। दर्शक भी फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

बाक्स आफिस पर फिल्म मुंज्या ने पार किया 50 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा

आदित्य सरपोतदार के निर्देशन में बनी फिल्म मुंज्या शुरुआत से बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है।हॉरर के साथ कॉमेडी के तड़के से भरपूर इस फिल्म में मोना सिंह, अभय सिंह और शरवरी वाघ जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी और सितारों की अदाकारी दर्शकों को खूब पसंद आ रही है।अब मुंज्या ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है। कामकाजी दिनों में ठीक–ठाक कमाई करने के बाद वीकेंड पर मुंज्या ने बॉक्स ऑफिस पर लंबी छलांग लगाई है।मुंज्या के 10वें दिन के कमाई के आंकड़े भी सामने आए हैं, जो शानदार हैं।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, मुंज्या ने दूसरे रविवार 8.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 53.80 करोड़ रुपये हो गया है।इस फिल्म में वरुण धवन ने मेहमान की भूमिका निभाई है। बॉक्स ऑफिस पर मुंज्या का सामना राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर की फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही से हो रहा है।

थाई स्लिट ड्रेस पहन अवनीत कौर ने लगाया हाटनेस का ओवरडोज तड़का, हर अदाओं से लूटी महफिल

टीवी एक्ट्रेस अवनीत कौर आए दिन अपनी बोल्ड तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कर अक्सर इंटरनेट पर सनसनी मचा देती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने कान्स फिल्म फेस्टिवल इवेंट की कुछ बेहद ही स्टनिंग फोटोज फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस अवनीत कौर आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी दमदरा एक्टिंग और स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस से फैंस को इस कदर इंप्रेस किया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।

हाल हील में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने कान्स फिल्म फेस्टिवल की कुछ बेहद ही ग्लैमरस तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं, जिसमें वो अपनी कातिल अदाओं से फैंस के बीच कहर बरपा रही हैं।

अवनीत कौर जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक तस्वीरों पर अपनी–अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।

हालांकि इन तस्वीरों में भी कुछ ऐसा देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने उनकी इन फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है अमेजिंग। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है– टू हॉट टू हेंडल, फिर तीसरे यूजर ने लिखा है– स्टनिंग।

बता दें कि एक्ट्रेस अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम अकाउंट पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी ज्यादा तगड़ी है।एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो उनका हर एक लुक फैंस के बीच आते ही छा जाता है। साथ ही फैंस उनके लुक्स की लोग तारीफ करते हुए भी नहीं थकते हैं।

अवनीत कौर अपने हर एक लुक को लेकर चर्चा में आ जाती हैं। उनका स्टनिंग अवतार अक्सर फैंस के बीच कहर ढाता है। हालांकि फैंस भी उनके स्टाइल को काफी ज्यादा फॉलो करते हैं।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, बुधवार 19 जून
sheelshukla100@gmail.com

भाजपा 21 जून को हर मंडलों में मनाएगी योग दिवस

ब्यूरो अंकित वर्मा

देवरिया। चौरा चौरी स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में बैठक आयोजित की गई जिसमे 21 जून को योग दिवस के अवसर पर हर मंडलों में योग दिवस मनाए जाने के लिए योजना बनाई गई । जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने बताया कि पिछले 15 जून से चलने वाले दशम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के साप्ताहिक कार्यक्रम का समापन 21 जून को योग दिवस के अवसर पर किया जाएगा । इस कार्यक्रम को भाजपा जिले के हर मंडलों में व्यापक स्तर पर मनाएगी । उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में योग का बहुत ही महत्व है, योग से

शारीरिक और मानसिक ऊर्जा प्राप्त होती है आज के आधुनिक परिवेश में हर व्यक्ति को प्रतिदिन योगाभ्यास करना चाहिए । उन्होंने कहा कि भाजपा के 6 राष्ट्रीय कार्यक्रमों में से एक पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस आगामी 23 जून को जिले के हर बूथों पर मनाया जायेगा । बैठक में दोनो कार्यक्रमों की तैयारी के लिए विभिन्न पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई । बैठक में जिला महामंत्री प्रमोद शाही, रविंद्र कौशल, मंडल मंत्री अरविंद पांडे, मीडिया प्रभारी प्रभाकर तिवारी, राहुल सिंह, यशवंत शाही सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

रिटर्न संशोधित करने का अवसर दिया जाए- महेंद्र गोयल

लोक सभा चुनाव के बाद हुई व्यापारियों की बैठक में चुनाव के बाद की स्थितियों पर चर्चा की गई। शहरी और ग्रामीण इलाकों में कम वोटिंग पर व्यापारियों का कहना था कि जीएसटी में जिस तरह से वर्ष 2017–18, 2018–19, 2019–20 के मिसमैच को लेकर नोटिस दी गई और व्यापारियों का उत्त्पीडन हुआ उसको लेकर व्यापारियों में बेहद नाराजगी रही। सरकार और अधिकारिओं द्वारा व्यापारियों की बातों को सिरे से अनसुना कर दिया गया। व्यापार संघटनो द्वारा दिए गए ज्ञापन रद्दी की टोकरी में डाल दिए गए। कहा जाता रहा कि जल्द रिटर्न को संशोधित करने कि सुविधा दी जाएगी पर आने वाली 1 जुलाई को 7 साल पुरे होने को है पर ऐसी कोई सुविधा नहीं दी गई।देश अध्यक्ष महेन्द्र गोयल ने कहाकि केंद्रीय ग्रीवांस कमेटी में हमारे द्वारा कहा गया कि एक बार वर्ष 2017–18, 2018–19 एवं 2019–20 के रिटर्न संशोधित करने का अवसर दिया जाए। यदि यह सुविधा दी जाती है तो 80 प्रतिशत नोटिस खुद बा खुद खत्म हो जाएँगी। आगे कहा कि 5 साल तक अस्सेस्मेंट ना करने वाले अधिकारीयों पर कार्यवाही ना कर उत्तर प्रदेश सरकार ने उल्टा व्यापारियों से ही 5 साल के ब्याज और पेनल्टी की डिमांड रख दी। जिसका खामियाजा चुनाव में भुगतना पड़ा। सरकार को यह समझना चाहिए कि अधिकारी किसी के नहीं होते। महामंत्री अजय अग्रवाल एवं अभिषेक अग्रवाल ने कहाकि अब नजर 22 जून को होने वाली जीएसटी कौंसिल की मीटिंग और जुलाई में आने वाले बजट पर होगी। इस अवसर पर अजय गुप्ता, मनोज अग्रवाल, पियूष गोयल, आशीष केसरी और तरंग अग्रवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किये।बैठक में मुख्य रूप से महेन्द्र गोयल , विभु अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, अजय अग्रवाल, कृष्ण किशोर अग्रवाल, अजय गुप्ता, राजेश अग्रवाल, प्रकाश केसरवानी, आशीष केसरी, आशुतोष गोयल, अन्नू पांडेय , अंशुल अग्रवाल, दिनेश केसरवानी, अजय केसरवानी, मनीष शुक्ल, शिशिर केसरवानी, पियूष किराना वाले, अनुपम अग्रवाल, राज किशन अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, पियूष गोयल, उमेश साहू, तरंग अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, अंकित मित्तल, राम किशोर अग्रवाल, अजय अवस्थी, तरुण सावला, शिशर अग्रवाल, अरविन्द अग्रवाल, गौतम अरोरा, राजीव अग्रवाल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

नाटक नन्हें नकलची में बाल कलाकारों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

प्रयागराज(आरएनएस)। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित 30 दिवसीय प्रस्तुति परक बाल नाट्य कार्यशाला का समापन अवसर पर रविवार को बाल कलाकारों ने अपने हुनर से हर किसी का ध्यान खींचा। सांस्कृतिक केंद्र परिसर में प्रशिक्षित बच्चों द्वारा सुन्दर लाल छाबड़ा के निर्देशन में थियेटर इन एजुकेशन के माध्यम से नाटक नन्हें नकलची का हास्यपूर्ण मंचन किया। नाटक में दिखाया गया है कि दूसरों की नकल करना यानी मिमिक्री करना एक हद तक सही भी है क्योंकि इससे देखने वालों को मजा आने के साथ–साथ, जिसकी नकल की जा रही है वो अगर सामने भी होता है तो उसको मजा ही आता है, लेकिन जब यही नकल दूसरों को तंग करने के लिए किया जाए तो ठीक नहीं है। इसी के साथ अरुणा शेट्टी के निर्देशन में नाटक ट्रिन–ट्रिन का भी मंचन किया गया। वर्तमान में मोबाइल की समस्या को इस नाटक के माध्यम से बच्चों ने एक ज्वलंत प्रश्न खड़ा किया। छोटा हो, बड़ा हो, बूढ़ा हो, जवान हो, गरीब हो, अमीर हो, शहर का हो या गांव का फोन सबके पास है हम चाह कर भी इससे दूर नहीं जा सकते। मोबाइल पहले हमारी जरूरत थी अब आदत बन गयी है। इस नाटक में सभी बाल कलाकारों ने अभिनय से दर्शकों का मन मोह लिया। इस मौके पर केंद्र निदेशक प्रो.सुरेश शर्मा ने मुख्य अतिथि सुषमा शर्मा को तुलसी का पौधा व अंगवस्त्र भेंट किया तथा प्रशिक्षकों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन हिमानी रावत ने किया। इस अवसर पर केंद्र के अधिकारी, कर्मचारी सहित काफी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

सपा प्रदेश अध्यक्ष ने गंगापार क्षेत्र में किया दो दिवसीय दौरा

प्रयागराज(आरएनएस) समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने जिले के गंगापार क्षेत्र में दो दिवसीय दौरा कर समाजवादी नेताओं, पदाधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने नुककड़ सभाएँ कर लोकसभा चुनाव में पार्टी के बेहतर प्रदर्शन और गठबंधन उम्मीदवारों की जीत पर आम जनता का आभार जताया। सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने कहा कि भाजपा को जनता ने नकार दिया है। महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं, महिलाओं की सुरक्षा जैसे मुद्दे पर देश एवं प्रदेश की जनता ने वोट किया। इण्डिया गठबंधन के संकल्प एवं वादों पर जनता ने भरोसा किया है। दो दिवसीय प्रवास के दौरान सपा प्रदेश अध्यक्ष श्री पाल ने पार्टी के नेताओं एवं पदाधिकारियों के घर जाकर मुलाकात भी की। फूलपुर उपचुनाव में पार्टी की जीत के लिये अभी से बूथ स्तर तक की तैयारी पर जोर देते हुए पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

मंदाकिनी नदी में स्नान कर श्रद्धालुओं ने मनाया गंगा दशहरा

चित्रकूट (आरएनएस)। गंगा दशहरा पर्व जिले में परम्परागत ढंग से मनाया गया। धर्मनगरी में तेज धूप के बाद भी दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने मंदाकिनी नदी में स्नान किया। भगवान कामदनाथ के दर्शन कर कामदगिरि की परिक्रमा लगाई। वही जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों की नदियों में भी श्रद्धालुओं ने स्नान किया।धर्मनगरी के मठ मंदिरों में धार्मिक कार्यक्रम का भी आयोजन भी किया गया। रामघाट में साधू संतों ने शोभा यात्रा निकाली।

गंगा दशहरा पर्व में भीषण गर्मी के बाद भी श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बना। सुबह से ही श्रद्धालु मंदाकिनी नदी पहुंच गए। स्नान कर पुरोहितों को दान किया। रामघाट स्थित मत्तगजेंद्रनाथ मंदिर में जलाभिषेक किया।

कार्यकर्ताओं ने समर्पित भाव से अपने सांसद को जिताया- अरुण तिवारी

प्रयागराज(आरएनएस)। इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद उज्जवल रमण सिंह का आज जीरो रोड स्थित जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यालय में भव्य स्वागत किया गया। जमुना पर कांग्रेस के अध्यक्ष अरुण तिवारी के नेतृत्व में जमुना पार की चारों विधानसभा के सभी ब्लॉक अध्यक्ष, न्याय पंचायत अध्यक्ष और मंडल अध्यक्षों के अलावा जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी के साथ भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। सांसद का स्वागत करते हुए जिला अध्यक्ष अरूण तिवारी ने कहा की एक लंबे अरसे के बाद कार्यकर्ताओं की मेहनत और लग्न और राहुल गांधी की रणनीति इंडिया गठबंधन के नेताओं के सहयोग से हम इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र में अपना सांसद बनने में कामयाब तो हुए ही साथ में राहुल गांधी की मुहिम को मजबूती मिली। जिसमें उन्होंने भारत के लोकतंत्र और संविधानिक संस्थाओं के स्वतंत्रता के लिए एक लंबा संघर्ष किया उस पर कार्यकर्ताओं ने समर्पित भाव से कामयाबी हासिल कर अपने सांसद को जिताया है। नवनिर्वाचित सांसद उज्जवल रमण सिंह ने कार्यकर्ताओं का धन्यवाद व्यापित करते हुए कहा कि यह जीत किसी व्यक्ति की नहीं बल्कि एक विचारधारा की है जो गांधी और नेहरू के विचारधारा है राहुल गांधी अखिलेश यादव के विचारधारा है इंडिया गठबंधन के विचारधारा है उसे विचारधारा को मजबूत करने में पुनर्स्थापित करने में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ताओं का योगदान अप्रतिम रहा है,।

गंगा दशहरा तपती धूप में संगम में लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

भोर से ही शुरू हो गया स्नान, 2 लाख श्रद्धालु पहुंचे

प्रयागराज(आरएनएस)। गंगा दशहरा के पवित्र पर्व पर रविवार को संगम नोज पर गंगा स्नान के लिए भारी भीड़ जुटी। इस भीषण गर्मी में आस्था के आगे किसी के पाव नहीं रुके। संगम में डुबकी लगाने के लिए भोर से ही लोग पहुंचने लगे। श्रृद्धालुओं ने गंगा स्नान के बाद दान पुण्य कर परिवार की मंगल कामना के लिए मां गंगा का आशीर्वाद भी लिया।

मान्यता है कि गंगा दशहरा के पावन पर्व पर मां गंगा में डुबकी लगाने से सभी पाप धुल जाते हैं। मनुष्य को मोक्ष की प्राप्ति होती है। वैसे तो गंगा स्नान का अपना अलग ही महत्व है, लेकिन इस दिन स्नान करने से मनुष्य सभी दुःखों से मुक्ति पा जाता है। ज्येष्ठ मास में शुक्ल पक्ष की दशमी को गंगा दशहरा मनाया जाता है। इस पर्व के लिए गंगा मंदिरों सहित अन्य मंदिरों पर भी विशेष पूजा–अर्चना की जाती है। इस दिन स्वर्ग से गंगा का धरती पर अवतरण हुआ था। गंगा दशहरा के दिन गंगा नदी में स्नान करने से दस पापों का हरण होकर अंत में मुक्ति मिलती है। गंगा दशहरा के इस पवित्र पर्व मे देश के कोने कोने से श्रद्धालु इलाहाबाद के संगम तट पर आ रहे है और गंगा मे स्नान कर रहे है। स्नान का सिलसिला सुबह 4 बजे से ही शुरू हो गया है जो दिन तक चलेगा। गंगा दशहरा के दिन दान–पुण्य का विशेष महत्व है। इस दिन दान में सत्तू, मटका और हाथ का पंखा दान करने से दोगुना फल प्राप्त होता है। इस दिन संगम मे दान की विशेष परम्परा है। गंगा दशहरा हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। ज्येष्ठ शुक्ला दशमी को दशहरा कहते हैं। इसमें स्नान, दान, रूपात्मक व्रत होता है। स्कन्दपुराण में लिखा हुआ है कि, ज्येष्ठशुक्ला दशमी संवत्सरमुखी मानी गई है। इसमे स्नान और दान तो विशेष करें। किसी भी नदी पर जाकर अर्घ्य (पूज्जादिक) एवम् तिलोदक (तीर्थ प्राप्ति निमित्तक तर्पण)अवश्य करें। ऐसा करने वाला महापातको के बराबर के दस पापों से छूट जाता है। यदि ज्येष्ठ शुक्ल दशमी के दिन मंगलवार रहता हो या फिर हस्त नक्षत्र युता तिथि हो। यह सब पापों के हरने वाली होती है। वराह पुराण में लिखा हुआ है कि, ज्येष्ठ शुक्ला दशमीबुधवारी में हस्त नक्षत्र में श्रेष्ठ नदी स्वर्ग से अवतीर्ण हुई थी। वह दस पापो को नष्ट करती है। इस कारण उस तिथि

लूट के दो आरोपी गिरफ्तार, आठ हजार बरामद

चित्रकूट (आरएनएस)। कोतवाली कर्वी पुलिस ने लूट की घटना का तीन घंटे के अन्दर अनावरण करते हुए दो आरोपियों को आठ हजार रुपए के साथ गिरफ्तार किया है।बताया गया कि ग्राम गढ़ीवा निवासी चुनकाई यादव पुत्र शिवराज यादव ने 15 जून को कोतवाली कर्वी में सूचना दी कि सुबह ट्रैफिक चौराहे के पास पर्स से रुपए निकाल कर गिन रहा था। यह रुपया बेड़ीपुलिया स्थित ई रिक्शा कंपनी में लोन की किश्त जमा करने के लिए जा रहा था। तभी दो युवक आए और हाथ से आठ हजार रुपये छीनकर भाग गए। वहीं पर खड़ा बेटा लक्ष्मी एक लड़के को पहचान गया। जिसका नाम बाले पटेल पुत्र बुद्धू पटेल निवासी पासी तिराहा शत्रुघ्नपुरी है। बैग में आधार कार्ड और पासबुक था। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कर्वी उपेन्द्र प्रताप सिंह ने घटना के शीघ्र अनावरण के लिए एसआई श्यामदेव, एसआई अनिल कुमार गुप्ता के नेतृत्व में टीम गठित की। पुलिस टीम ने तीन घण्टे के अन्दर आरोपी विकास उर्फ देवीदीन उर्फ नेपाली पुत्र नवल किशोर निवासी गोडा रूकमा खुर्द बहिलपुरवा व बाले पटेल पुत्र बुद्धू को रेलवे यात्री शेड के पास से लूट के आठ हजार रुपये के साथ गिरफ्तार किया है।

ब्रांच पोस्ट मास्टर की भर्ती में फर्जीवाड़ा उजागर

-दर्जन भर बीपीएम की सेवा समाप्त

चित्रकूट (आरएनएस)। भारतीय डाक विभाग के एक वर्ष पहले ब्रांच पोस्ट मास्टर की भर्ती प्रक्रिया में बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। इनमें कई जालसाजों ने फर्जी दस्तावेज के आधार पर नौकरी हासिल कर ली थी। जाँच में फिलहाल दो दर्जन मामले सामने आए। जिनकी सेवा समाप्ति की तैयारी है। अब तक एक दर्जन ब्रांच पोस्ट मास्टर की सेवाएं समाप्त कर उनसे वसूली की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। भर्ती प्रक्रिया में इतना बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर होने से विभाग में अफरा तफरी का आलम है। इस मामले में चित्रकूट धाम मण्डल बांदा के डाक अधीक्षक गयूर खान ने कहा कि ब्रांच पोस्ट मास्टर फर्जीवाड़ा मामले में अभी कार्यवाही चल रही है। भारतीय डाक विभाग ने वर्ष 2023 में ब्रांच पोस्ट मास्टर की भर्ती निकाली थी। इसमें मैरिट के आधार पर नियुक्ति दी गई थी। नौकरी पाने वालों को मण्डल के महोबा, हमीरपुर, बाँदा व चित्रकूट के डाक घर व उप डाक घर में तैनात कर दिया गया था। नौकरी पाने के बाद यह ब्रांच पोस्ट मास्टर सैलरी भी लेते रहे। इसी दौरान डाक विभाग को इस भर्ती में गोलमाल की शिकायत मिली। जिसके बाद जाँच शुरू हो गई। नवनियुक्त ब्रांच पोस्ट मास्टर के प्रपत्रों का सत्यापन किया गया तो कई की मार्कशीट जाली पाई गई। इसके बाद भारतीय डाक विभाग हरकत में आ गया और आनन फानन में शिकायत निरीक्षक को कार्यवाही की जिम्मेदारी सौंपी। सूत्रों के अनुसार फर्जी तरीके से नौकरी हथियाने वाले एक दर्जन से अधिक पोस्ट मास्टर की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। इनमें हमीरपुर में 7, महोबा जनपद के 8 व चित्रकूट के 3 ब्रांच पोस्ट मास्टर शामिल है।'

भीषण गर्मी का प्रकोप जारी, पांच लोगों की मौत

चित्रकूट। भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। अलग–अलग जगह पांच लोगों की हालत खराब होने पर जिला अस्पताल लाए। जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है। घटना से परिजनों में शोक छा गया।कोतवाली कर्वी अंतर्गत लक्ष्मणपुरी निवासी बड़े भाई रमेश चंद्र वाल्मीकि ने बताया कि राजा (30) नगर पालिका परिषद कर्वी में सफाई कर्मी था। ड्यूटी कलक्ट्रेट में लगी थी। शनिवार की दोपहर को वह ड्यूटी कर वापस घर आया। अचानक उसकी तबियत खराब होने लगी तो परिजनों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि लू लगने की वजह से उसकी मौत हुई है। मृतक तीन भाईयों व तीन बहनों में सबसे छोटा था। पत्नी सीमा देवी की पहले ही मौत हो चुकी थी। परिजनों ने बताया कि घटना के बाद लेखपाल महेंद्र सिंह व मुंशी तीरथ प्रसाद आए थे। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है।

इसके अलावा मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले के माधवपुरा निवासी जगदीश (50) धर्मनगरी आए थे। रविवार की सुबह रोडवेज बस स्टैंड बेड़ी पुलिया के पास अचानक तबियत बिगडने लगी और बेहोश होकर गिर पड़े। अन्य यात्रियों ने एंबुलेंस को फोन किया। 108 एंबुलेंस के पायलट अनिरुद्ध सिंह ने उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है। भरतकूप थाना क्षेत्र के गोंडा निवासी नाती मुकेश रैदास ने बताया कि बाबा बचौना (70) ट्रक चालक हैं। रविवार की दोपहर को वह भरतकूप कस्बे में अचानक तबियत बिगड़ गई और वह बेहोश होकर गिर पड़े। राहगीरों ने इसकी सूचना परिजनों को दी। परिजनों ने उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है। भरतकूप थाना क्षेत्र के गोंडा निवासी नाती मुकेश रैदास ने बताया कि बाबा बचौना (70) ट्रक चालक हैं। रविवार की दोपहर को वह भरतकूप कस्बे में अचानक तबियत बिगड़ गई और वह बेहोश होकर गिर पड़े। राहगीरों ने इसकी सूचना परिजनों को दी। परिजनों ने उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया। परिजनों ने बताया कि बाबा की लू लगने से हालत खराब हो गई थी।इसी तरह राजापुर थाना क्षेत्र के रगौली गांव निवासी भइयन पुत्र छत्रपाल निषाद (26) अपनी पत्नी को लेकर मामा सइका पुत्र दुबे के यहां अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बाइक से रायपुर जा रहा था। राजापुर कस्बे में अचानक तबियत बिगड़ गई और गश खाकर गिर गया। यह जानकारी पत्नी ने परिजनों को दी। आनन फानन परिजन सीएचसी ले गए। जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। बताया गया कि रायपुर निवासी मामा सइका भैस चराकर घर आए थे। अचानक उनकी हालत खराब होने के बाद मौत हो गई। जिसकी अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए भइयन गया था। मृतक के तीन बच्चे हैं। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम को भेजा है।

गंगा दशहरा पर यज्ञ हवन कर मनाई गायत्री जयंती

चित्रकूट (आरएनएस)। गायत्री शक्तिपीठ मे गायत्री जयंती का पावन पर्व धूमधाम से मनाया गया। प्रातः पांच बजे से सामूहिक गायत्री जप साधना सामूहिक योग साधना और आठ बजे से गायत्री यज्ञ पूजन का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। गुरुदेव का पर्व सन्देश गायत्री शक्तिपीठ के व्यवस्थापक डॉ रामनारायण त्रिपाठी ने दिया। उन्होंने कहा कि गंगा गायत्री दोनों के अवतरण का दिन है। सगर पुत्रो को अभिशाप से मुक्त कराने उनके कुल के तपस्वी भगीरथ गंगा को धरती पर लाये जो उनके कुल के उद्धार के साथ आज पाप संताप से दुखी लोगो का उद्धार कर रही हैं। उनके सम्मान मे गंगा दशहरा का पर्व गंगा स्नान कर मनाते आ रहें हैं। मानस पापों के उद्धार के लिए गायत्री ज्ञान गंगा के अवतरण का दिन भी यही है। ब्रह्मा जी को गायत्री महामंत्र का साक्षात्कार हुआ। तप कर नयी सृष्टि बनायीं। विश्वामित्र ने गायत्री का कठोर तप कर नयी सृष्टि बनाने की शक्ति पाई थी। इन्हीं गायत्री महाप्रज्ञा को तप कर युग ऋषि पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य ने ज्ञान गंगा के रूप मे धरती पर अवतरित किया। जिससे आज के भौतिकवादी, प्रत्यक्षवादी, देहाभिमानी सगर पुत्रो का उद्धार हों सकें। आज व्यक्ति साधनों से परिपूर्ण होकर निराश है। इसके लिए विराट गायत्री परिवार का संगठन खड़ा किया। आज के दिन आचार्य जी अपने स्थूल देह से प्रयाण किया था। पर्व मे सम्मिलित होने बाँदा, सतना, चित्रकूट, राजस्थान, जयपुर, कानपुर, रीवा आदि स्थानों से लोग आए। सुधा तिवारी ने यज्ञ कार्यक्रम सम्पन्न कराया। इस मौके पर गिरधर शांतिकुंज गायक देवदत्त शुक्ल, सुधीर ने संगीत व अन्य व्यवस्थाएं की। इस दौरान कमलेश त्रिपाठी, कृष्णा गुप्ता, जगन्नाथ यादव, जगमोहन यादव आदि उपस्थित रहें।

सर्प के काटने से महिला समेत युवक की मौत

चित्रकूट (आरएनएस)। पहाड़ी थाना क्षेत्र के कादरगंज निवासी ससुर शिवसुख लाल ने बताया कि बहू पूर्णिमा (25) शनिवार की दोपहर को घर में काम कर रही थी। तभी सर्प ने काट लिया। परिजन झाड़ फूंक के लिए गांव में ओझा के पास ले गए, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ तो जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

नैनी नये पुल पर भीषण जाम, बेहाल रहे श्रद्धालु

प्रयागराज(आरएनएस)। आज गंगा दशहरा और निर्जला एकादशी के पावन स्नान पर्व पर गंगा स्नान के लिए आस्था का सैलाब प्रयागराज में उमड़ पड़ा, लेकिन हजारों की संख्या में श्रद्धालू अभी भी इस भीषण गर्मी में आस्था की डुबकी लगाने के लिए पहुंच रहे हैं। आसपास के अलावा दक्षिण भारत के मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत अन्य कई प्रांतों से श्रद्धालु प्रयागराज पहुंचे थे। वाहनों की अधिक संख्या के कारण रीवा राजमार्ग पर जाम लग गया।

लेप्रशी चौराहा से मिर्जापुर मार्ग के वाहन भी नहीं निकल पा रहे थे। भीषण गर्मी में जाम ने लोगों को बेहाल कर दिया। रीवा राजमार्ग पर तो स्थिति यह थी कि लेप्रशी चौराहे से बड़ी संख्या में वाहन कतार में लगे रहे। इस जानलेवा गर्मी में लोग वाहनों में बेहाल रहे। सवारी वाहन से तमाम लोग तो गाड़ियों से उतरकर तपती धूप मे पैदल ही संगम की ओर निकल पड़े। जाम का आलम तो सुबह से ही रहा। शहर की ओर जाने वाले मार्ग पर डांडी के बाद से ही काम लग गया था। मुख्य मार्ग पर जाम के कर छोटे वाहन फुटपाथ से निकल रहे थे। लेप्रशी चौराहा पर जाम का असर पुराना पुल पर भी देखने को मिल रहा था। यहां भी वाहनों की कतार मुट्ठीगंज तक लगी रही। यातायात व्यवस्था को सामान्य करने के लिए पुलिस भी अपनी ओर से प्रयास कर रही थी, लेकिन सफलता नहीं मिल रही थी। नए पुल पर भी वाहनों की कई कतार लगी रही।

गंगा दशहरा पर किया गया शरबत वितरण

प्रयागराज(आरएनएस)। मां त्रिवेणी संगम सेवा संस्था के तत्वधान में गंगा दशहरा के उपलक्ष्य में शरबत वितरण का कार्यक्रम भोले गिरी मंदिर में कटघर मुट्ठीगंज में रखा गया है।स अवसर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी एवं पूर्व पार्षद विजय वैश्य ने लोगों को शरबत वितरण किया और कहा कि मां त्रिवेणी संगम सेवा संस्था समाज की सेवा में समर्पित है और मानवता की सेवा को लेकर सनातन संस्कृति के प्रति प्रेरित करती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था की अध्यक्ष शक्ति धवन और संचालन सचिव कामिनी गुप्ता ने किया।

इस अवसर बैजनाथ केसरवानी, उपसचिव राजेंद्र प्रसाद, रश्मि जायसवाल, शत्रुघ्न जायसवाल, अभय कुशवाहा, नीरज केसरवानी, अरविंद यादव, राहुल चौहान, जान्हवी, धवन, सत्यम भट्ट आदि रहे।

पुलिस प्रशासन की नाकामी से लोग घंटों जाम में फसें- उज्जवल

गंगा दशहरा भीड़ का पूर्वानुमान लगाने में प्रशासन फेल

प्रयागराज(आरएनएस)। नवनिर्वाचित सांसद उज्जवल रमण सिंह ने पुलिस प्रशासन को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि गंगा दशहरा के पावन पर्व पर उमड़ी भीड़ का पूर्वानुमान लगाने में नाकाम रहने के कारण दूरदराज से आये स्नानार्थियों के साथ जमुनापार व शहर के नागरिकों को 4–4 घंटे इस चिलचिलाती धूप में जाम में फंसे रहना पड़ा। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ और सिर्फ प्रशासन का फेलियर था। उसने जाम समस्या से निपटने का कोई उपाय नहीं किया था। या तो भीड़ का पूर्वानुमान लगाने में नाकाम रहे जिसकी वजह से कोई तैयारी नहीं किया जिसका खामियाजा आम जनमानस को भुगतना पड़ा। इस भीषण गर्मी में बच्चे बूढ़े बीमार सब परेशान और प्रशासन मूकदर्शक बना रहा।सपा प्रदेश सचिव विनय कुशवाहा ने बताया कि गंगा दशहरा पर्व पर प्रयागवाल सभा के विमल पाण्डेय की ओर से लेटे हनुमानजी मंदिर के आगे एक भण्डारे का आयोजन किया गया था। जिसमें सांसद उज्जवल रमण सिंह को उपस्थित होना था लेकिन घंटों प्रयास के बाद कार्यक्रम स्थल तक नहीं पहुंच पाये। उसकी सिर्फ एक वजह थी गंगा जी कि ओर जाने वाले सभी मार्ग पर जाम ही जाम रहा। दोनों पुल पर भी जबरदस्त जाम जनता परेशान।

ईद ए कुरबश्च आज शहर भर की मस्जिदों में पढ़ी जाएगी विशेष नमाज दी जाएगी दुम्बों व बकरों की कछुरबानी

प्रयागराज(आरएनएस)। इस्लामिक माह जिलहिज्जा की दस यानि सोमवार को ईद ए कछुरबॉ (ईद उज जुहा)देश भर में एक साथ अकधेदत व ऐहतेराम के साथ मनाया जाएगा।हजरत इब्राहीम की सुन्नत पर अमल करते हुए दुम्बों व बकरों की कछुरबानी दी जाएगी। उम्मुल बनीन सोसायटी के महासचिव सैय्यद मोहम्मद अस्करी के मुताबिकध चौक जामा मस्जिद, शिया जामा मस्जिद चक जीरो रोड, ईदगाह, मस्जिद शाह वसीउल्ला रौशन बाग, मस्जिद ए खदीजा करैली ,मस्जिद कघजी साहब बख्शी बाजार, मस्जिद खानकाह दायरा शाह अजमल सहित शहर की सभी छोटी बड़ी मस्जिदों में तय समय पर ईद उज जुहा की विशेष नमाज इमामों की कघ्यादत में अदा की जाएगी। मस्जिद अय्यूब अंसारी करैली 60 फिट रोड में सबसे पहले सुबहा 6रू00 बजे तो आखरी नमाज 10 बजे दायरा शाह अजमल की खानकाह मस्जिद व 10.30 बजे चक जीरो रोड शिया जामा मस्जिद में होगी।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।